Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 39 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, शनिवार 20 जुलाई 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

अच्छे लोग दूसरों के लिए जीते हैं, जबकि दुष्ट लोग दूसरों पर जीते हैं।

Good People live for others while the bad people live on others.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

माइक्रोसॉफ्की खराबी के कारण हैदराबाद एयरपोर्ट ने जारी की एडवाइजरी, 23 उड़ाने रद्द

हैदराबाद (आरएनएस)। माइक्रोसॉफ्ट की वैश्विक खराबी के कारण शुक्रवार को हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर 23 घरेलू उड़ानें रद्द कर दी गईं। हैदराबाद एयरपोर्ट ने यात्रियों के लिए नई एडवाइजरी जारी की है। हवाई अड्डे के सूत्रों ने बताया कि आईटी सेवाओं में व्यवधान के कारण विभिन्न एयरलाइनों को 12 टेक ऑफ और 11 लैंडिंग रद्द करनी पड़ी। दोपहर तक यही स्थिति थी। आईटी सेवाएं अभी तक बहाल नहीं होने के कारण रद्द उड़ानों की संख्या में और वृद्धि हो सकती है। एयरपोर्ट ने यात्रियों को भेजे संदेश में कहा, हम अपने यात्रियों की असुविधा को कम करने के लिए अपने सभी साथियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

अमित शाह आज रांची में झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के अभियान का करेंगे शंखनाद

रांची (आरएनएस)। केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह शनिवार को रांची आ रहे हैं। वह झारखंड में विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के अभियान का शंखनाद करेंगे।पार्टी ने रांची के प्रभात तारा मैदान में प्रदेश की विस्तारित कार्यसमिति की सभा बुलाई है, जिसे वह मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित करेंगे। इस सभा में प्रदेश, जिला, मंडल स्तर की कार्यसमिति और पार्टी के विभिन्न मोर्चों-प्रकोष्ठों के 26 हजार से ज्यादा पदाधिकारी और सदस्य शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री साय की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक, लिए गए कई महत्वपूर्ण निर्णय

साय सरकार का किसानों के हित में एक और बड़ा फैसला

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में मंत्रिपरिषद की बैठक आयोजित हुई। बैठक में निम्नानुसार महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मंत्रिपरिषद की बैठक में प्रथम अनुपूरक अनुमान वर्ष 2024-2025 का विधानसभा में उपस्थापन के लिए छत्तीसगढ़ विनियोग विधेयक-2024 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया।

किसानों को उनकी उपज का अधिकतम मूल्य प्राप्त हो, इसके लिए छत्तीसगढ़ कृषि उपज मंडी अधिनियम में संशोधन किए जाने का निर्णय लिया गया। मंत्रिपरिषद की बैठक में छत्तीसगढ़ कृषि उपज मंडी (संशोधन) विधेयक-2024 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया। छत्तीसगढ़ कृषि उपज मंडी अधिनियम में संशोधन होने से अन्य प्रदेश के मंडी बोर्ड अथवा समिति के एकल पंजीयन अथवा अनुज्ञप्तिधारी, व्यापारी एवं प्रसंस्करणकर्ता भारत सरकार द्वारा संचालित ई-नाम पोर्टल (राष्ट्रीय कृषि बाजार) के माध्यम से अधिसूचित कृषि उपज की खरीदी-बिक्री बिना पंजीयन के कर सकेंगे, इससे छत्तीसगढ़ राज्य के किसानों और विक्रेताओं को अधिकतम मूल्य मिल पाएगा।

संशोधन प्रस्ताव के अनुसार मंडी फीस के स्थान पर अब 'मंडी फीस तथा कृषक कल्याण शुल्क' शब्द जोड़ा जाना प्रस्तावित है। संशोधन प्रस्ताव के अनुसार कृषक कल्याणकारी गतिविधियों के लिए मंडी बोर्ड अपनी सकल वार्षिक आय की 10 प्रतिशत राशि छत्तीसगढ़ राज्य कृषक कल्याण निधि में जमा करेगा। इस निधि का उपयोग नियमों में शामिल प्रयोजनों के लिए किया जा सकेगा। छत्तीसगढ़ राज्य के नगरीय क्षेत्रों में शासकीय भूमि के आबंटन, अतिक्रमित भूमि के व्यवस्थापन और भूमि स्वामी को हक प्रदान करने के संबंध में मंत्रिपरिषद ने महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए इस संबंध में पूर्व में जारी निर्देश और परिपत्रों को निरस्त कर दिया है। जिसमें राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा नगरीय क्षेत्रों में अतिक्रमित भूमि के व्यवस्थापन, शासकीय भूमि के आबंटन एवं वार्षिक भू-भाटक के निर्धारण एवं वसूली प्रक्रिया संबंधी 11 सितम्बर 2019 को जारी परिपत्र, नगरीय क्षेत्रों में प्रदत्त स्थायी पट्टों का भूमिस्वामी हक प्रदान किए जाने संबंधी 26 अक्टूबर 2019 को जारी परिपत्र, नजूल के स्थायी पट्टों की भूमि को भूमिस्वामी हक में परिवर्तित किए जाने के लिए 20 मई 2020 को जारी परिपत्र तथा नगरीय क्षेत्रों में शासकीय भूमि के आबंटन, अतिक्रमित भूमि के व्यवस्थापन और भूमि स्वामी हक प्रदान करने के संबंध में 24 फरवरी 2024 को जारी परिपत्र शामिल हैं। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि इन प्रपत्रों के अंतर्गत जारी आदेशों के तहत आबंटित भूमि की जानकारी राजस्व विभाग की वेबसाईट में प्रदर्शित की जाएगी और इस विषय में कोई भी आपत्ति और शिकायत प्राप्त होने पर संभागीय आयुक्त द्वारा इसकी सुनवाई की जाएगी। छत्तीसगढ़ माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक-2024 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया। जीएसटी कॉउंसिल द्वारा इनपुट सर्विस डिस्ट्रीब्यूटर के संबंध में आगत कर प्रत्यय लिये जाने के प्रावधान को युक्तियुक्त बनाने एवं पान मसाला, गुटखा इत्यादि के विनिर्माण में लगने वाले मशीनों के रजिस्ट्रीकरण के लिए अधिनियम में कुछ संशोधन का निर्णय लिया गया था। इस निर्णय के परिपेक्ष्य में केन्द्रीय माल और सेवा कर संशोधन अधिनियम 2024, 15 फरवरी 2024 अधिसूचित है। इस संबंध में छत्तीसगढ़ माल और सेवा कर अधिनियम 2017 में भी तद्नुसार संशोधन किया जाना प्रस्तावित किया गया है। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग का 22वां वार्षिक प्रतिवेदन (01 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 तक की अवधि के लिए) विधानसभा के पटल पर रखे जाने हेतु अग्रिम आवश्यक कार्यवाही के लिए सामान्य प्रशासन विभाग को अधिकृत किया गया।

मोवा बाजार चौक रायपुर का नामकरण शहीद भरत लाल साहू चौक करने का निर्णय

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और मंत्रिपरिषद के सदस्यों ने शहीद भरत लाल साहू की स्मृति को अक्षुण्ण रखते हुए मोवा बाजार चौक रायपुर का नामकरण उनके नाम से शहीद भरत लाल साहू चौक करने का निर्णय लिया है। गौरतलब है कि एसटीएफ के आरक्षक भरत लाल साहू 17 जुलाई को बीजापुर जिले के मंडीमरका के जंगल में सर्चिंग के दौरान माओवादियों द्वारा लगाए गए आईईडी ब्लास्ट की चपेट में आने की वजह से शहीद हो गए थे। शहीद श्री भरत लाल साहू रायपुर के मोवा बाजार के रहने वाले थे।

संसद के बजट सत्र में विपक्षी दलों को एक सुर में जवाब देगा एनडीए

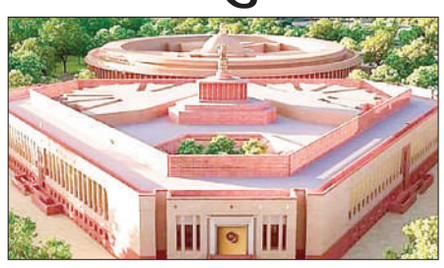

नई दिल्ली (आरएनएस)। संसद का आगामी बजट सत्र 22 जुलाई से शुरू होने जा रहा है और इसके 12 अगस्त तक चलने की संभावना है। यह मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का दूसरा संसद सत्र है और इसलिए केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा और केंद्र सरकार कई स्तरों पर इसे लेकर तैयारी कर रही है। लोकसभा में विपक्ष के नेता बनने के बाद राहुल गांधी ने पिछले सत्र के दौरान, जो कि मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला सत्र भी था, जिस अंदाज में सरकार को घेरने की कोशिश की थी और जिस तरह से विपक्ष के कई राजनीतिक दल राहुल गांधी का साथ देते नजर आए, उसे देखते हुए भाजपा और सरकार ने सोमवार से शुरू होने जा रहे सत्र को लेकर काउंटर रणनीति तैयार कर ली है।

बताया जा रहा है कि संसद सत्र के दौरान भाजपा, एनडीए गठबंधन के सहयोगी दलों के साथ मिलकर उन तमाम मुद्दों पर एक साझा जवाब तैयार करेगी, जिन मुद्दों को सदन में उठाने की तैयारी विपक्षी दल कर रहे हैं। सरकार के रणनीतिकारों का जोर इस बात पर ज्यादा होगा कि विपक्षी दलों के आरोपों और हमलों का जवाब एनडीए गठबंधन में शामिल सभी दल एक सुर में देते हुए नजर आएं।

बता दें कि सोमवार से शुरू होने जा रहे संसद सत्र के दूसरे दिन 23 जुलाई को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सुबह 11 बजे लोकसभा में मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला पूर्ण बजट पेश करेंगी। सरकार आगामी बजट सत्र के दौरान, केंद्रीय बजट पारित करवाने के साथ ही 5 अन्य विधेयकों- आपदा प्रबंधन (संशोधन) विधेयक-2024, बॉयलर विधेयक-2024, भारतीय वायुयान विधेयक-2024, कॉफी (संवर्धन और विकास) विधेयक-2024 और रबड़ (संवर्धन और विकास) विधेयक-2024 भी पारित करवाने का प्रयास करेगी। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर संघ राज्य क्षेत्र का बजट पेश करना और चर्चा के बाद पारित करवाना भी सरकार के एजेंडे में शामिल है।

सीएम ने शहीद जवान के पार्थिव शरीर को दिया कांधा

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने आज चौथी बटालियन माना पहुंचकर गत दिवस बीजापुर जिले के तर्रेम में माओवादियों द्वारा किये आईईडी ब्लास्ट में शहीद हुए जवान भरत लाल साहू के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने शहीद जवान के पार्थिव शरीर को कंधा देकर ससम्मान निवास रायपुर के सड्डू के लिए रवाना किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस मौके पर कहा कि बीजापुर जिले के तर्रेम में हुए आइईडी ब्लास्ट में हमारे वीर जवानो ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है। हमारी सरकार बनते ही हमने माओवादियों के खिलाफ अपनी लड़ाई तेज कर दी है और हम निर्णायक लड़ाई लड़ रहे है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे जवानों की शहादत बेकार नहीं जाएगी। मुख्यमंत्री साय ने इस दौरान शहीद जवान भरत लाल साहू के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया।

केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू ने दिल्ली में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य राज्यमंत्री, श्री तोखन साहूने आज, निर्माण भवन, दिल्ली में श्री सुभाशीष पांडा (डीडीए, उपाध्यक्ष) और श्री सुरेंद्र कुमार बागड़े (अपर सचिव) के साथ बैठक कर दिल्ली में हो रहे विकास कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान यमुना की सफाई, मास्टर प्लान 2041 और अवैध कॉलोनियों के नियमितीकरण के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। इसके अलावा सुश्री डी थारा (उपर सचिव) के साथ समीक्षा बैठक में देश भर में अमृत मिशन के अंतर्गत चल रहे कार्यों को पूर्ण गुणवत्ता के साथ समयबद्ध ढंग से पूरा कराए जाने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही सुश्री मनीषा सेन शरमा (आर्थिक सलाहकार) से भी शहरी विकास से संबंधित विशेष मुद्दों पर चर्चा की गयी। इसके पूर्व नरेडको के अध्यक्ष श्री हरीबाबू जी और उनके प्रतिनिधि मंडल ने शिष्टाचार भेंट की एवं अफोर्डेबल हाउसिंग और रियल स्टेट सेक्टर से जुडी चुनौतियों के बारे जानकारी दी।

श्री शलभ गोयल, (प्रबंध निदेशक) NCRTC ने भी केंद्रीय राज्यमंत्री से शिष्टाचार भेंट की और चल रहे कार्यों की जानकारी देते हुए उन्होंने निरीक्षण हेतु आमंत्रित भी किया। केंद्रीय राज्यमंत्री ने शीघ्र ही साइट विजिट करने की इच्छा व्यक्त की।

न्यूज पोर्टल्स के इम्पेनलमेंट हेतु फर्जी मैसेज करने वाले के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज

रायपुर (विश्व परिवार)। जनसम्पर्क संचालनालय द्वारा न्यूज पोर्टल्स एवं न्यूज वेबसाईट के इम्पेनलमेंट के लिए आवेदकों को फर्जी मैसेज भेजने वाले के खिलाफ राखी पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज करायी गई है।

जनसम्पर्क संचालनालय ने राखी थाने में कराया एफआईआर

दरअसल जनसम्पर्क संचालनालय द्वारा न्यूज पोर्टल्स एवं न्यूज वेबसाइट के इम्पेनलमेंट के लिए 27 जून से 18 जुलाई 2024 तक ऑनलाईन आवेदन-पत्र आंमत्रित किए गए थे। इस दौरान 16 जुलाई को अज्ञात व्यक्ति द्वारा रबिक प्राईवेट लिमिटेड के नाम पर आवेदकों को व्हाटसअप मैसेज भेजकर यह कहा गया कि उनके आवेदन और पोर्टल्स में कुछ समस्या है, जिसके कारण जनसम्पर्क संचालनालय में उनके इम्पेनलमेंट की संभावना नहीं है। इसके समाधान के लिए आवेदक उनसे सम्पर्क करें।

जनसम्पर्क संचालनालय द्वारा इसकी शिकायत मिलने पर आज नवा रायपुर स्थित राखी थाने में एफआईआर क्रमांक 0158 दर्ज कराई गई है। राखी थाने द्वारा भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 319 के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना प्रारंभ कर दी गई है।

एम्स, रायपुर के कार्यपालक निदेशक को भारत के राष्ट्रपति द्वारा विशिष्ट सेवा के लिए सर्वोच्च रक्षा अलंकरण से सम्मानित किया गया

रायपुर (विश्व परिवार)। एम्स, रायपुर के कार्यपालक निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल (सेवानिवृत्त) को उनकी असाधारण सेवा के लिए दिनांक 19 जुलाई 2024 को राष्ट्रपति भवन में भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु द्वारा परम विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार सशस्त्र बलों में विशिष्ट सेवा हेतु दिया जाने वाला सर्वोच्च पुरस्कार है।

लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल देश के सबसे सम्मानित सैन्य डॉक्टरों में से एक हैं जिनका भारतीय सेना में लगभग चार दशकों का शानदार कार्यकाल रहा है। नवंबर माह 2021 में आर्मी हॉस्पिटल (रिसर्च एंड रेफरल) दिल्ली का नेतृत्व संभालने के पश्चात् लेफ्टिनेंट जनरल जिंदल को लीवर प्रत्यारोपण, हार्ट प्रत्यारोपण और पीडियाट्रिक हार्ट वाल्व रिप्लेसमेंट प्रोग्राम को फिर से शुरू करने का श्रेय जाता हैजिसके बेहतरीन नतीजे सामने आए हैं। उनके नेतृत्व और प्रशासनिक कौशल के कारण अस्पताल में सैनिकों, नौसैनिकों और वायु सैनिकों के कल्याण के लिए बड़ी संख्या में अत्याधुनिक संरचनात्मक परियोजनाएँ शुरू हुईंजिनमें विशेष रूप से बच्चों के लिए प्रारंभिक इंटरवेंशन केंद्र और दुर्घटना और आपातकालीन केंद्र शामिल हैं। इस प्रकार सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवाओं का यह प्रमुख संस्थान उनकी नेतृत्वमेंवर्ष2023 में चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ यूनिट प्रशंसा का गौरवशाली प्राप्तकर्ता बन गया।

इससे पहलेमेजर जनरल के रूप में कमांडेंट कमांड अस्पताल (उत्तरी कमान) उधमपुर के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने अनुकरणीय दूरदर्शिता और संगठनात्मक कौशल का प्रदर्शन करयह सुनिश्चित कियाकि उनके अस्पताल में न केवलसैनिकों और नागरिकों दोनों के कोविड रोगियों की गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल की जाएबल्कि महामारी के दौरान जम्मू और कश्मीर में कई ऑपरेशनल हताहतों को जीवन और अंग बचाने वाले उपचार प्रदान करने में भी उत्कृष्टता जारी रखी जाए। उनके नेतृत्व में अस्पताल को सेना दिवस 2021 पर प्रतिष्ठित आर्मी कमांडर्स यूनिट प्रशंसा प्राप्त हुई। उनकी दृढ़ता और कई गतिविधियों को व्यवस्थित करने की क्षमता के परिणाम स्वरूप उत्तरी कमान के चिकित्सा सेवाओं में परिवर्तनकारी सुधार हुआ। उनको उल्लेखनीय स्तर की असाधारण विशिष्ट सेवा प्रदान करने हेतु उन्हें वर्ष2021 में भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद द्वारा अतिविशिष्ट सेवा मेडल (एवीएसएम) से सम्मानित किया गया।

लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल एक बेहतरीन सैन्य डॉक्टर होने के अतिरिक्त हमेशा कठिनाइयों का सामना करने में दृढ़ निश्चयीव्यक्ति रहे हैं। एक युवा कैप्टन के रूप में 18000 फीट की ऊंचाई पर सियाचिन ग्लेशियर (दुनिया का सबसे ऊंचा युद्धक्षेत्र) पर तैनाती के दौरानउन्होंने वर्ष 1987 में साल्टोरो रिज पर पाकिस्तान द्वारा किए गए हमले के दौरान उत्कृष्ट पेशेवर तरीके से युद्ध में हताहतों को संभालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्हे युद्ध में विशिष्ट सेवा प्रदान करने हेतु वर्ष 1989 में गणतंत्र दिवस के अवसर पर भारत के राष्ट्रपति द्वारा युद्ध सेवा पदक (वाईएसएम) से सम्मानित होने वाले पहले चिकित्सक होने का गौरव उन्हें प्राप्त है।

वृहद वृक्षारोपण महाअभियान में 700 से अधिक पौधे रोपित किए गए

विधायक गुरु खुशवंत साहेब ने की पीपला फाउंडेशन की सराहना

आरंग (विश्व परिवार)। स्वयंसेवी सामाजिक संगठन पीपला वेलफेयर फाउंडेशन व भारतीय जनता पार्टी मंडल के संयुक्त संयोजन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान के अनुरूप 'एक पेड़ मां के नाम' के तहत कलई रोड किनारे करीब दस एकड़ मैदान में 700 से अधिक पौधे रोपित किए गए। इस महाभियान में भाजपा मंडल के सभीपदाधिकारियों, सदस्यों तथा पीपला वेलफेयर फाउंडेशन के सभी सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर विधायक गुरु खुशवंत साहेब ने पौधरोपण करते हुए सभी को एक पेड़ मां के नाम पर रोपित करने का आग्रह किया। उन्होंने उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए कहा कि पौधे लगाने से ज्यादा महत्वपूर्ण इसकी सुरक्षा करना है। पीपला फाउंडेशन के साथियों ने जो बीड़ा उठाया है, वह सराहनीय है। उन्होंने पौधों की सुरक्षा के लिए समुचित घेरा, जलापूर्ति के लिए नलकूप खनन,इस स्थान में ओपन जीम लगाने की घोषणा की। वृहद पौधरोपण अभियान की सफलता के लिए पहुंचे सभी वर्ग के लोगों का स्वागत करते हुए पीपला वेलफेयर फाउंडेशन के संरक्षक आनंदराम पत्रकारश्री ने कहा कि आज के कार्यक्रम में युवा विधायक गुरु खुशवंत साहेब ने पीपल के पौधे रोपकर इस अभियान का शुभारंभ किया। यह आक्सीजोन बनकर नगरवासियों को जीवन दायिनी आक्सीजन देगा। फलदार, छायेदार, औषधीय गुणों वाले करीब सात सौ पौधे रोपे गए। संरक्षक आनंदराम ने पीपला के कार्यों और सेवाभाव की विस्तृत जानकारी दी।

विधायक गुरू खुशवंत साहेब ने नगर में पीपला वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा लगातार जनसरोकार व पर्यावरण संरक्षण की दिशा में किए जा रहे कार्यों की उन्मुक्त कंठ से सराहना करते हुए हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में पहुंचे अतिथियों का बाजे-गाजे के साथ आत्मीय स्वागत किया।

रानी पद्मावती महिला संगठन की छत्तीसगढ़ महतारी वाली परिधान व सेल्फी प्वाइंट विशेष आकर्षण का केंद्र रहा।इस अवसर पर भाजपा मंडल परिवार के सभी सदस्यों, पीपला वेलफेयर फाउंडेशन के समस्त सदस्यों, विभिन्न समाज के प्रमुखो, समस्त जन-प्रतिनिधिगण, विभिन्न सामाजिक संगठन, कोसल साहित्य कला मंच, श्री बागेश्वरनाथ महादेव गौ सेवा धाम समिति, बाजार समिति, राधा कृष्ण मंदिर समिति, विभिन्न महिला समूह की महिलाएं, विभिन्न समाज प्रमुख, नागरिकगण, अधिकारी कर्मचारियों, मीडिया कर्मियों सहित बड़ी संख्या में प्रकृति प्रेमियों की उपस्थिति व सहभागिता रही। कार्यक्रम का क्रमिक संचालन अशोक साहू और महेन्द्र पटेल ने किया। आभार प्रदर्शन पीपला वेलफेयर फाउंडेशन के अध्यक्ष दूजेराम धीवर ने किया।

डायरिया से बचाव के लिए जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली कलेक्टर ने

स्वास्थ्य केंद्रों में किसी प्रकार की लापरवाही न हो : मुख्यमंत्री साय

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि वर्षाकाल में होने वाली जनजनित बीमारी डायरिया, मलेरिया की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य केंद्रों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा है कि स्वास्थ्य केंद्र में सभी जीवन रक्षक दवाओं का पर्याप्त भण्डारण और आवश्यकतानुसार मरीजों को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री श्री साय के निर्देशों के परिपालन में जांजगीर-चांपा कलेक्टर श्री आकाश छिकारा ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिले में डायरिया से बचाव के लिए सभी जिला स्तरीय एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में उन्होंने डायरिया रोकने के लिए अधिकारियों को जनजागरूकता के लिए व्यापक प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए। उन्होंने गांव-गांव में कोटवारों के माध्यम से मुनागी कराने, मितानिनों, आंगनबाड़ी केंद्रों एवं स्कूलों में जन जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बैठक में कहा कि सभी संबंधित अधिकारी मैदानी स्तर पर कार्य करें।

उन्होंने कहा कि डायरिया के मरीज़ों को नियमित अंतराल पर जाँच किया जाए एवं गंभीर स्थिति होने पर हायर सेंटर में रेफ़र किया जाए। उन्होंने कहा कि जिन गांवों में डायरिया के प्रकरण निकल रहे हैं वहां अगले 15 दिवस तक प्रतिदिन मितानिनों के द्वारा प्रत्येक घर में जाकर डायरिया पीड़ित मरीज़ का सर्वे कर जानकारी लेने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्वास्थ्य अमलों से कहा कि यदि आपके किसी भी स्वास्थ्य केंद्र में किसी गाँव से कोई डायरिया का मरीज़ आता है, तो तुरंत उस गाँव के सेक्टर सुपरवाइज़र, आरएचओ एवं मितानीन को डोर टू डोर जाकर सभी घरों की जानकारी संबंधित अधिकारी को उपलब्ध कराएंगे।

संक्षिप्त समाचार

बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने प्लेसमेंट कैम्प का होगा आयोजन

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री दीपक सोनी के मार्गदर्शन में जिले के बेरोजगार युवाओं को सेक्योरिटी गार्ड एवं सुरक्षा सुपरवाईजर के रूप में रोजगार उपलब्ध कराने के लिए सभी जनपद पंचायत मुख्यालयों में प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जाएगा। जिला कौशल विकास प्राधिकरण से प्राप्त जानकारी के अनुसार एस. आई.एस. इंडिया कम्पनी लिमिटेड अनूपपुर मध्यप्रदेश के द्वारा जनपद स्तर पर प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जाएगा। उक्त काउंसलिंग कैम्प 29 जुलाई को जनपद पंचायत कसडोल, 30 एवं 31 जुलाई जनपद पंचायत पलारी, 1 एवं 2 अगस्त जनपद पंचायत सिमगा, 3 एवं 5 अगस्त जनपद पंचायत भाटापारा, 6 एवं 7 अगस्त जनपद पंचायत बलौदाबाजार, 8 अगस्त आई.टी.आई. सकरी बलौदाबाजार एवं 10 अगस्त को जिला रोजगार कार्यालय बलौदाबाजार में प्रातः 10 से 4 बजे तक प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जायेगा।

आपदा पीड़ित 2 परिवार को 12 लाख रूपये राशि की आर्थिक सहायता

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री दीपक सोनी ने राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत प्राकृतिक आपदा पीड़ित 2 परिवार के लिए 12 लाख रुपये आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत किया है। उन्होंने मृतक के वैध वारिसान के बैंक खाते में उक्त राशि जमा कराने के निर्देश सम्बंधित आहरण एवं संवितरण अधिकारी को दिए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार कसडोल तहसील अंतर्गत ग्राम छरछेद निवासी भोजराम पिता जानिकराम की तालाब के पानी में डूबने एवं बलौदाबाजार तहसील अंतर्गत ग्राम रसेड़ा निवासी मोहरबाई पति स्व. मंगलदास मनहरे एवं पुनीतराम पिता स्व. मंगलदास मनहरे की कोयला डस्ट की खुदाई करते समय मिट्टी धसकने से मृत्यु हो गई थी। राजस्व पुस्तक परिपत्र खंड 6-4 के प्रावधान के अनुसार मृतक के निकटतम वैध वारिसान दामिनी पति सरोज चंदेल को 8 लाख रूपये एवं हिरमीबाई पति स्व. भोजराम कैवर्त्य को 4 लाख रुपये आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत किया गया है।

डी.के. कॉलेज में अतिथि व्याख्याता हेतु आवेदन 26 तक

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। शासकीय दाऊ कल्याण कला एवं वाणिज्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय बलौदाबाजार में प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक एवं क्रीड़ा अधिकारी के रिक्त पदों के विरुद्ध अतिथि व्याख्याता एवं क्रीड़ा अधिकारी हेतु आवेदन 26 जुलाई 2024 तक आमंत्रित किये गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार समाज शास्त्र, वाणिज्य, गणित, भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र, कम्प्यूटर एप्लीकेशन, कम्प्यूटर साईंस विषय में एक -एक अतिथि व्याख्याता एवं एक अतिथि क्रीड़ा अधिकारी कुल 8 पद हेतु आवेदन आमंत्रित किये गए हैं। आवेदक अपने समस्त प्रमाणपत्रों एवं आवश्यक दस्तावेज के साथ आवेदन 26 जुलाई 2024 को सायं 5:30 बजे तक रजिस्टर्ड डाक अथवा वाहक के हस्ते प्रस्तुत कर सकते हैं। विस्तृत विज्ञापन संस्था के नोटिस बोर्ड एवं वेबसाइ gdkcbalodabazar. ac.in से प्राप्त किया जा सकता है।

जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (जीतो) अपेक्स द्वारा 2 वर्षीय कार्यकाल की समीक्षा एवं अवार्ड सेरेमनी गोवा के ताज

रायपुर (विश्व परिवार)। एक्शोहोटीका होटल मे राष्ट्रीय लेडीज विंग की चैयरपर्सन संगीता जी ललवानी डायरेक्टर सुनीता जी बोहरा और चीफ सेक्रेटरी शीतल जी दुग्गड की नेतृत्व मे संपन्न हुई। जिसमें देश की प्रबुद्ध महिलाओ ने भाग लिया..18600 महिलाये इस संस्था से जुड़कर समाज मे अपना योगदान दे रही है..ये संस्था से कई महिलाये पुरुष बच्चे शिक्षा व्यापार स्वास्थ्य सेवा खेलकूद स्पोर्ट कुकीग से लाभ उठा रहे है. और स्वयं महिलाये आत्मनिर्भर बन रही है। इन सभी महिलाओ को प्रेरणा देनी वाली रायपुर की कुसुम जी श्रीमाल जो मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की लेडीज विंग की कन्वेनर है..जिन्होंने अधिक से अधिक मेंबर को इस संस्था मे जोड़ा..मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ मे 5 महिला विंग की स्थापना भी की.. पी पी टी द्वारा उन्होंने अपने और अपने सदस्यों के कार्यों को दर्शाया..उनके इस कार्य से प्रभावित होकर अपेक्स के चेयरमैन कांति लालजी ओस्तवाल और जे एल डब्ल्यू के सेक्रेटरी संजय जैन जी महिला विंग की चेयरपर्सन संगीता ललवानी द्वारा नेशनल अवार्ड प्रदान किया गया। उन्होंने बताया कि भविष्य मे भी वो देश और समाज की महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने मे अपना योगदान देती रहेंगी। कार्यक्रम गोवा में हुआ है।

राज्यपाल हरिचंदन को 'मां डिडिनेश्वरी देवी की महिमा' पुस्तक भेंट की गई

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन को आज राजभवन में लेखक डॉ. श्री राजेश पाण्डेय ने छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध ऐतिहासिक पुरातात्विक धार्मिक नगरी मल्हार स्थित डिडिनेश्वरी देवी मंदिर पर आधारित "मां डिडिनेश्वरी देवी की महिमा" पुस्तक की प्रथम प्रति भेंट की। उल्लेखनीय है कि बिलासपुर जिले के मल्हार में ग्रेनाइट पत्थर से निर्मित मां डिडिनेश्वरी देवी का प्रसिद्ध प्राचीन मंदिर स्थित है। इसके बारे में मान्यता है कि यह शिव भगवान को प्राप्त करने के लिए माता पार्वती का तपस्यारत रूप है।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, उरला

// बिजली बंद की सूचना//

(संचा./संधा.) संभाग छ.स्टे.पा.डि.कं.लिमि. उरला के अंतर्गत उपसंभाग उरला के समस्त सम्माननीय विद्युत उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि आवश्यक रखरखाव एवं विस्तार कार्य हेतु 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र उरला से निकलने वाले विद्युत प्रवाह दिनांक 20.07.2024, दिन शनिवार को बंद रहेगा। आवश्यकता के अनुरूप समय में आंशिक परिवर्तन किया जा सकता है।

क्र.	उपकेन्द्र/फीडर का नाम	प्रभावित क्षेत्र/उपभोक्ता	दिनांक	समय
1	33/11 सबस्टेशन उरला			
	1. 11 के.व्ही. एम.पी.मेटल	सेक्टर-सी, राजेश्री प्लॉस्टिक, गिरजा चौक, आर्शिवाद चौक, आर. बी.एस. चौक एवं आस-पास के क्षेत्र	20.07.2024, दिन शनिवार	सुबह 10.00 से दोप 14.00 बजे
	2. 11 के.व्ही. पारफेक्ट	सी.एस.आई.डी.सी. आफिस, सुनील स्टील, हीरापोलिंग क्षेत्र, टेक्नो इण्ड, अछोली बस्ती, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अछोली एवं आस-पास के क्षेत्र		
	3. 11 के.व्ही. गोदावरा	सी.एस.आई.डी.सी. आफिस, ट्रांसफार्मर एवं आस-पास के क्षेत्र		
	4. 11 के.व्ही. बंशी	मितल धरमकांटा, गणपति इण्ड., नियर भारत एग्रो, अम्बे स्टी, एच.पी. पेट्रोल पंप, नवा रिंग रोड, तारपोलिन		
	5. 11 के.व्ही. रूपल	मेन रोड उरला, फिल्टर प्लांट उरला, बेंदरी रोड, टण्डन कॉम्प्लेक्स, कन्हेरा रोड, राजेन्द्र नगर एवं आस पास के क्षेत्र		सुबह 10.00 से दोप 15.30 बजे

"विद्युत संबंधित शिकायतें केन्द्रीकृत कॉल सेन्टर के फोन नं. 1912 पर दर्ज कराएँ।"

असुविधा के लिए खेद है

" विद्युत चोरी एक दण्डनीय अपराध हैं कृपया इससे बचे"
" स्वहित एवं राष्ट्र हित में उर्जा बचाइए"

कार्यपालन यंत्री (संचा./संधा.) संभाग
छ.स्टे.पा.डि.कं. लिमि., उरला

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड

(छत्तीसगढ़ शासन का उपक्रम)

// सूचना//

विद्युत लाईनों / उपकरणों के रख-रखाव लाईन मरम्मत अंडरग्राउंड केबल वर्क एवं सी.टी.पी.टी बदलवाने के आवश्यक कार्य हेतु निम्नांकित फीडरों / उपकेन्द्र के सम्मुख दर्शाये गये तिथि एवं समय में विद्युत आपूर्ति अवरुद्ध रहेगी जिसके समय में आवश्यकतानुसार परिवर्तन संभव हैं। असुविधा के लिये खेद है।

क्र.	दिनांक एवं दिन	समय	उपकेन्द्र का नाम	फीडर का नाम	प्रभावित क्षेत्र
1	2	3	4	5	6
1	20.07.2024 शनिवार	प्रातः 10:30 बजे से 13:30 बजे तक प्रातः 09:00 बजे से 12:00 बजे तक	33/11 पुलिस लाईन सबस्टेशन	33 KV, SBI आउट 11 KV, पेंशनबाड़ा	SBI जोनल ऑफिस बैरन बाजार। पुलिस लाईन आवासीय कालोनी, होलीक्रास स्कूल, पेंशनबाडा, विवेकानंद नगर, माध्यमिक शिक्षा मण्डल कार्यालय परिसर एवं आवासीय परिसर दण्डवती दुर्गा माता मंदिर का आसपास का क्षेत्र, एल.के. अपार्टमेंट्स एवं इस फीडर से जुड़े समस्त उपभोक्तागण इत्यादि।
2	21.07.2024 रविवार	प्रातः 09:00 बजे से 12:00 बजे तक	33/11 नगर निगम सबस्टेशन	11 KV, चिकनी मंदिर फीडर	कोतवाली चौक, एडवर्ड रोड, सदर बाजार, महाराणा प्रताप स्कुल के आस-पास का क्षेत्र चुड़ी लाईन, शनि मंदिर के आस-पास का क्षेत्र, हलवाई लाईन, बंजारी चौक, रवि भवन के आस-पास का क्षेत्र, गोल बाजार चिकनी मंदिर के आस-पास का क्षेत्र महावीर अशोक ज्वेलर्स, नहाटा मार्केट, एवं इस फीडर से जुड़े समस्त उपभोक्तागण इत्यादि।
3	22.07.2024 सोमवार	प्रातः 09:00 बजे से 12:00 बजे तक दोपहर 13:00 बजे से 15:00 बजे तक प्रातः 09:00 बजे से 12:00 बजे तक	33/11 कपडा मार्केट पंडरी सबस्टेशन 33/11 के.व्ही. मेडिकल कॉलेज सबस्टेशन	11 के.व्ही. सद्दानी फीडर 33 KV प्रेस आउट 33 KV मेडिकल इन्टरकनेक्शन 11 KV बस स्टैण्ड फीडर	कपडा मार्केट पंडरी उपकेन्द्र के आसपास का क्षेत्र, एल.आई.सी. बिल्डिंग, ई.पी.एफ. कार्यालय, छोटी रेल पंडरी के आसपास का क्षेत्र, नरेश मार्केटिंग, होटल पायल, एक्सिस बैंक, होटल गुरू के आसपास का क्षेत्र, पालकी होटल, गुरू गोविंद नगर। नवभारत प्रेस, दैनिक भास्कर प्रेस मेक्स यूनिवर्सिटी, जेल एम्पोरियम, जेल कॉलोनी, मेकाहारा चौक के आसपास का क्षेत्र, खालसा स्कूल एवं आसपास का क्षेत्र, श्याम प्लाजा, होटल राजघराना एवं आसपास का क्षेत्र, मिनीमाता बस स्टैण्ड, ई.ए.सी. कॉलोनी, रविनगर का कुछ भाग, होटल फ्लोरा, कृष्णा काम्पलेक्स, जिला न्यायालय की एक सप्लाई, मेकाहारा अस्पताल की एक सप्लाई एवं इस फीडर से जुड़े समस्त उपभोक्तागण इत्यादि।
4	23.07.2024 मंगलवार	प्रातः 09:00 बजे से 12:00 बजे तक	33/11 के.व्ही. मेडिकल कॉलेज सबस्टेशन 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र आई.ए.एस. कॉलोनी	33 KV, अवन्ती विहार फीडर 11 के.व्ही. नहरपारा, 11 के.व्ही. जेल रोड सॉई नगर फीडर	एल.आई.सी. ऑफिस जेल एम्पोरियम की एक सप्लाई, फारेस्ट कॉलोनी, होटल गिरीराज के सामने का क्षेत्र, होटल शारदा, होटल सेलिब्रेशन, टेलीफोन एक्सचेंज, फाफाडीह चौक, माननीय वन मंत्री निवास की एक सप्लाई एवं आसपास का क्षेत्र, पुलिस आवासीय कॉलोनी, फाफाडीह के आसपास का क्षेत्र, होटल सनओम, होटल ईम्पीरियल, स्टेशन रोड का दाहिना भाग का क्षेत्र, होटल सत्कार गली। झूलेलाल चौक एवं आसपास का क्षेत्र, होटल ग्रेण्ड इंटरनेशनल, स्टेशन रोड गुरूद्वारा एवं आसपास का क्षेत्र, स्टेशन बाजार, संजय गांधी चौक, केलकर पारा देशबंधु स्कूल, सूरजादेवी मार्केट एवं इस फीडर से जुड़े समस्त उपभोक्तागण इत्यादि।
5	24.07.2024 बुधवार	प्रातः 09:00 बजे से 12:00 बजे तक	33/11 नगर निगम सबस्टेशन 33/11 पुलिस लाईन सबस्टेशन 33/11 सिविल लाईन सबस्टेशन	11 KV काली माई फीडर 11 KV बुढ़ापारा फीडर 11 KV पंजाबी कॉलोनी फीडर	लक्ष्मी प्लाजा, गांधी मैदान, कांग्रेस कार्यालय, लोकायुक्त कार्यालय, महिला थाना चौक, ओ.सी.एम. चौक हिन्दु हाई स्कुल काली माता मंदिर के आस-पास का क्षेत्र गॉस मेमोरियल मैदान, एकता एनक्लेव के आस-पास का क्षेत्र एवं इस फीडर से जुड़े समस्त उपभोक्तागण इत्यादि। पुलिस आफिसर्स मेस की एक सप्लाई, पुलिस लाईन हेलीपेड, कालीबाडी चौक के आसपास का क्षेत्र, जिला चिकित्सालय, हनुमान नगर, दानीगर्ल्स स्कूल, डिग्री गर्ल्स कॉलेज, गुरूकुल काम्पलेक्स, बुढापारा बिजली आफिस के आसपास का क्षेत्र एवं इस फीडर से जुड़े समस्त उपभोक्तागण इत्यादि। सम्पूर्ण पंजाबी कॉलोनी, एस.बी.आई. मुख्यालय के आस पास का क्षेत्र, छ.ग. कॉलेज, योगानंद स्कुल, आर. एस. पार्क, अडवानी डायग्नोस्टिक सेंटर, महादेव मंदिर, नेताजी चौक के आस पास का क्षेत्र एवं इस फीडर से जुड़े समस्त उपभोक्तागण इत्यादि।
6	25.07.2024 गुरूवार	प्रातः 09:00 बजे से 12:00 बजे तक	33/11 नूतन राईस मिल सबस्टेशन 33/11 गुढ़ियारी	11 KV स्टेशन रोड फीडर 11 KV रिंग रोड	नागोरॉव, नेमीचंद गली, तेलघानी नाका चौक, स्टेशन रोड, संजय गांधी चौक, अरिहत कॉम्पलेक्स, स्टेशन चौक, नर्मदा पारा, फाफाडीह चौक, होटल सुधा, सम्राट टॉकिज के आस पास का क्षेत्र, होटल रायपुर इन होटल ली - रियो, होटल रॉयल एमबीएन्स एवं इस फीडर से जुड़े समस्त उपभोक्तागण इत्यादि। तेलघानी नाका चौक के आस पास का क्षेत्र, राठौर चौक, गुरूनानक चौक, निवेदिता स्कुल, भारत माता कॉम्पलेक्स, बालाजी टॉवर, होटल शुभम प्रभात टॉकिज के आस पास का क्षेत्र देश बन्धु स्कुल. भाजपा कार्यालय रामसागर पारा, मांगड़ा पारा एवं इस फीडर से जुड़े समस्त उपभोक्तागण इत्यादि।

।। स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचाएं ।।

उपभोक्तागण विद्युत शिकायत के लिये विद्युत शिकायत केन्द्र **बुढापारा- 6269753678 गंज जोन- 07712574797** केन्द्रीय कॉल सेन्टर **1912** में संपर्क कर एवं मोर बिजली एप डाउन लोड कर बिजली संबंधित शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

जनहित में विद्युत आपूर्ती हेतु लगाये गये विद्युत लाईन के नीचे/ बगल से भवन / रोड / तालाब का निर्माण करना अवैधानिक है। अतः विद्युत सुरक्षा नियमों का पालन करें।

(ए.के. निवडिंग)
Emp. No. 93516424
कार्यपालन यंत्री (न. सं. मध्य)
छ.ग. स्टेट पावर डिस्ट्री.कं.लिमि. रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./13178/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2024
रायपुर दिनांक : 19-07-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13178
वार्ड का नाम- 60 - चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR652F00939** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SHARDA DEVI ISRANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LT. HARILAL ISRANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **PUSHPA DEVI PANDEY** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O BRIJMOHAN PANDEY** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./12969/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2024
रायपुर, दिनांक 18-07-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12969
वार्ड का नाम- 50 - रानी दुर्गावती वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR445D0331A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SMRITI CHOPDA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **JITENDRA CHOPDA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SHRI MANISH CHAWLA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O SHRI BRAMHANAND CHAWLA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री दिनेश कोसरिया
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./13013/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2024
रायपुर, दिनांक 18-07-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13013
वार्ड का नाम- 50 - रानी दुर्गावती वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR445B00201** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SATISH AWASTHI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **R.G. AWASTHI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **LAKHAN LAL SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O SHRI SADBADAN PRASAD SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री दिनेश कोसरिया
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिका परिषद कुम्हारी, जिला- दुर्ग (छ.ग.)

।। दावा आपत्ति सूचना ।।

क्रं. / 603 / राज.वि. / नामां. / 2024
कुम्हारी, दिनांक 19/07/2024

नगर पालिका परिषद कुम्हारी में अपने स्वयं के भवन/भूमियों को क्रय-विक्रय/ वारिसान/ मृत्यु आधार आदि किया जाकर नगर पालिका अभिलेख में नाम परिवर्तन करने हेतु निम्नानुसार आवेदन प्राप्त हुआ है। उक्त प्रकरणों पर नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 150 के तहत् नामांतरण किये जाने पर यदि किसी भी व्यक्ति/ संस्था/ समुदाय को आपत्ति हो तो इस सूचना के समाचार पत्र में प्रकाशन होने की तिथि से 30 दिन के अन्दर लिखित में नगर पालिका कार्यालय में अपना दावा/ आपत्ति आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। भवन/भूमि नामांतरण संबंधी विवरण निम्नानुसार है :-

हस्तांतरणकर्ता का नाम व पता- श्री मनीष कुमार टिकरिहा, पिता- श्री ललित टिकरिहा, वार्ड क्रं.-19, जंजगिरी, जिला- दुर्ग (छ.ग.)।
हस्तांतरिती का नाम व पता- रोशनी टिकरिहा, पिता- स्व. ललित टिकरिहा, वार्ड क्रं.-19, जंजगिरी, जिला-दुर्ग (छ.ग.)।
भवन/भूमि का विवरण- फ्लैट नम्बर 117 ब्लॉक-2, क्षेत्रफल 432.12 वर्ग फीट, साईं निवास, वार्ड क्रं.-19, जंजगिरी, जिला- दुर्ग (छ.ग.)।
नामांतरण का आधार- मृत्यु उपरांत के आधार पर।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद कुम्हारी

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./13022/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 19-07-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13022
वार्ड का नाम- 10 - रानी लक्ष्मी बाई वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 10 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR227R00261** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RAMNIVAS JAIN (HUF) KARTA RAMNIVAS JAIN** पिता/पति श्री/श्रीमती **PANNA LAL JAIN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री दिलीप कुमार सराफ** पिता/पति श्री/श्रीमती **पिता- स्व. श्री बृजलाल सराफ** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./12896/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 16-07-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12896
वार्ड का नाम- 11 - कालीमाता वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 11 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR330G00033** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SMT. LEELAWATI PATEL** पिता/पति श्री/श्रीमती **LATE. LOKNATH PATEL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **LAXMI BAI MAHANAND** पिता/पति श्री/श्रीमती **DAITARI MAHANAND** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./12770/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 16-07-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12770
वार्ड का नाम- 30 - शंकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 30 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR331b00090** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **VIJAY MARDIKAR, AJAY MARDIKAR** पिता/पति श्री/श्रीमती **LATE. S.B. MARDIKAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **DIVYA JAIN** पिता/पति श्री/श्रीमती **SANSKAR JAIN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./13057/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 19-07-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13057
वार्ड का नाम- 10 - रानी लक्ष्मी बाई वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 10 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR227L00077** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SMT. TANUJA VERMA** पिता/पति श्री/श्रीमती **PARSADI VERMA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ISRAT DAYALA** पिता/पति श्री/श्रीमती **MOHAMMAD MUDASSAR DAYALA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./13138/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2024
रायपुर, दिनांक 19-07-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13138
वार्ड का नाम- 57 - पं. भगवतीचरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **57** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR447E00314** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **HARISH KUMAR LOKUMAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **N/A** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **दिलीप सिंह छाबड़ा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. स. ज्ञान सिंह छाबड़ा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (4)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./13201/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2024
रायपुर, दिनांक 19-07-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13201
वार्ड का नाम- 57 - पं. भगवतीचरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **57** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR447E0314B** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **HARISH KUMAR LOKUMAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **N/A** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. संजय बजाज 2. किरन बजाज** पिता/पति, श्री/श्रीमती **1. जी.पी. बजाज 2. संजय बजाज** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (4)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./13200/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2024
रायपुर, दिनांक 19-07-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13200
वार्ड का नाम- 57 - पं. भगवतीचरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **57** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR447E0314A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **HARISH KUMAR LOKUMAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **N/A** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **दिलीप सिंह छाबड़ा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. स. ज्ञान सिंह छाबड़ा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (4)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./12904/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2024
रायपुर, दिनांक 19-07-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12904
वार्ड का नाम- 44 - ब्राम्हणपारा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 44 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR758A00177** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **CHAMELI BAI TAMRAKAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DAKO SAV URF RAMESH KUMAR TAMRAKAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. विमल कुमार ताम्रकार 2. खिलावन प्रसाद ताम्रकार** पिता/पति, श्री/श्रीमती **दोनों पिता रमेश कुमार ताम्रकार** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, पारिवारिक व्यवस्था पत्र, टैक्स रसीद, मृत्यु प्रमाण पत्र, परिचय पत्र व अन्य दस्तावेज**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (4)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./13180/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2024
रायपुर, दिनांक 19-07-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13180
वार्ड का नाम- 45-स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **45** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR739C0152A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **1. SATISH KUMAR GUPTA, 2. MAHESH KUMAR GUPTA S/O LATE. JAI SHANKAR GUPTA, 3. KIRTI GUPTA W/O LATE. NARESH GUPTA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **N/A** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **निरंजन लाल अलिअस धनेश** पिता/पति, श्री/श्रीमती **घनश्याम दास** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (4)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./12647/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2024
रायपुर, दिनांक 19-07-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12647
वार्ड का नाम- 46-मौलाना अब्दूल रऊफ वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 46 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR440H00209** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SHAILENDRA MISHRA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAMVILAS MISHRA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **अतुल कुमार मिश्रा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. शैलेन्द्र मिश्रा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, टैक्स रसीद, मृत्यु प्रमाण पत्र, परिचय पत्र व अन्य दस्तावेज**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (4)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./13184/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 19-07-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13184
वार्ड का नाम- 27 - इंदिरा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 27 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR737D00221** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **RATIBAI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **CHANDIRAM PANJWANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री आनंद पंजवानी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पिता- स्व. श्री चंदी राम पंजवानी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./13182/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 19-07-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13182
वार्ड का नाम- 27 - इंदिरा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 27 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR220D00027** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **RADHA DEVI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KHATAN MAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री दिलीप पंजवानी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पिता- स्व. श्री खटनमल पंजवानी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक्र त्याग विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर शनिवार 20 जुलाई 2024

अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला संघ बालको द्वारा वृक्षारोपण

कोरबा(विश्व परिवार)। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन बालको शाखा की महिलाओं ने बालकों के पास स्थित केशलपुर गांव के एक सरकारी स्कूल में जाकर उसकी बाउंड्री के चारों तरफ पीपल नीम जामुन आंवला अमरूद लीची तुलसी जैसे बहुत से औषधि और फ्लदार लगभग 50 पौधे लगाए उनकी सुरक्षा के लिए चारों तरफ घेरा लगाया गया और उनकी देखभाल का बीड़ा उठाया इस अभियान में हमारे बाल को के प्रांतीय अंचल प्रमुख श्रीमती मंजू अग्रवाल जी बाल को शाखा की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती ललिता अग्रवाल जी हमारी बाल को शाखा के वरिष्ठ सदस्य श्रीमती प्रेमलता डालमिया जी तथा अंग दान प्रमुख श्रीमती निशा

अग्रवाल जी वहां उपस्थित थे तथा स्कूल की अध्यापिका श्रीमती रीता यादव जी उनके सहयोगी तथा और स्कूल के स्टॉप भी वहां उपस्थित थे स्कूल के बच्चों ने बालको शाखा की सभी सदस्यों का जोरदार स्वागत किया बालको शाखा के सदस्यों ने स्कूल के बच्चों को पौधे लगाने का महत्व बतलाया तथा उनकी देखभाल करना सिखाए गांव के एक सरकारी स्कूल में जाकर उसकी बाउंड्री के चारों तरफ पीपल नीम जामुन आंवला अमरूद लीची तुलसी जैसे बहुत से औषधि और फ्लदार लगभग 50 पौधे लगाए उनकी सुरक्षा के लिए चारों तरफ घेरा लगाया गया और उनकी देखभाल का बीड़ा उठाया इस अभियान में हमारे बाल को के प्रांतीय अंचल प्रमुख श्रीमती मंजू अग्रवाल जी बाल को शाखा की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती ललिता अग्रवाल जी हमारी बाल को शाखा के वरिष्ठ सदस्य श्रीमती प्रेमलता डालमिया जी तथा अंगदान प्रमुख श्रीमती निशा अग्रवाल जी वहां उपस्थित थे तथा स्कूल की अध्यापिका श्रीमती गीता यादव जी उनके सहयोगी तथा और स्कूल के स्टाफभी वहां उपस्थित थे स्कूल के बच्चों ने बालको शाखा की सभी सदस्यों का जोरदार स्वागत किया बालको शाखा के सदस्यों ने स्कूल के बच्चों को पौधे लगाने का महत्व बतलाया तथा उनकी देखभाल करना सिखाए।

मोबाइल चोरी का आरोपी बालक गिरफ्तार

कोरबा(विश्व परिवार)। पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोरबा यू.बी.एस. चौहान एवं उप पुलिस अधीक्षक कोरबा (मुख्यालय) श्रीमती प्रतीभा मरकाम के मार्गदर्शन में जिले में हो रहे चोरी अवैध कारोबार अवैध शराब गांजा के बिकी एवं अपराधिक गतिविधियों पर अंकुश एवं अधिक से अधिक कार्यवाही करने समस्त थाना / चौकी प्रभारीयों की निर्देशित किया गया है। इसी कडी में थाना प्रभारी बालको अभिनवकांत सिंह के नेतृत्व में थाना बालको क्षेत्र में बढ़ रही चोरी की घटनाओं में अंकुश लगाने आरोपी के धरपकड हेतु एक टीम तैयार किया गया जो टीम के द्वारा मुखबीर के सूचना पर थाना बालको के अपराध क. 366/24 धारा 303(2) बीएनएस 2023 के प्रकरण में चोरी गये मोबाईल को एक अपचारी बालक के पास होने सूचना पर जाकर उनसे पूछताछ किया गया जो अपचारी बालक के द्वारा तीन लोग मिलकर दुकान से मोबाईल चोरी करना बताये। अपचारी बालको के कब्जे से एक नग ओप्पो मोबाईल जप्त कर बालको को सामाजिक पृष्ठभूमि भरकर उनके परिजनो को सुपुर्द किया गया है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी बालको निरीक्षक अभिनवकांत सिंह, प्र.आर. लक्ष्मीकांत खरसन, आर. 514 अनिल साहू, 779 हरीश मरावी का उत्कृष्ट योगदान रहा।

संक्षिप्त समाचार

किसानों से 46 लाख की धोखाधड़ी : गिरफ्तार

मुंगेली(विश्व परिवार)। जिले के लालपुर थाना क्षेत्र में किसानों से धोखाधड़ी का मामला सामने आया है. बेमेतरा जिले के ठगों ने कथित तौर पर खुद को व्यापारी बताकर अधिक दाम पर धान खरीदी का झांसा देकर दर्जनभर किसानों के साथ धोखाधड़ी किया है. मुंगेली पुलिस ने मामला दर्ज कर 12 घंटे के भीतर ही एक आरोपी जित्तू साहू को गिरफ्तार कर लिया है. वहीं एक अन्य आरोपी फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस जुटी है. दोनों आरोपी किसानों के गांव जाकर उनसे संपर्क कर धान का अधिक मूल्य देने एवं भविष्य में रकम देने का वादा कर फोन बंद कर फरार हो जाते थे. आज जित्तू साहू पिता खम्मन साहू उम्र 21 वर्ष निवासी नेवसा थाना नवागढ़ जिला बेमेतरा को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया. वहीं एक आरोपी लीलाराम साहू पिता ताराचंद साहू निवासी पछभैया जिला बेमेतरा फरार है, जिसकी जल्द गिरफ्तारी की जाएगी. अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि दोनों ने मिलकर जिले के लगभग 10 किसानों से कुल 46 लाख की धोखाधड़ी की है. इसके अतिरिक्त उपरोक्त आरोपी के विरुद्ध थाना नवागढ़ जिला बेमेतरा में धोखाधड़ी का अपराध दर्ज है। गुरूवाईनडबरी के प्रार्थी यशवंतराज साहू ने लालपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई कि वर्ष 2023 में गर्मी सीजन का धान अच्छा हुआ था. जवाहर साहू, सिद्धलाल साहू, मनीराम साहू, श्रीधर सिंह, हरेन्द्र सिंह, भोले जायसवाल, मुरली चंद्राकर, विष्णु साहू, नंदकुमार साहू, राजेश केसर ये सब ग्राम गुरूवाईनडबरी एवं गंजी बांधा, कोदवाबानी के किसान हैं, जो लगभग 4200 कट्टा प्रत्येक में 40 किलो का वजन का धान रहा, जिसे 2750 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से बेमेतरा जिले के रहने वाले लीलाराम साहू और उसका मुनिम जित्तु साहू दोनों को ज्यादा पैसा देने की बात पर बेचा था।

अपचारी गिरफ्तार

कोरबा(विश्व परिवार)। जिले के चौकी मोरगा क्षेत्रांतर्गत अलग अलग दो मामले के प्रार्थी चौकी आकर रिपोर्ट दर्ज करायें कि उनके नाबालिग लड़की को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला फुसला कर अपहरण कर ले गये है । रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध चौकी मोरगा थाना बांगो में पृथक पृथक अपराध कमांक 0/2024 धारा 137 (2), बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुये पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी, अति0पु0 अधीक्षक नेहा वर्मा, अनुविभागीय पुलिस अधिकारी कटघोरा पंकज ठाकुर तथा थाना प्रभारी बांगो लक्ष्मण खुंटे को घटना के बारे में अवगत कराया गया। उनके मार्गदर्शन में चौकी प्रभारी उप निरी0 नवीन पटेल के नेतृत्व में हमराह स्टाफमोरगा के द्वारा आरोपियों की धर पकड़ के लिए रवाना हुए पुलिस के द्वारा 24 घण्टे के भीतर दोनो मामले के अपहृत बालिकाओं को दस्तयाब किया गया एवं एक प्रकरण के आरोपी धर्मेन्द्र शर्मा पिता लालजी शर्मा उम्र 19 वर्ष साकिन माचाडोली थाना बांगो जिला कोरबा (छ0ग0) एवं विधि विरूद्ध बालक को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जहां आरोपी धर्मेन्द्र शर्मा को न्यायिक हिरासत में जेल दाखिल किया गया एवं विधि विरूद्ध बालक को संप्रेक्षण गृह कोरबा में दाखिल किया गया है।

विकासखण्ड स्तरीय टीबी फोरम की बैठक संपन्न

सूरजपुर(विश्व परिवार)। जिले को टीबी मुक्त बनाने की दिशा में कलेक्टर रोहित व्यास के निर्देशन में निरंतर कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में विकासखण्ड स्तरीय टीबी फोरम की बैठक अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय में एसडीएम सागर सिंह के द्वारा ली गई । बैठक में महिला एवं बाल विकास परियोजना, शिक्षा विभाग, मितानिन कार्यक्रम, पिरामल फाऊंडेशन ट्राईबल टीबी प्रोग्राम, टीबी युनिट ओडगी, स्वास्थ्य विभाग एवं सम्बंधित सदस्य उपस्थित रहे। इस दौरान टीबी को जड़ से मिटाने के लिए सभी विभागों का समन्वय और सहयोग करने , शत प्रतिशत रूप में पंचायतों को टीबी फ्री करने, सभी विभाग को विभागीय बैठकों में टीबी पर चर्चा करने की बात कही गई। इस दौरान जिन लोगों को चौदह दिन से ज्यादा खांसी है उन सभी सभी के का जांच की बात कही गई। इसके लिए शाला के शिक्षको, आजीविका मिशन द्वारा संचालित स्वयं सहायता समूह के सदस्य, वार्ड पंच एवं सचिव सरपंच आदि सभी से सहयोग की अपील की गई है। कार्यक्रम में उपस्थित पिरामल फाऊंडेशन के जिला कार्यक्रम समन्वयक राज नारायण द्विवेदी ने बारह बिन्दुओं पर चर्चा किया जिसमें नि-क्षय सूरजपुर महाअभियान की गतिविधियां, शाला जागरूकता कार्यक्रम, जन आरोग्य समिति बैठक, पंचायत स्तरीय टीबी फोरम का गठन और नियमित बैठक, सचिवालय दिवस, नि-क्षय दिवस, पिरामल फाऊंडेशन की सहभागिता और भूमिका तथा कार्य, रेफरल और जांच, ओडगी विकासखण्ड में उपलब्ध संसाधन आदि के विषय में सविस्तार चर्चा किया गया। इस दौरान लोगों से उनके सुझाव भी लिए गए ।

विश्व सर्प दिवस में जिले के लोगों ने कार्यक्रम में लिया भाग,कोरबा जिला दुर्लभ सरीसृपों का बना घर

कोरबा(विश्व परिवार)। कोरबा जिला वन्य जीवन के दृष्टिकोण से बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां तेंदुओं, हाथियों, ऊदबिलाव, उड़न गिल्लहरी का घर होने के अलावा किंग कोबरा का प्राकृतिक आवास भी है। यह मध्य भारत में किंग कोबरा का एकमात्र घर है। इसमें संरक्षण हेतु स्थानीय समुदायों का अहम भूमिका होती हैं और इनके व क्षेत्र में काम करने वाले वन्यजीव विशेषज्ञों के बीच अंतर को पूरा किए बिना ऐसी प्रजातियों का संरक्षण संभव नहीं हो सकता है। साथ ही किसी भी प्रजाति के संरक्षण के लिए स्थानीय लोगों की भागीदारी महत्वपूर्ण है। हर साल 16 जुलाई को विश्व सर्प दिवस के रूप में मनाया जाता है, जिसका एकमात्र उद्देश्य आम लोगों को साँपों के रहस्यमई जीवन के बारे में जागरूक करना और उनका संरक्षण क्यों महत्वपूर्ण है यह बताना। इसी कड़ी में नोवा नेचर वेलफेयर सोसायटी कोरबा वन मण्डल में किंग कोबरा प्रोजेक्ट पर काम कर रही है और इस वर्ष श्री अरविंद पीएम वन मण्डलाधिकारी, प्रशिक्षु वन मंडलाधिकारी श्री चंद्र कुमार अग्रवाल आईएफएस के मार्गदर्शन और श्री आशीष खेलवार श्री सूर्यकांत सोनी उप-विभागीय अधिकारियों के संयुक्त तत्वाधान में नोवा नेचर वेलफेयर सोसाइटी ने विभिन्न प्रकार के ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किए थे। जिसमें रील मेकिंग, ड्राइंग, क्विज़ आदि शामिल थे पूरे कोरबा के छात्रों ने इस कार्यक्रमों में भाग लिया था जिसमें भाग लिए प्रतिभागियों को पुरस्कृत करने एवम विश्व सर्प दिवस मनाने के लिए वन विभाग के हाल में अयोजित कार्यक्रम आयोजित किया गया जहां सभी को प्रोजेक्टर के माध्यम से चलचित्र दिखाए गए, उसके पश्चात चित्रकला में भाग लिया बच्चों को किंग कोबरा प्रेम सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया जिसमें प्रथम स्थान श्रृष्टि शर्मा, दूसरा स्थान प्रिंस कुमार, तीसरा स्थान राहुल यादव फिर रील बनाने में प्रथन स्थान सैलेश, लहरे, दूसरा स्थान स्वेता उपाधाय तीसरा स्थान भूमिका टंडन प्रशन/उत्तरी में प्रथान स्थान संजना बर्वे दूसरा स्थान कृष्णा बर्वे और तीसरा स्थान श्रद्धा को मिला उसके साथ ही बताया गया की किंग कोबरा क्यों महत्वपूर्ण है और कोरबा वन क्षेत्र में इसका संरक्षण इतना आवश्यक क्यों है इतना ही नहीं किंग कोबरा पर चल रहे प्रोजेक्ट ने ऐसे लोगों की पहचान की है जो किंग कोबरा संरक्षण में स्वेच्छा से सहयोग करना चाहते हैं। टीम को रिस्पांस टीम के रूप में जाना जाता है, जिसका उद्देश्य सांप बचाव, मानव वन्यजीव संघर्ष की स्थिति, वन्यजीव अपराध और वन्यजीव संबंधी मुद्दों के दौरान संरक्षण प्रयासों का समर्थन करना है।

कलेक्टर रोहित व्यास ने किया शासकीय मत्स्य बीज प्रक्षेत्र का निरीक्षण

सूरजपुर(विश्व परिवार)। आज कलेक्टर रोहित व्यास के द्वारा शासकीय मत्स्य बीज प्रक्षेत्र बसदेई में चल रहे मत्स्य बीज उत्पादन कार्य का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने मत्स्य बीज उत्पादन हेतु बनाई गई हैचरी एवं हैचरी में विभिन्न चरणों में अपनाई जा रही प्रक्रिया का अवलोकन किया। उन्होंने मत्स्यबीज उत्पादन हेतु बनाए गए तालाब का अवलोकन करते हुए उत्पादित की जाने वाली विभिन्न प्रजाति की मछलियों की जानकारी ली। इस दौरान सहायक संचालक मछली पालन एम एस सोनवानी, द्वारा बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु 350 लाख स्पॉन मत्स्य बीज, एवं 80 लाख स्टैंडर्ड फ्राई मत्स्य बीज का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। इसके विपक्ष में अब तक कुल 130 लाख स्पॉन का उत्पादन करा लिया गया है। साथ ही उन्होंने बताया कि जिले के मत्स्य कृषकों को अगले माह अगस्त से मत्स्य बीज उपलब्ध हो जाएगा । इसके अलावा कलेक्टर व्यास के द्वारा प्रक्षेत्र में एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत वृक्षारोपण कार्य भी किया गया। इस दौरान प्रक्षेत्र प्रभारी सुधाकर बिसेन(ए एफ ओ), छोटेलाल तिर्की मत्स्य जमादार, सतीश तिग्गा मछुआ चौकीदार, सहयोगी शंखलाल गौतम तिलेश्वर, जगदीश, बरेलाल, खेलसाय, लिखन एवं शिव उपस्थित रहे।

एसईसीएल के कुसमुंडा खदान में क्रेन पलटने से चालक हुआ घायल

कोरबा(विश्व परिवार)। सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम एसईसीएल बिलासपुर की कोरबा-पश्चिम क्षेत्र में स्थापित खुले मुहाने की गेवरा कोयला परियोजना अंतर्गत एसईसीएल की कुसमुंडा खदान में हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे। आए दिन एक न एक हादसे होते रहते हैं, विगत कुछ दिनों पहले डंफर पलट कर उसमे आग लगने से चालक सहित उसमें सवार दो कोल लिफ्टर गंभीर रूप से घायल हो गए थे। जानकारी के अनुसार जब भी खदान में कोई हादसे हों अधिकारी उसे दबाने के फिराक में रहते हैं। इसी तरह 16 जुलाई को दूसरी पाली (सेकंड शिफ्ट) में क्रेन के पलटने से चालक घायल हो गया, चालक ने बताया कि शाम लगभग 4:30 बजे वह क्रेन को लेकर सहायक के साथ निकला, चढ़ाऊ चढ़ते क्रेन अचानक से बंद हो गया। जिस कारण क्रेन लुढ़कने लगा और पलट गया इंजन बंद होने के कारण ब्रेक भी काम नही किया, क्रेन सर्वे अप हो गया। जिस कारण क्रेन में लाइट, ब्रेक की समस्या है, क्रेन ब्रेक डाउन था, खदान के अधिकतर गाडियों के रखरखाव सही समय में नहीं होने से आए दिन घटनाएं हो रही है। बताया जा रहा हैं की क्रेन चालक क्रेन पलटने से गंभीर रूप से घायल हो गया है, उसके सिर में टांके लगे हैं उसका उपचार एक निजी अस्पताल में चल रहा है। भारी भरकम गाड़ियों के सही मेटनेंस नही होने से इस तरह के हादसे बार-बार हो रहे हैं।

एनटीपीसी कोरबा में अंतर-जिला जूनियर गर्ल्स फुटबॉल चैम्पियनशिप और कोचिंग कैंप का शुभारंभ

कोरबा(विश्व परिवार)। एनटीपीसी कोरबा ने गर्व से अंतर-जिला जूनियर गर्ल्स फुटबॉल चैम्पियनशिप और कोचिंग कैंप का शुभारंभ बुधवार को किया, जिससे छत्तीसगढ़ में बुनियादी स्तर पर फुटबॉल की प्रतिभा को बढ़ावा मिलेगा। इस वृत्तांत का आयोजन महत्वपूर्ण समारोह में किया गया, जिसमें जिला फुटबॉल एसोसिएशन के उपाध्यक्ष और मैच कमिशनर जैसे महत्वपूर्ण व्यक्तियों ने भाग लिया। परियोजना प्रमुख एनटीपीसी कोरबा, श्री राजीव खन्ना के नेतृत्व में इस घटना में एनटीपीसी के महाप्रबंधक (ईंधन प्रबंधन) श्री एस.पी. सिंह, अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्री शशि शेखर, और खेल परिषद के अध्यक्ष श्री के.पी. चंद्रावंशी समेत महत्वपूर्ण सीएसआर सदस्य भी मौजूद थे, जो एनटीपीसी की क्षेत्र में खेल विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। चार दिनों के इस टूर्नामेंट में, रायपुर, बीजापुर, दुर्ग, और बस्तर जिलों की टीमें प्रतियोगिता करेंगी। विजेता टीम को 30 खिलाड़ियों के लिए विशिष्ट रूप से तैयार किए गए 21 दिनों के कोचिंग कैंप से सम्मानित किया जाएगा, जो उनके कौशलों को और अधिक सुधारेगा और उन्हें उच्च स्तर की प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करेगा। इस पहल के महत्व को उजागर करते हुए, घोषित किया गया कि कोचिंग कैंप से 15 उत्कृष्ट खिलाड़ी चाहतीसगढ़ का प्रतिनिधित्व राष्ट्रीय स्तर पर करने के लिए चयनित किए जाएंगे। इस पथ में पहले के अनुभव के द्वारा सिद्ध हुआ है, जैसे कि किरण पिसदू की यात्रा। किरण, इस घटना के पिछले संस्करण से चुनी गई, ने राष्ट्रीय स्तर पर उभरते हुए केरल लीग और एक प्रमुख यूरोपीय क्लब के लिए खेला। एनटीपीसी कोरबा, अपने घास-क्षेत्र खेलों के संवर्धन में स्थिर समर्थन देकर, युवा प्रतिभा को पोषित करती है और उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उनकी प्रगति के अवसर प्रदान करती है। एनटीपीसी कोरबा द्वारा आयोजित इस वृत्तांत का एक हिस्सा यह छत्तीसगढ़ जिला फुटबॉल एसोसिएशन के साथ उसकी सीएसआर पहल का हिस्सा है।

शिक्षक व विद्यार्थियों की शत प्रतिशत उपस्थिति करें सुनिश्चित- कलेक्टर रोहित व्यास

स्कूलों में बच्चों के सुरक्षा को लेकर शिक्षा विभाग रखें विशेष ध्यान

शिक्षा विभाग की कलेक्टर ने ली मासिक समीक्षा बैठक

सूरजपुर(विश्व परिवार)। कलेक्टर रोहित व्यास ने आज कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में शिक्षा विभाग की मासिक समीक्षा बैठक ली। जिसमें जिले के सभी शासकीय विद्यालयों की स्थिति, बच्चों की नियमित उपस्थिति, उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के साथ अन्य विषयों पर बिंदुवार चर्चा हुई। साथ ही बैठक में शिक्षक व विद्यार्थियों की शत प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश भी कलेक्टर ने दिया। इसके अलावा उन्होंने अधिकारियों को सभी विद्यालयों के औचक निरीक्षण करने एवं हर 15 दिन में विद्यालय

का मूल्यांकन करने के लिए निर्देशित किया। साथ ही कलेक्टर ने कक्षा 8वीं से 10वीं के विद्यार्थियों में स्कूल छोडने की प्रवृत्ति के लेकर खास ध्यान देने की बात कही। बैठक में कलेक्टर व्यास ने सभी शासकीय स्कूलों में बेहतर शिक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शिक्षा विभाग की गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की इसके लिए उन्होंने स्कूलों में बच्चों एवं शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा बच्चों के पढ़ाई के स्तर को सतत ट्रैक करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने लगातार अनुपस्थित रहने वाले बच्चों के चिन्हांकन के निर्देश करने को कहा। साथ ही ऐसे बच्चे जिनका अटेंडेंस कम है, उनकी सूची तैयार कर उनके पालकों से संपर्क करने एवं काउंसलिंग करने के निर्देश उपस्थित सभी बीईओ को दिये गये ताकि उनमें शिक्षा का स्तर बेहतर हो सके। इसके अलावा व्यास ने स्कूलों में नवाचार करने पर जोर देते हुए विद्यार्थियों के कम्युनिकेशन स्किल, प्रेजेंटेशन स्किल के विकास के लिए विशेष रूप से ध्यान देते की बात कही ताकि स्कूली विद्यार्थियों को भविष्य के लिए तैयार किया जा सके। बच्चों में लीडरशीप क्वालिटी एवं कम्युनिकेशन को बेहतर करने के लिए स्कूलों में होने वाली प्रार्थना सभा के दौरान बच्चों को कविता पाठ, सुविचार कथन, सामान्य अध्ययन की जानकारी, दैनिक समाचार के प्रमुख बिंदुओं से परिचय जैसी गतिविधियों से जोडने एवं बालसभा ,बालकेबिनेट जैसी पहल करने की अवश्यकता बताई। जिसमें रोटेशन पॉलिसी के अनुसार स्कूल के बच्चे उक्त गतिविधियां स्कूल सभा के समक्ष प्रस्तुत करेगा। इससे न केवल विद्यार्थी का आत्मविश्वास बढ़ेगा बल्कि उसमे लगातार सकारात्मक बदलाव भी आएगा ।इसके अलावा शाला प्रवेश उत्सव, गणवेश वितरण, पाठ्यपुस्तक वितरण, स्कूलों में मध्यान्न भोजन शेड व्यवस्था ,किचेन गार्डन एवं उपस्थित संबंधी अधिकारियों के साथ चर्चा की गई। इसके साथ ही बैठक में पीएम स्कूल, कक्षा पहली से पांचवी तक के बच्चों के जाति एवं निवास प्रमाण पत्र, प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना इत्यादि पर भी चर्चा की गई। बच्चों के स्कूल छोडने की मॉनिटरिंग करने एवं बाल विवाह के नुकसान से बच्चो को अवगत कराने के लिए सभी आवश्यक कार्यवाही करने के लिए शिक्षा विभाग के अधिकारियों को कहा। इसके अलावा बच्चों की सुरक्षा पर चर्चा करते कलेक्टर व्यास ने कहा कि सभी अधिकारी विशेष ध्यान रखें कि बच्चे स्कूल संचालन अवधि में स्कूल परिसर से बाहर न जाएं।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर शनिवार 20 जुलाई 2024

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

नए बजट में रोजगार सृजन पर हो जोर

आम लोगों को तगड़ा झटका

खुदरा महंगाई के बाद अब थोक महंगाई ने भी आम लोगों को तगड़ा झटका दिया है। जून महीने में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 5.08 फीसद पर पहुंच गई थी जो चार महीने का उच्चतम स्तर है। अब थोक महंगाई ने भी लगातार चौथे महीने बढ़त दिखाई है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि थोक महंगाई बढ़ने की मुख्य वजह खाद्य पदाथरे, कच्चे तेल तथा प्राकृतिक गैस, खनिज तेल तथा अन्य विर्निमित वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि रही। गौरतलब है कि थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई मई में 2.61 फीसद के स्तर पर थी। जून, 2023 में यह शून्य से 4.18 फीसद नीचे रही थी। फरवरी, 2023 में यह 3.85 फीसद थी। खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर जून में 10.86 फीसद बढ़ी जबकि मई माह में यह 9.82 फीसद थी। सब्जियों की महंगाई दर जून में 38.76 फीसद रही जो मई माह में 32.42 फीसद थी। प्याज की महंगाई दर 66.37 फीसद रही जबकि आलू की महंगाई दर 66.37 फीसद रही। दालों में भी 21.64 फीसद की बढ़त दर्ज की गई। फलों, अनाज, दूध आदि अन्य खाद्य पदाथरे के दामों में भी बढ़त का रुझान रहा। दरअसल, जून माह में थोक दामों में बढ़ोतरी व्यापक रही। ईधन और बिजली को छोड़कर सभी प्रमुख क्षेत्रों में दाम बढ़े। बेशक, जुलाई माह में कुछ राहत मिलने के अनुमान है। अनुकूल तुलनात्मक आधार के साथ-साथ वैश्विक जिंस कीमतों में कुछ नरमी के कारण जुलाई माह में थोक महंगाई में दो फीसद तक नरमी आने की उम्मीद अर्थशास्त्री जतला रहे हैं। अलबत्ता, नरमी की संभावना को कच्चे तेल के दामों में अस्थिरता से झटका लग सकता है। जुलाई माह में कच्चे तेल के दामों में अस्थिरता के चलते मांग-आपूर्ति के मद्देनजर मासिक आधार पर कच्चे तेल में वृद्धि का रुझान देखने को मिला तो थोक महंगाई पर दबाव बढ़ सकता है। बेशक, थोक महंगाई में बढ़त का रुझान केंद्रीय बैंक को उतना चिंता में नहीं डालता जितना खुदरा महंगाई का रुझान। भारतीय रिजर्व बैंक मौद्रिक नीति तैयार करते समय मुख्य रूप से खुदरा मुद्रास्फीति को ध्यान में रखता है।

डा. अश्विनी महाजन

जैविक रसायन, प्लास्टिक और ईवी से संबंधित उपकरणों सहित चीन से आयात प्रतिस्थापन के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) शुरू की जानी चाहिए। साथ ही रोजगार सृजन को बढ़ावा देना होगा हालांकि, अंतरिम बजट फरवरी 2024 में वित्त मंत्री द्वारा पेश किया गया था, अब जुलाई 2024 में पूर्ण केंद्रीय बजट 2024-25 पेश करने का समय आ गया है। इसके लिए विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श बैठकों के साथ तैयारियां पहले ही शुरू हो चुकी हैं, जिसमें अर्थशास्त्री, किसान, एनबीएफसी, बाजार विशेषज्ञ और कई अन्य शामिल हैं। 19 जून को एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों को आगामी बजट के बारे में अपना दृष्टिकोण देने के लिए आमंत्रित किया गया। सरकारी हलकों में लोग 8.2 प्रतिशत की उच्च जीडीपी वृद्धि, 9.9 प्रतिशत की तेजी से बढ़ते विनिर्माण, अप्रैल 2024 में सीपीआई मुद्रास्फीति के 4.82 प्रतिशत के साथ मुद्रास्फीति में कमी, डब्ल्यूपीआई में कमी, राजकोषीय घाटे के बजट अनुमानों से कम रहने, रुपए में पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 1.4 फीसदी की बहुत कम दर गिरावट, और भुगतान संतुलन (बीओपी) में चालू खाता घाटा जीडीपी के बमुश्किल 0.7 फीसदी रहने को लेकर उत्साहित हैं। 2023-24 में, जून के पहले सप्ताह तक विदेशी मुद्रा भंडार 665.8 बिलियन डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया, और जश्न मनाने के लिए बहुत से कारण हैं। अब मोदी 3.0 के सामने चुनौती इस वृद्धि को बनाए रखने के साथ-साथ मुद्रास्फीति, विशेष रूप से खाद्य मुद्रास्फीति और बेरोजगारी के मुद्दे को हल करने की है। बैठक में मौजूद सभी अर्थशास्त्री सरकार की राजकोषीय समझदारी, विनिर्माण संवृद्धि और भुगतान घाटे जैसे मुद्दों से निपटने की सराहना कर रहे थे। राजकोषीय समझदारी से कभी समझौता नहीं किया जा सकता। मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखने और विकास को बढ़ावा देने के लिए यह एक पूर्व शर्त है। कम राजकोषीय घाटे को जारी रखने के बारे में आम सहमति थी। चूंकि सरकार ने

पहले ही अंतरिम बजट 2024-25 में जीडीपी के 5.1 फीसदी के राजकोषीय घाटे का प्रस्ताव रखा है, इसलिए सरकार के लिए इससे विचलित होने का कोई कारण नहीं है। लेकिन कुछ ऐसी जरूरतें हैं जिनके कारण सरकार को पूंजीगत व्यय, विशेष रूप से बुनियादी ढांचे के लिए अधिक धन की आवश्यकता हो सकती है। प्रधानमंत्री आवास योजना सहित कल्याणकारी योजनाओं पर खर्च, पीएलआई योजना, विशेष रूप से नए क्षेत्रों में उसके विस्तार के साथ। इसके अलावा, बेरोजगारी की समस्या, विशेष रूप से शिक्षित युवा बेरोजगारी को संबोधित करने की भी तत्काल आवश्यकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोजगार : रोबोट टैक्स का सुझाव : बैठक में मौजूद कुछ अर्थशास्त्रियों ने नई तकनीक, खास तौर पर एआई के कारण नौकरियों के नुकसान के बारे में चिंता जताई और अन्य लोगों ने भी उनसे सहमति जताई। एक राय यह थी कि हालांकि, हम नई तकनीक के उपयोग से बच नहीं सकते और न ही बचना चाहिए, लेकिन चूंकि इससे नौकरियां जा रही हैं, इसलिए जो लोग लाभ उठा रहे हैं, उन्हें नुकसान उठाने वालों, यानी वे कर्मचारी जिनकी नौकरियां जा रही हैं या नौकरी के बाजार में नए प्रवेशकर्ता, जिन्हें नौकरी नहीं मिल रही है, की भरपाई करनी चाहिए। रोजगार सृजन का जिक्र करते हुए, यह सुझाव दिया गया कि रोबोट टैक्स की संभावना तलाशी जा सकती है, जिसका उपयोग विस्थापित श्रमिकों को पुन: कौशल प्रदान करने और पुनर्वासित करने के लिए किया जा सकता है। यह ध्यान रखना दिलचस्प हो सकता है कि हाल ही में आईएमएफ द्वारा एक पेपर में उल्लेख किया गया है कि यद्यपि एआई समग्र रोजगार और मजदूरी को बढ़ावा दे सकता है, लेकिन आईएमएफने यह भी कहा है कि 'श्रम बल के बड़े हिस्से को लंबे समय तक काम से बाहर रख सकता है, जो एक दर्दनाक संक्रमण की ओर इंगित करता है।' एमएसएमई के लिए डिजाइन किया जाए पीएलआई : उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के पहले चरण की सफलता से उत्साहित, जिसने एपीआई, रक्षा उपकरण, मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक्स और कई अन्य में चीन पर निर्भरता को कम करने में मदद की, अर्थशास्त्रियों ने पीएलआई के अगले चरण को सूक्ष्म, लघु और मध्यम क्षेत्र (एमएसएमई) के इर्द-गिर्द डिजाइन करने का समर्थन किया। रोजगार सृजन पर नजर रखते हुए, अधिक संतुलित औद्योगिक विकास के लिए पीएलआई योजना को एमएसएमई के लिए डिजाइन करना महत्वपूर्ण है। ई-उत्पादों पर सीमा शुल्क लगाने की तैयारी : यह समझा जाता है कि विश्व व्यापार संगठन के 13वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन के परिणाम के अनुसार, विश्व व्यापार संगठन के 14वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन से डिजिटल उत्पादों पर सीमा शुल्क पर रोक समाप्त हो जाएगी। डिजिटल उत्पादों पर सीमा शुल्क लगाने की तैयारी के रूप में, हम इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्रेषित सॉफ्टवेयर और अन्य डिजिटल वस्तुओं के लिए भारतीय सीमा शुल्क मैनुअल में विशिष्ट टैरिफ शीर्ष बनाकर इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन पर शून्य प्रतिशत के सर्वाधिक पसंदीदा राष्ट्र टैरिफके साथ डिजिटाइज करने योग्य वस्तुओं पर सीमा शुल्क शुरू कर सकते हैं, जिसमें ऑपरेटिंग सिस्टम सॉफ्टवेयर, एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर, मल्टीमीडिया, सपोर्ट या ड्राइवर डेटा और अन्य डिजिटल उत्पाद शामिल हैं। इंडोनेशिया ने पहले ही यह कदम उठा लिया है। इससे डेटा एकत्र करने और 01-04-2026 के बाद उचित दरों पर सीमा शुल्क लगाने में सुविधा होगी, जब विश्व व्यापार संगठन द्वारा ई-ट्रांसमिशन के सीमा शुल्क पर लगाई गई रोक समाप्त हो जाएगी। निजी निवेश को बढ़ावा देना : इसमें कोई संदेह नहीं है कि ई-उत्पादों पर टैरिफ लगाने से दीर्घकाल में डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्रेषित उत्पादों में निजी निवेश को बढ़ावा मिलेगा। लेकिन कई अन्य उद्योगों और स्टार्टअप में भी निवेश को बढ़ावा देने की तत्काल आवश्यकता है। घरेलू स्रोतों से इस निवेश को वित्तपोषित करने के लिए, हमें घरेलू निवेशकों के लिए अनुकूल माहौल देने की आवश्यकता है। निजी निवेश को बढ़ावा देने के लिए बैठक में जिन सुझावों पर चर्चा की गई, उनमें निम्नलिखित शामिल हैं : 1. वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ) के प्रवाह में घर्षण को दूर करने के लिए सूचीबद्ध, गैर-सूचीबद्ध क्षेत्रों के बीच दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ समानता सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है। एआईएफद्वारा एक वर्ष से अधिक समय तक रखे गए निवेश को दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ के रूप में वर्गीकृत किया जाता है और तदनुसार दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर के अनुसार कर लगाया जाता है। वर्तमान में सूचीबद्ध शेयरों पर दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ आम तौर पर 10 फीसदी की दर से और गैर-सूचीबद्ध शेयरों और अन्य परिसंपत्तियों पर 20 फीसदी की दर से कर लगता है।

विशेष लेख

सबसे बड़ा पाप गद्दारी

शकील अख़्तर

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने बहुत बड़ी बात कह दी। सब धर्माचार्यों को इस तरह सच बोलने का साहस दिखाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हिदू धर्म में पाप पुण्य का कॉन्सेप्ट है। और इसमें सबसे बड़ा पाप विश्वासघात है। बहुत सही बात। सभी धर्मों में अलग अलग शब्दों में यही कहा गया है। अहसान फरामोशी, अमानत में खयानत इस्लाम में बहुत बुरा माना गया है। शेक्सपियर का यह वाक्य तो दुनिया में सबसे ज्यादा दोहराया जाने वाला है यू टू ब्रूटस! तुम भी! ईसाइयों में ईसा मसीह को धोखा देने वाले यहूदा को कभी माफ नहीं किया। पूरा मानव इतिहास भरा पड़ा है इस एक बुराई पाप की निंदा में। सेना में सुरक्षा बलों में सबसे ज्यादा गंभीर अपराध डबल क्रॉस को माना जाता है। दोनों तरफ के अधिकारी इसे कभी माफ नहीं करते हैं। अगर आप चाहें तो एक सच्ची घटना सुनाएं। जम्मू कश्मीर के कुछ पत्रकार दोस्तों को मालूम है। मिलिटेंसी में पत्रकारों की भी मशरूम ग्रोथ होती है। अखबारों को जरूरत होती है तो वह किसी भी स्थानीय आदमी को रख लेते हैं। जरूरी नहीं कि उन्हें लिखना पढ़ना भी आता हो। एक नाम बाईलाइन में डालकर वे यह बताते थे कि हमारा संवाददाता भी फील्ड में है। उसे पहचान पत्र दे देते थे। और वह सब जगह घूमना शुरू कर देता था। कुछ खबर बताना हो तो फोन पर बोलकर बता देता था। तो ऐसे तमाम लोग आतंकवाद ग्रस्त क्षेत्रों में पत्रकार बन जाते थे। पंजाब में बने। जम्मू कश्मीर में। ज्यादातर तो अख़बार में नाम छपने और अधिकारियों से संपर्क बनाने में खुश रहते थे। मगर सुरक्षा एजेंसियां इन पर कड़ी नजर रखती थीं। इनसे सूचना लेने का काम भी करती थीं। लेकिन जैसा विश्वास वे प्रोफेशनल पत्रकारों पर करती थीं वैसा नहीं। तो हां हम आपको जो बात बता रहे थे वह यह कि ऐसे ही एक बड़े हिंदी अख़बार के संवाददाता पर एक सुरक्षा बल को संदेह था। एक बार ज्यादा नाराज हो गए। सीमावर्ती इलाके का टूर था। सेना और अन्य सुरक्षा बल करवाते रहते थे। नियत्रंण रेखा पर थोड़ा सा पाकिस्तान के कब्जे वाले इलाके में भी घुमा लाते थे। उस दिन केवल एक पत्रकार को उस तरफ ले जा रहे थे। सुरक्षा बल के सभी बड़े अधिकारी उन दिनों दोस्त थे। काम की कद्र करते थे। तो थोड़ा अजीब लगा। उनसे पूछा। तो जो जवाब मिला वह दिल दहला देने वाला था। उन्हें उसके डबल एजेंट होने पर कुछ सबूत मिले थे। यह तो हम सहित दूसरे कुछ पत्रकारों को मालूम था कि उस पर निगाह है। और सुरक्षा बल उससे कुछ काम भी करवाते हैं। उसके उधर होने पर भी कुछ लोगों को संदेह था। जम्मू का स्थानीय निवासी था। पहले कभी पत्रकार नहीं रहा था। सीधा उस अख़बार ने आई कार्ड दे दिया था। उस दिन अफसर उसे उस तरफ ले जाकर कुछ करना चाह रहे थे। वहां अपने काउंटर पार्ट से भी उनकी कोई बात हुई थी। और शायद वे भी डबल क्रॉस को जान गए थे।आप जिस टूर पर हों और वहां कुछ हो जाए। बहुत ही शॉक पहुंचाने वाली बात होती है। बड़ी मुश्किल से अपने अफसरों को समझाया। उन्होंने माफ किया। बड़ी बात थी। नहीं तो उनका कहना था कि एक बार हम उस तरफ से गोली चलाने वाले को छोड़ दें मगर डबल क्रॉस करने वाले को कभी नहीं। और हम ही नहीं वह भी नहीं। यहां बात को समझने के लिए यह बता दें कि सीमा पर दोनों देशों के सुरक्षा बल भी कुछ कुछ मामलों में जैसे डबल क्रॉस, स्मगलिंग पर सूचनाओं का आदान प्रदान करते रहते हैं। तो सेना सुरक्षा बल से लेकर हर धर्म, मानवता सब जगह अंग्रेजी में बिट्रे, हिंदी में विश्वासघात उर्दू में गद्दारी बहुत बुरी बात नाकाबिले माफी मानी जाती है। शंकराचार्य ने इस पाप को महापाप बताकर धर्म और इतिहास की कई यादें दिला दी हैं। विभीषण राम का साथ देने के बावजूद आज भी खलनायक ही हैं। धर्माचार्यों का काम ही यह होता है कि वे आम धारणाओं, सामान्य सिद्धांतों से उपर उठकर नई स्थापना दें। अविमुक्तेश्वरानंद इससे पहले भी बहुत बड़ी बात कह चुके हैं। जब उनसे एक प्रमुख एजेंसी के पत्रकार ने झूठ बोलता हुआ सवाल पूछा कि राहुल गांधी ने यह कहा है। शंकराचार्य जी ने कहा कि कौआ कान ले गया सुनकर पहले अपना कान देखो। कौए के पीछे मत भागो। हमने पूरा वीडियो मंगाकर देखा। राहुल ने वह बात कहीं कही नहीं है जो तुम कह रहे हो। राहुल गांधी ने कहीं हिंदू को हिसंक नहीं कहा। राहुल उन लोगों को कह रहे हैं जो नफरत फैलाते हैं। और राहुल ने नाम लेकर लोकसभा में साफ कहा कि बीजेपी आरएसएस और मोदी सरकार नफरत और हिंसा फैलाते हैं। शंकराचार्य ने सारे झूठ का पर्दाफाश कर दिया। हिंदू, मुसलमान, ईसाई, सिख सबके धर्माचार्यों को इसी तरह सच बोलने से परहेज नहीं करना चाहिए। कभी कभी अप्रिय सत्य भी होता है।

डिजिटल मोड जनता की पहली पसंद

अमित भनोट

आज हम एक ऐसे देश में रह रहे हैं जहां चाय, ब्रेड, दूध आदि जैसे रोजमर्रा के खचरे और खरीदारी के लिए डिजिटल मोड जनता की पहली पसंद बन चुका है। अमेजॉन के एक सर्वे में यह बात सामने आई है कि ऑनलाइन खरीदारी के लिए जहां 90 प्रतिशत भुगतान डिजिटली किया जा रहा है वहीं स्टोर्स में भी डिजिटल भुगतान 50 प्रतिशत जनता की पहली पसंद बन गया है। देश में डिजिटल क्रांति ने जीवन के हर पहलू को न सिर्फ छुआ है, बल्कि बदल कर रख दिया है। ऐसे में जब हम ऐसी खबरें सुनते हैं कि उत्तर प्रदेश में योगी सरकार द्वारा परिषदीय स्कूलों में लागू की गई डिजिटल अटेंडेंस व्यवस्था का प्रदेश के शिक्षकों द्वारा यह कहते हुए विरोध हो रहा है कि यह 'अव्यावहारिक' है, तो निश्चिय ही आश्चर्य होता है। कोई बड़ी बात नहीं कि विरोध कर रहे शिक्षकों के मोबाइल में भुगतान करने के लिए 'भीम एप', मनोरंजन के लिए ओटीटी ऐप, खाना ऑर्डर करने के लिए 'डिलीवरी एप', खरीदारी के लिए भी विभिन्न ऐप पहले से ही मौजूद हों। ऐसे में सिर्फ डिजिटल अटेंडेंस का विरोध करना खुद ही व्यावहारिक नहीं लगता। योगी सरकार ने 8 जुलाई से सभी परिषदीय स्कूलों में मौजूद सभी 12 रजिस्टरों को डिजिटल करने का फैसला लिया है, और सभी बेसिक शिक्षा अधिकारियों को इसे सख्ती से लागू करवाने का निर्देश दिया है। इन्हीं रजिस्टरों में शिक्षकों की अटेंडेंस का रजिस्टर भी शामिल है, जिसमें फेस रिकग्निशन के जरिए स्कूल परिसर में ही स्कूल खुलने और बंद होने के 15 मिनट पहले और बाद में हर शिक्षक को अपनी उपस्थिति टैब के जरिए डिजिटली दर्ज करानी है। नई व्यवस्था के विरोध को देखते हुए प्रदेश सरकार ने इसमें 30 मिनट का ग्रेस टाइम भी दे दिया है। इसी व्यवस्था का विरोध यह कहते हुए हो रहा है कि इसमें व्यावहारिक दिक्कतें हैं, वहीं बरसात में मौसम और आकस्मिक स्थिति में शिक्षक द्वारा इस व्यवस्था का अनुसरण करना संभव नहीं होगा। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या यह विरोध सिर्फ इसलिए है कि इसमें कुछ दिक्कतें आएंगी या फिर किसी और चीज की पर्दादारी है। प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था की स्थिति किसी से छुपी नहीं है। एक ओर तो प्रदेश के 133035 प्राथमिक, कंपोजिट और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षकों की कमी हमेशा ही बनी रहती है वहीं जो शिक्षक हैं भी, उनमें से कई, स्कूलों में नहीं आते हैं, या सिर्फ एक बार रजिस्टर में उपस्थिति दर्ज कर, निकल लेने की फिराक में रहते हैं। राज्य के शिक्षा मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार 2022-23 में प्रदेश में कुल 453594 शिक्षक थे जबकि 126028 पद रिक्त हैं, ऐसे में यदि मौजूद शिक्षक भी विद्यालय न आएं तो शिक्षा की स्थिति समझी जा सकती है। यह सीधे-सीधे बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। यदि हमें प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद करनी है तो सरकार को व्यवस्था में अमूलचूल परिवर्तन करने होंगे। डिजिटल रजिस्टर उसी दिशा में उठाया गया कदम जान पड़ता है। इसके लिए शिक्षा विभाग द्वारा परिषदीय प्राथमिक, कंपोजिट विद्यालयों के शिक्षकों के उपयोग के लिए 2,09,863 टेबलेट्स उपलब्ध कराए गए हैं। परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों के लिए टेबलेट उपलब्ध कराए जाने की प्रक्रिया जारी है। निर्देशों के अनुसार समस्त अध्यापक 1 अप्रैल से 30 सितम्बर तक आगमन उपस्थिति प्रात: 7.45 से 8 बजे तक और प्रस्थान दोपहर 2.15 से 2.30 बजे तक लगाएंगे। एक अक्टूबर से 31 मार्च तक आगमन उपस्थिति सुबह 8.45 बजे से सुबह नौ बजे तक और प्रस्थान उपस्थिति 3.15 बजे से 3.30 बजे तक दर्ज कर सकेंगे। एक प्रश्न हमें और शिक्षकों को खुद से भी पूछना चाहिए। यदि पुरानी फिजिकल रजिस्टर वाली व्यवस्था दुरुस्त थी तो प्राथमिक और उच्च प्राथमिक शिक्षा की स्थिति ऐसी क्यों है? 2023-24 में 2022-23 की तुलना में प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और कंपोजिट स्कूलों में छात्रों की संख्या में 24 लाख से अधिक की गिरावट दर्ज की गई, जो चौंकाने वाला आंकड़ा है। 2023-24 में इन स्कूलों में छात्रों की संख्या 16784645 थी जो पिछली बार से 24 लाख कम है। यह तब है जब कोरोना काल में घटती आमदनी के चलते सरकारी स्कूलों में छात्रों का पंजीकरण खासा बढ़ा था। घटती संख्या के पीछे मुख्य कारण यह भी है कि शिक्षक पढ़ाने आते ही नहीं। ऐसे में डिजिटल अटेंडेंस की व्यवस्था इसमें अपेक्षित सुधार ला सकती है। डिजिटल व्यवस्था के विरोध में एक बात और कही जा रही है कि यह ऐप कई बार शिक्षक की लोकेशन स्कूल से अलग कहीं और दिखाता है। डिजिटल दुनिया में शुरुआती समय में कई बार ऐसा होता है लेकिन यह कमी किसी भी ऐप में समय के साथ ठीक की जा सकती है, लेकिन इसके लिए पूरी व्यवस्था को अव्यावहारिक कह कर नकार देना कतई सही नहीं है। सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर, दोनों स्तरों में लगातार सुधार जारी हैं, वहीं जरूरत के अनुसार नियमों में रियायतें भी दी जा रही हैं। आधे घंटे का 'ग्रेस' इसी दिशा में उठाया गया कदम है।

अगर समग्र रूप से देखें तो किसी भी राज्य की शिक्षा व्यवस्था सीधे हमारे मानव संसाधन के भविष्य से जुड़ाव रखती है, और समय के साथ इसमें बदलाव विकसित भारत के सपने को साकार करने में अहम है। यदि प्रदेश का शिक्षा तंत्र और शिक्षक अपने ध्येय का बखूबी पालन करते हैं, तो इसका सकारात्मक असर सीधे प्रदेश की प्रोडक्टिविटी पर तो होगा ही, वहीं हम बेहतर नागरिकों का निर्माण भी करेंगे। इसे देखते हुए एक समाज के तौर पर हमें अपनी शिक्षा व्यवस्था को पूरी गंभीरता से लेना चालिए। हमें ऐसे शिक्षा के मंदिरों का निर्माण करना है जहां स्कूल में हमारे बच्चों के लिए सभी मूलभूत सुविधाएं हों, शौचालयों की व्यवस्था हो, मिड डे मील के रूप में भोजन की उचित व्यवस्था हो, पक्का स्कूल हो, बैठने के लिए डेस्क हो।

आइए हम सब खेल का उत्सव मनाएं- खेल ही ज्ञान है!

यह बच्चे और आपके अंदर मौजूद बचपन के लिए उपयुक्त है

शब्द संख्या: 741

माननीय शिक्षा मंत्री द्वारा 20 फरवरी 2023 को जादुई पिटारा (जादू बॉक्स) के शुभारंभ के अवसर पर कुछ बच्चों को बॉक्स का अनावरण करने के लिए मंच

पर आमंत्रित किया गया था। जैसे ही बच्चों ने जादुई पिटारा खोला, जो पूर्व-प्राथमिक स्तर के शिक्षण-शिक्षा से जुड़ी सामग्री है, तो उन्होंने औपचारिक तरीके से पुस्तकों और फ्लैशकार्ड को एक-एक करके ध्यान से देखा। लेकिन जब उनकी नज़र नीचे पड़े खिलौनों पर पड़ी, तो उनकी आंखें चमक उठीं और वे उसके चारों ओर ऐसे इकट्ठा हो गए, जैसे बच्चे जन्मदिन-केक के चारों ओर जमा हो जाते हैं। उन्होंने बॉक्स से अपने पसंदीदा खिलौने उठाए- गुड़िया, कठपुतली आदि और एक-दूसरे के साथ खुशी व्यक्त करते हुए अपनी दुनिया में इस तरह मग्न हो गए कि मंच और समारोह पीछे छूट गए। इसने आश्चर्य, जिज्ञासा और खुशी पैदा की। पांच सौ से ज़्यादा प्रशासकों, शिक्षाविदों और शिक्षकों की प्रतिष्ठित सभा ने अपने बचपन को याद करते हुए तालियां बजाईं और मुस्कान बिखेरी। जुलाई 2024-25 में नए स्कूल वर्ष की शुरुआत के मौके पर भारत भर की कक्षाओं में चमकती आंखें, हंसी, खिलखिलाहट, बातचीत, नन्हें पैरों की पदचाप और कभी-कभी रोने की आवाजें सुनाई देती हैं। आइए हम नए शिक्षण वर्ष को प्रत्येक बच्चे के लिए स्वागत योग्य, आनंदमय और चंचल बनाकर मनाएं। खेल बच्चों के लिए स्वाभाविक है और समग्र विकास (शारीरिक, सामाजिक-भावनात्मक, भाषाई, संज्ञानात्मक और सांस्कृतिक) के लिए एक शक्तिशाली उपाय है। यह बच्चों को एक सुरक्षित, मज़ेदार और बगैर रोक-टोक वाली जगह में जिज्ञासु होने, खोज करने और प्रयोग करने की अनुमति देता है। हाल ही में, भारत और दुनिया ने 11 जून को संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित अंतर्राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया, जिसमें विशेष रूप से बच्चों को उनकी पूरी क्षमता तक पहुंचने के लिए खेल के महत्व को मान्यता दी गई है। भारत ने भी खेल पर ज़ोर दिया है और इसे संस्थागत बनाने में अग्रणी रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 और राष्ट्रीय पूर्व-प्राथमिक स्तर पाठ्यचर्या रूपरेखा, 2022 (एनसीएफ-एफएस) ने पहली बार पूर्व-प्राथमिक स्तर (3-8 वर्ष की आयु) के लिए एक पाठ्यक्रम रूपरेखा की परिकल्पना की और इसे तैयार किया। एनसीएफ-एफएस का मुख्य परिवर्तनकारी पहलू खेल के माध्यम से सीखना है, जो अपने आप पता चल जाने वाली बातों को वैधता प्रदान करता है: यानी, जब बच्चे खेलते हैं, तो वे सीखते हैं। सीखना केवल तब नहीं होता, जब बच्चा लिख रहा होता है। सीखने की एक विशेष शैली को लागू न करने की जरूरत है, क्योंकि सीखने वालों की संख्या जितनी अधिक होती है, सीखने के उतने ही अधिक तरीके भी मौजूद होते हैं। खेल में बातचीत, कहानी सुनाना, खिलौने, गीत और कविताएं, संगीत और शारीरिक सक्रियता, कला और शिल्प तथा इनडोरऔर आउटडोर खेल शामिल होते हैं। यह आपसी संपर्क छात्रों, शिक्षकों, अभिभावकों और समुदाय के बीच एक मजबूत बंधन बनाता है। ऐतिहासिक रूप से, देखभाल के एक हिस्से के रूप में खेल सिंधु घाटी सभ्यता से शुरू हुआ। सभ्यता की विरासत लोरियों, बच्चों की कहानियों, खेलों, खिलौनों, कविताओं और पहेलियों के समृद्ध और विविधतापूर्ण भंडार में दिखाई देती है

एनसीएफ-एफएस की परिवर्तनकारी प्रकृति का प्रतीक एनसीईआरटी का जादुई पिटारा है, जिसे फरवरी 2023 में जारी किया गया। जादुई पिटारा किसी भी स्कूल में पूर्व-प्राथमिक स्तर के लिए आवश्यक सामग्री का उदाहरण है। यह विविधतापूर्ण है और ऐसी सामग्री विकसित करते समय ध्यान में रखी जाने वाली संवेदनशीलता (आयु-उपयुक्त, संवेदी अनुभव और स्थानीय) को प्रदर्शित करता है। पिटारे में खिलौने, खेल, पहेलियां, कठपुतलियां, पोस्टर, फ्लैशकार्ड, कहानीकी किताबें, प्लेबुक और शिक्षक-पुस्तिकाएं हैं। प्रत्येक खिलौना और खेल को एक निश्चित सीखने के परिणाम से जोड़ा गया है। देश भर के हितधारकों ने जादुई पिटारा में उदाहरण के तौर पर प्रस्तुत परिवर्तनकारी शिक्षण-शिक्षा से जुड़ी सामग्री की सराहना की है। राज्यों द्वारा अपने स्थानीय संदर्भ और परिवेश के लिए बॉक्स की सामग्री को अनुकूल बनाने के प्रयास जारी हैं। यह मानते हुए कि हम अब डिजिटल युग में रह रहे हैं और प्रौद्योगिकी-सक्षम चैनल, जादुई पिटारा की पहुंच और प्रभाव को बढ़ा सकते हैं, शिक्षा मंत्रालय ने फरवरी 2024 में ई-जादुई पिटारा का शुभारंभ किया, ताकि यह भौतिक जादुई पिटारा का पूरक बन सके और विभिन्न माध्यमों: कंप्यूटर, स्मार्ट- व फीचर-फोन, टेलीविजन और रेडियो आदि, के जरिये पहुंच को लोकतांत्रिक बनाया जा सके। बच्चों को कहानियां सुनाने तथा खेल-खेल में सीखने की गतिविधियों में उन्हें शामिल करने के जुड़े सवाल पूछने के लिए; देखभाल करने वाले अब चैट और वॉयस सुविधाओं के माध्यम से जनरेटिव एआई का लाभ उठाते हुए वर्चुअल सहायक के साथ बातचीत कर सकते हैं। बाल विकास और मस्तिष्क पर हुए कई अध्ययनों से भी संकेत मिलता है कि खेल निम्नलिखित के लिए आवश्यक है:

क. मस्तिष्क का विकास, विशेष रूप से प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स की उत्तेजना, जो ध्यान, समस्या-समाधान और सामाजिक व्यवहार को विनियमित करने के लिए जिम्मेदार होता है।

ख. न्यूरोप्लास्टिसिटी या नए तंत्रिका संबंध बनाने की क्षमता, जो जीवन भर सीखने और अनुकूल होने के लिए मौलिक होती है।

ग. सहज ज्ञान, जो जटिल और अनिश्चित परिस्थितियों में समस्या समाधान और निर्णय लेने के लिए आवश्यक है।

माता-पिता के लिए खेल बचपन से ही बच्चों के विकास की आधारशिला रखने में एक मूलभूत पहलू है, जिसे यूनिसेफजैसी अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा रेखांकित किया गया है। खेल के दौरान, बच्चे लगातार विकल्पों का चयन करते हैं। वे आश्चर्य और आनंद से भरे होते हैं। खेल बच्चों में समग्र विकास, रचनात्मकता और सहनशीलता बढ़ाता है। वयस्कों के लिए, खेल मानसिक स्वास्थ्य, अनुभूति और रचनात्मकता में वृद्धि करता है। जब माता-पिता और देखभाल करने वाले बच्चों को खेल में शामिल करते हैं, तो वे खेल का उत्सव मनाते हैं। आइए हम सब खेल का उत्सव मनाएं और बच्चों को सीखने एवं विकसित होने में मदद करें, बचपन मनाओ, बढ़ते जाओ। यह लेख भारत सरकार के स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग के सचिव श्री संजय कुमार और बेंगलुरु के एकस्टेप फाउंडेशन के सीईओ एवं सह-संस्थापक श्री शंकर मरुवाड़ा द्वारा लिखा गया है।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/धर्म समाज/देश
रायपुर, शनिवार 20 जुलाई 2024
www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com
5

संक्षिप्त समाचार

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया ने आचार्य श्री प्रज्ञा सागर महाराज का लिया आशीर्वाद

झालरापाटन (विश्व परिवार)। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने शुक्रवार शाम को राजस्थान सरकार के राजकीय अतिथि का दर्जा प्राप्त तपोभूमि प्रणेता आचार्य श्री 108प्रज्ञासागर महाराज का मंगल आशीर्वाद लिया। उन्होंने आचार्य श्री से धर्म चर्चा की। एवं आचार्य श्री ने धर्म चर्चा के दौरान उनसे राजनीति के साथ ही धर्म के साथ हमेशा जुड़े रहने की सलाह दी। और पर्यावरण की रक्षा के लिए इस क्षेत्र के साथ ही पूरे प्रदेश में अधिक से अधिक पौधे लगवाने की सलाह दी। आचार्य ने उनके समक्ष लगातार बढ़ रहे प्रदूषण पर गहरी चिंता व्यक्त की और चिंता जताते हुए पौधारोपण के प्रति सरकार को अधिक से अधिक लोगों को जागरूक कर इस महा अभियान चलाने की सलाह दी। जिस पर श्रीमती वसुंधरा राजे ने कहा कि इस अभियान को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राज्य सरकार ने एक पौधा मां के नाम अभियान चलाकर प्रदेश में पौधारोपण को लेकर अलख जगाई जा रही है। जिसके माध्यम से प्रदेश में बड़ी संख्या में पौधे लगाकर उन्हें संरक्षित करने की सरकार की योजना है जिस पर काम शुरू हो गया है। इस अवसर पर सकल दिगंबर जैन समाज झालरापाटन की ओर से श्री राजे का स्वागत भी किया गया। नलिन लुहाड़िया झालरापाटन से प्राप्त जानकारी के साथ **अभिषेक जैन लुहाड़िया**।

प्राकृतिक आपदा पीड़ित 11 परिवारों को 44 लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत

जगदलपुर (विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. द्वारा राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत् प्राकृतिक आपदा पीड़ित 11 परिवारों को 44 लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि प्रदान करने की स्वीकृति दी गई है। जिसके तहत् तहसील बस्तर अन्तर्गत दुबेउमरगांव निवासी गुली उर्फ इच्छा कश्यप की मृत्यु सांप काटने से पिता श्री मिठूराम को, ग्राम भोण्ड के निवासी फुलबती की मृत्यु पानी में डूबने से नानी श्रीमती रूकमनी को, बस्तर निवासी देवेन्द्र की मृत्यु नहर नाली में डूबने से पिता श्री कमलू को, ग्राम घाटकवाली निवासी अन्तुराम की मृत्यु नदी के पानी में डूबने से पुत्री सुश्री लच्छमनी को, तहसील तोकापाल के कुरेंगा निवासी सदा की मृत्यु पानी में डूबने से पत्नि श्रीमती रयमती को, तहसील लोहण्डीगुड़ा के कोड़ेनार निवासी दयाराम की मृत्यु नदी के पानी में डूबने से माता श्रीमती दशसाय को, तहसील भानपुरी अन्तर्गत सिवनी निवासी गुड्डुराम की मृत्यु नारंगी नदी में डूबने से पत्नि श्रीमती सुकरी को, ग्राम कावंड़गांव निवासी लखन की मृत्यु नदी पानी में डूबने से पत्नि श्रीमती उर्मीला को, ग्राम केशरपाल निवासी गौतम की मृत्यु पानी में डूबने से पिता श्री सुकनाथ को, तहसील बकावण्ड के बेलपुटी निवासी धनसिंग की मृत्यु नदी में डूबने से पत्नि श्रीमती सुहागी को और ग्राम कोसमी निवासी परमेश्वर की मृत्यु पानी में डूबने से पिता श्री दयनु प्रत्येक को चार-चार लाख रूपए की सहायता राशि प्रदान करने की स्वीकृति दी गई है।

मुख्यमंत्री साय ने मशहूर रंग निर्देशक और आकाशवाणी के वरिष्ठ उदघोषक मिर्ज़ा मसूद के निधन पर किया शोक व्यक्त

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने मशहूर रंग निर्देशक और आकाशवाणी के वरिष्ठ उदघोषक मिर्ज़ा मसूद जी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि मिर्ज़ा मसूद जी ने अपना पूरा जीवन रंगमंच को समर्पित कर दिया। उनका निधन कला जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने शोक संदेश में कहा कि मिर्ज़ा मसूद जी की करिश्माई आवाज़ और अंदाज उन्हें अद्वितीय बनाते थे। उन्होंने कई अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में हिंदी ब्रॉडकास्ट कमेंटेटर के रूप में भी अपनी विशेष पहचान बनाई। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा 2019 में उन्हें चक्रधर सम्मान से नवाज़ा गया था। मिर्ज़ा मसूद जी के कला और संस्कृति के क्षेत्र में योगदान को सदैव स्मरण किया जाएगा ।

प्रतिभास्थली में संस्कृति शिक्षा और संस्कार सुरक्षित : मुनि श्री महासागर जी महाराज

जैन अटामंदिर में सिद्धचक्र महमंडल विधान में हुए 512 अर्घ समर्पित, भक्ति में झूमे श्रद्धालु

ललितपुर (विश्व परिवार)। लौकिक शिक्षा के साथ जीवन में संस्कार जरूरी है। प्राचीन गुरुकुल पद्धति को श्रेयस्कर बताते हुए मुनि महासागर महाराज ने कहा हमारे ऋषि, महर्षि गुरुकुल में विद्यार्थियों को हर प्रकार की शिक्षा में निपुण करते थे। उसी का परिणाम है कि आज हमारी संस्कृति सुरक्षित है। वर्तमान शिक्षा पद्धति को दोषपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा आज शिक्षा तो मिल रही है लेकिन संस्कार नहीं। जिससे समाज में तरह तरह की कुरीति और विसंगतियां जन्म ले रही है।नगर के पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अटामंदिर में आयोजित सिद्धचक्र महामंडल विधान में मुनि श्री 108 महासागर महाराज ने कहा संत शिरोमणि आचार्य श्रेष्ठ विद्यासागर महाराज के आशीर्वाद से प्रतिभास्थली के माध्यम से बालिका शिक्षा को गुरूकुल पद्धति का रूप देकर संस्कारों से संवारा। इसी का परिणाम है कि आज प्रतिभास्थली से संस्कारवान बालिकाएं उच्च पदों पर चयनित हो रही है। इसके पूर्व प्रतिभास्थली में अध्ययनरत रही सीए में चयनित आस्था अलया ने प्रतिभास्थली को संस्कारों की वगिया बताते हुए शिक्षा का मंदिर बताया। जहां संस्कृति और संस्कार आज सुरक्षित हैं। इस दौरान जैन समाज ने सीए आस्था अलया को सम्मानित किया। प्रतिभा मण्डल की ब्रहमचारिणी पूजा ने प्रतिभास्थली के उदेश्यों से अवगत कराया। छात्रा कांची ने अपने विचार रखे।

आज प्रात:काल विधान के प्रारम्भ में प्रभु अभिषेक के उपरान्त शान्तिधारा हुई जिसमें पुण्यार्जक परिवार सम्मलित हुए। आज विधान में सिद्धों की आराधना कर 512 अर्घ प्रभु के सम्मुख विधान के प्रमुख पात्र सौधर्म इन्द्र नीलम राकेश कामरा, कुवेर शालनी राजेश जैन कैलगुवा, महायज्ञनायक कलीवाई शिखरचंद जैन झरावटा, श्रीपाल मैनासुन्दरी सुधा - राजेन्द्र जैन मिठया, सुमन-विमल कुमार जैन पीहर, समीक्षा रजनीश जैन गदयाना, अंजना रवीन्द्र बुखारिया, अर्चना-संतोष जैन एडवोकेट ने समर्पित किए। सायंकाल डा0 संजीव कडंकी के आवास से आरती प्रभावना पूर्वक निकली जो जैन अटामंदिर पहुंची जहां भक्तों ने प्रभु की आरती की और भक्ति में झूमे।

इस मौके पर जैन पंचायत अध्यक्ष डा0 अक्षय टडैया, महामंत्री आकाश जैन शीलचंद अनौरा, ज्ञानचंद्र इमलिया, विनोद कामरा, संतोष इमलया, भगवानदास कैलगुंवा, अखिलेश गदयाना, सनत खजुरिया, धन्यकुमार जैन एड0, महेन्द्र मयूर, अनूप जैन कैरू, श्रेयांस जैन गदयाना, आनंद जैन भागनगर, धन्यकुमार जैन, मीडिया प्रभारी अक्षय अलया, श्रीमती अनीता मोदी, सिलोचना जैन मौजूद रहे। विधान की व्यवस्थाओं को संयोजित करने में विधान प्रभारी सतीश जैन नजा, प्रबंधक अजय जैन गंगचारी मनोज जैन बबीना का विशेष सहयोग मिल रहा है। -**अक्षय अलया**

मुनिश्री नियमसागर महाराज प्रवचन सभा में कहा

भगवान आदिनाथ स्वामी ने कषायों को जीता और दुनिया को जीवन जीने का मार्ग दिया

विदिशा (विश्व परिवार)। दुनिया में चारों ओर अशांति का वातावरण है सभी की निगाहें भारत की ओर है क्योंकि सभी को शांति चाहिये उपरोक्त उद्गार मुनिश्री नियमसागर महाराज ने अरिहंत विहार जैन मंदिर में प्रात:कालीन प्रवचन सभा में व्यक्त किये। मुनि श्री ने कहा दुनिया के सबसे बड़े नेता तीर्थंकर भगवान है, जिन्होंने धर्म के क्षेत्र मे कभी मिलाबट नहीं की, वर्तमान राजनीति तो स्वार्थनीति की हो गयी है। उन्होंने कहा कि भगवान ने जैसा कहा है यदि हम उसको बैसा नहीं मानते तो यह हमारा स्वार्थ ही है, क्योंकि व्यक्ति स्वार्थ में आकर स्वं को भूलकर लोभ कषाय को ही निमित्त बनाता है। उन्होंने कहा भगवान आदिनाथ स्वामी ने कषायों को जीता और दुनिया को जीवन जीने का मार्ग दिया वह राजधर्म और राजनीति दोनों को जानते थे, आजकल तो मिलाबट का जमाना है, जंहा जिसका जैसा स्वार्थ सिद्ध होता, वह उस अनुसार मिलाबट करके धर्म को राजनीति में जोड़ देता है। उन्होंने कहा कि भगवान आदिनाथ के समय की राजनीति और वर्तमान राजनीति में जमीन आसमान का अंतर हो गया है, उन्होंने राजनीति को धर्म में मिलाया था, और आज धर्म के अंदर ही राजनीति आ गयी है। जो राजनीति शांति के स्थान पर अशांति दिलाऐ वह कैसी राजनीति ? वह तो स्वार्थ नीति है उसको धर्म का नाम नहीं दें, और धर्म का विनाश न करें। मुनि श्री ने कहा कि यदि धर्म का सूक्ष्म रुप देखा जाऐ तो दंसबे तीर्थंकर भगवान शीतलनाथ का डी.एन ऐ आज भी सभी के अंदर मौजूद है, दुनिया का सबसे बड़ा विज्ञान यही जैन धर्म है जो इस सृष्टि के मानव को जीवन जीने की कला सिखाता है।जैन विज्ञान अद्भुत और सूक्ष्म है जिसे सभी जीव में पुदगल नजर आ रहा है पुदगल को छोड़कर अन्य द्रव्य दिख ही नहीं सकते इसका जितना अधिक प्रचार कर सकते हो करो भगवान की बाणी को सुनकर कब किस जीव के भाव परिवर्तित हो जाऐ, और वह समय्कत्व को प्राप्त कर ले। सकल दि. जैन समाज के प्रवक्ता अविनाश जैन ने बताया मुनिसंघ द्वारा जिन मंदिरों की बंदना कार्यक्रम चल रहा है। दौपहर बाद मुनिसंघ सिविल लाईन्स से शीतलधाम की ओर प्रस्थान करेंगे एवं समवसरण मंदिर का अबलोकन करेंगे। गुरुभक्ति सांयकाल 6 बजे से होगी एवं रात्री विश्राम यंहीं पर रहेगा 20 जुलाई शनिवार को प्रात: प्रवचन8-15 से एवं 9:30 से आहार चर्या संपन्न होगी। -**अविनाश जैन**

कर्म से घबराओ नहीं, समझौता करो, आया है चला जाएगा : अंकित भैया जी

भाटापारा (विश्व परिवार)। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में श्री 1008 सिद्ध चक्र महामंडल विधान विश्व शांति यज्ञ बहुत धूमधाम से चल रहा है। प्रात: काल 6:30 बजे श्री वासुपूज्य भगवान की प्रतिमा पनडुकशीला में विराजमान कर मंगल अभिषेक एवं शांति धारा संपन्न की गई।शांति धारा का सौभाग्य श्री अभिनंदन मोदी एवं श्री बाबूलाल सेवंती जैन जबलपुर को प्राप्त हुआ। शांति धारा के पश्चात भगवान की मंगल आरती संपन्न हुई।बाल ब्रह्मचारी अंकित भैया के सानिध्य में सिद्ध चक्र महामंडल विधान प्रारंभ किया गया आज सभी भक्तों ने मिलकर 256 श्रीफल अर्घ समर्पित किए गए। बाल बाल ब्रह्मचारी अंकित भैया जी ने बतलाया सब किसी को अपने घर में यह लिखना चाहिए यह सदा नहीं रहेगा आपको याद दिलाता रहेगा आपकी संपत्ति का . कुछ भी साथ जाने वाला नहीं है।

सभी लोग धर्म कर लो और अपने कर्मों को काटकर मोक्ष गति को प्राप्त करें।कर्म का उदय किसी को नहीं छोड़ता, चाहे वह तीर्थंकर भगवन्त हो, साधु हो, या फिर साधारण मनुष्य, आपको अपने कर्मों को स्वयं भोगना पड़ेगा।अंकित भैया ने बतलाया कि कर्म की 10 व्यवस्था है, । अच्छे कर्म और बुरे कर्म होते हैं।पुण्य के उदय से अच्छे कर्म होने से आप भगवान भी बन सकते हैं।पुण्य को छोड़ना नहीं पड़ता अपने आप 12वीं गुणस्थान के बाद हट जाता है। आजकल माताएं बहने परिवार बच्चों को पढ़ाई, पढ़ाई, पढ़ाई, पढ़ाई करते रहते हैं, लेकिन पढ़ाई के साथ व्यवहारिक ज्ञान होना भी अत्यंत आवश्यक है।

बुरे कर्म पाप के उदय से धनपति सेठ की भरी तिजोरी कैथ की तरह खाली हो जाती है, पता भी नहीं चलता, और पुण्य का उदय आता है, तो वही तिजोरी भर जाती है। कर्म से घबराओ नहीं, समझौता करो, आया है चला जाएगा।

रात्रि में मंगल आरती संपन्न की गई, आदिनाथ भगवान, 24 तीर्थंकर, आचार्य विद्यासागर जी, मुनि श्री चिन्मय सागर जी एवं सिद्ध चक्र महामंडल विधान की महा आरती की गई .आरती के पश्चात अंकित भैया जी के शास्त्र वचन सम्पन्न हुए।

शनिवार को प्रात: 6:00 बजे से अभिषेक पूजन प्रारंभ हो जाएगा आज सिद्ध चक्र महामंडल विधान का सातवां दिन है, आज 512 अर्घ पूजा करके समर्पित किए जाएंगे। आज के दिन का विशेष महत्व शास्त्रों में बतलाया गया है।

कार्यक्रम में पहुंचे बलौदा बाजार जैन समाज की महिलाएं एवं पुरुष सिद्ध चक्र मंडल विधान में बलोदा बाजार जैन समाज के महिलाओं और पुरुषों ने भाग लिया और पूजा अर्चना कर धर्म लाभ लिया। -**प्रकाश मोदी**

स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा राष्ट्रीय पदक प्राप्त खिलाड़ियों का हुआ सम्मान

रायपुर (विश्व परिवार)। स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित 67वीं राष्ट्रीय शालेय खेल प्रतियोगिता में विभिन्न खेलो में दंतेवाड़ा जिले के 51 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया तथा 31 राष्ट्रीय पदक प्राप्त किये। इन खिलाड़ियों को दंतेवाडा कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने चेक सौंपकर सम्मान किया।

ज्ञात हो कि छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा खेल प्रोत्साहन योजनान्तर्गत प्रत्येक स्वर्ण पदक पर 21 हजार रुपये, रजत पदक पर 15 हजार तथा कांस्य पदक पर 10 हजार रुपये देने का प्रावधान है। इसी तारतम्य में दंतेवाड़ा जिले के 31 खिलाड़ियों को 6 लाख 17 हजार रुपये के चेक वितरित किया गया। उक्त राष्ट्रीय शालेय खेल प्रतियोगिता में इस उपलब्धि से जिले को गौरवान्वित करने खिलाड़ियों के बल पर जिलावार पदक तालिका में दंतेवाड़ा जिला रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग के बाद चौथे स्थान पर काबिज रहा। इस संबंध में व्यायाम शिक्षक रजनीश ओसवाल ने बताया कि बिलासपुर एवं कोरबा में आयोजित बेसबॉल, गुजरात के गांधीनगर में आयोजित तीरंदाजी, औरंगाबाद महाराष्ट्र में आयोजित सॉफ्टबॉल राजस्थान के बीकानेर में आयोजित सॉफ्टबॉल, कबीरधाम में आयोजित सॉफ्टबॉल के प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक, रजत पदक और कास्य पदक प्राप्त किया है।

गिरनार जी पर सुरक्षित दर्शन पूजन की याचिका गुजरात सरकार के मंत्रालयों को कार्यवाही हेतु प्रेषित

रायपुर (विश्व परिवार)। गुजरात मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा विश्व जैन संगठन की गिरनार जी पर सुरक्षित दर्शन पूजन की याचिका को गुजरात सरकार के मंत्रालयों को कार्यवाही के लिए प्रेषित किया।

विश्व जैन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संजय जैन ने बताया कि गिरनार जी की पांचवी टोंक पर 22वे जैन तीर्थंकर नेमिनाथ के मोक्ष स्थल पर चरणों और प्रतिमा के सुरक्षित दर्शन, पूजन और निर्वाण लाडू समर्पण के लिए गुजरात भवन नई दिल्ली में 8 जुलाई को सौंपी गई याचिका को गुजरात मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा राजस्व सचिव और अन्य मंत्रालयों के सचिवों और राष्ट्रपति भवन सचिवालय, गुजरात पुलिस ष्ठत्रक और जूनागढ़ ष्ठरूद्वारा संगठन की 8 जुलाई की याचिका को लिखित में आवश्यक कार्यवाही हेतु जूनागढ़ के ,ष्ठरू स्क्र वन और पुरातत्व विभाग को प्रेषित किया गया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा भी शिकायत क्रमांक 0143109 दर्ज कर गुजरात सरकार को फॉरवर्ड कर दी गई है।

संजय जैन ने कहा कि विश्व जैन संगठन ने नेमिनाथ भगवान, रक्षक देवों, संतो, जैन समाज और अपने आप से वायदा किया है कि संगठन गिरनार की 5वी टोंक पर स्तिथ चरणों और नेमिनाथ

भगवान की प्राचीन प्रतिमा के दर्शन पूजन और लाडू समर्पण के अपने धार्मिक और कानूनी अधिकार के लिए कार्यवाही कर रहा है। गुजरात हाई कोर्ट द्वारा भी 17 फरवरी 2005 को सुरक्षित दर्शन के लिए आदेश पारित किए जा चुके हैं लेकिन प्रशासन सहयोग नहीं कर रहा हैं। हमने 5वी टोंक अवैध निर्माण, अतिक्रमण हटाने, सीसीटीवी कैमरे लगाने और अतिरिक्त पुलिस बल के साथ पुलिस चेक पोस्ट की मांग की है। -**आकाश जैन**

अटल जी ने पृथक राज्य बनाकर दिया, इसे संवारने की जिम्मेदारी हमारी : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

डॉ. खूबचंद बघेल की 124वीं जयंती समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर के डॉ. खूबचंद बघेल व्यावसायिक परिसर, फूल चौक में आयोजित डॉ. खूबचंद बघेल की 124वीं जयंती समारोह में शामिल हुए। उन्होंने डॉ. खूबचंद बघेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री श्री टंकराम वर्मा और पूर्व मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने डॉ. खूबचंद बघेल का पुण्य स्मरण करते हुए कहा कि वे छत्तीसगढ़ के स्वप्नदृष्टा थे। एक अच्छे डॉक्टर और साहित्यकार के रूप में उनकी अलग पहचान थी। मुख्यमंत्री श्री साय ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी को याद करते हुए कहा कि उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण कर हमारे पुरखों का सपना पूरा किया। हम सभी अटल जी के आभारी हैं। अब इस राज्य को संवारने की जिम्मेदारी हम सभी की है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि आप सभी के आशीर्वाद से सरकार के मुखिया का दायित्व मुझे मिला है। हमारी सरकार ने प्रदेश में 7 माह पूरे किए हैं और सरकार बनने के दूसरे ही दिन हमने 18 लाख गरीब परिवारों को आवास देने का काम किया। किसानों से 3100 रुपए प्रति क्विंटल के भाव से और 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान की खरीदी की। 13 लाख किसानों को दो साल के बकाया धान बोनस का अंतरण, महतारी वंदन योजना के अंतर्गत 70 लाख से अधिक माताओं-बहनों को हर महीने एक-एक हजार रुपए सालाना 12 हजार रूपए की सहायता राशि के साथ ही तेन्दूपत्ता संग्राहकों के लिए संग्रहण दर 4 हजार रुपए से बढ़ाकर 5 हजार 500 रुपए प्रति मानक बोरा करने जैसे कई अहम निर्णय लिए हैं।

उन्होंने कहा कि हमारे पुरखों ने जिस छत्तीसगढ़ का सपना देखा है, उसे आकार देने के लिए हम सभी कार्य कर रहे हैं। हमारे पास खनिज संपदा भरपूर मात्रा में है। हमारे पास कोयला, आयरन, बॉक्साइट, गोल्ड, डायमंड जैसे खनिज उपलब्ध हैं।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./13035/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 19-07-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13035
वार्ड का नाम- 10 - रानी लक्ष्मी बाई वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 10 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR227R00297** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **AMIT KUMAR MINOCHA S/O R.K. MINOCHA SMT. VERSHA MINOCHA W/O AMIT MINOCHA** पिता/पति श्री/श्रीमती ..... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. SARITA SINGH CHAUHAN 2. YASHOVARDHAN S. CHAUHAN** पिता/पति श्री/श्रीमती **DHIRENDRA KUMAR SINGH CHAUHAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./12898/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 16-07-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12898
वार्ड का नाम- 10 - रानी लक्ष्मी बाई वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 10 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR227H00013** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **B.R. KERKETTA** पिता/पति श्री/श्रीमती **P. OJHA RAM KERKETTA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **AMJAD KHAN** पिता/पति श्री/श्रीमती **ABDUL SAJJAD KHAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./13036/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 19-07-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13036
वार्ड का नाम- 12 - महात्मा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 12 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR235D00288** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SMT. JYOTI GAJWANI** पिता/पति श्री/श्रीमती **NARESH GAJWANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **VIDHA JAIN** पिता/पति श्री/श्रीमती **SANJAY KUMAR JAIN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./12899/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 16-07-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12899
वार्ड का नाम- 12 - महात्मा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 12 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR225D00218** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **K.N. APPA RAO** पिता/पति श्री/श्रीमती **LATE. K. NARSINGH RAO** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **S. RATNA RAO** पिता/पति श्री/श्रीमती **S. CHANDRASHEKHAR RAO** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक्र त्याग विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./13037/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 16-07-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13037
वार्ड का नाम- 30 - शंकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 30 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR331E00204** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SUDHAKAR VANJARI** पिता/पति श्री/श्रीमती **PANDURANG VANJARI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SACHIN VANJARI** पिता/पति श्री/श्रीमती **LT. SUDHAKAR RAO VANJARI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **वसीयतनामा, अंतिम इक्षा पत्र, शपथ पत्र एवं मृत्यु प्रमाण पत्र**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर शनिवार 20 जुलाई 2024

संक्षिप्त समाचार

पुलिस-नक्सल मुठभेड़ में एक महिला नक्सली ढेर

दंतेवाड़ा(विश्व परिवार)। किरंदुल थाना क्षेत्रांतर्गत पुरंगेल और इरालगुडेम के मध्य माओवादियों ने सर्च ऑपरेशन पर निकले डीआरजी बस्तर फाईटर्स दंतेवाड़ा की टीम पर गुरूवार को ऐम्बुश लगाकर ताबड़तोड़ फ ायरिंग कर दी। जवानों द्वारा जवाबी कार्यवाही के बाद माओवादी मौके से फरार हो गये। इस मुठभेड़ में एक महिला नक्स्ली की मौत हुई है। वहीं और नक्सलियों के घायल होने की संभावना है। बता दें कि जिला दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा के थाना किरंदुल-अरनपुर, जिला सुकमा के थाना जगरगुंडा एवम् ज़िला बीजापुर के थाना गंगालूर बासागुड़ा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम डोडी तुमनार,पीडिया,तामोडी के आसपास जंगल पहाडियों में माओवादियों के प्रतिबंधित एवं गैर कानूनी सीपीआई माओवादी संगठन के दरभा डिवीजन् डीवीसीएम सचिव जगदीश और पश्चिम बस्तर डिवीजन डीवीसीएम दिनेश तथा कंपनी नंबर 2 कमांडर वेल्ला की उपस्थिति की थी आसूचना मिली थी। उक्त आसूचना के आधार पर दो दिन पूर्व दिनांक 16 जुलाई को जिला दंतेवाड़ा, बीजापुर, सुकमा के डीआरजी बस्तर फ ाइटर्स, एसटीएफ सीआरपीएफ कोबरा, सीआरपीएफ111 वी वाहिनी, 230 वी वाहिनी, 231 वी वाहिनी,195 वी वाहिनी की यंग प्लाटून द्वारा संयुक्त नक्सल गश्त सर्च अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान गुरूवार 18 जुलाई को थाना किरंदुल क्षेत्रांतर्गत पुरंगेल और इरालगुडेम के मध्य डीआरजी बस्तर फ ाईटर्स दंतेवाड़ा की टीम पर माओवादियों द्वारा ऐम्बुश लगाकर ताबड़तोड़ फ ायरिंग की गई। जिसपर सुरक्षाबलों द्वारा जवाबी कार्यवाही की गई। सुरक्षाबलों को भारी पड़ता देख नक्सली मौके से भाग खड़े हुए। फायरिंग रुकने के बाद घटनास्थल की सर्चिंग करने पर एक महिला माओवादी का शव,हथियार और नक्सल सामग्री जवानों ने बरामद किया है। मृत नक्सली की पहचान नही हो पाई है।

आईईडी ब्लास्ट में दो जवान घायल

बीजापुर(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में गुरूवार को नक्सलियों की लगाई प्रेशर आईईडी की चपेट में आकर डीआरजी के 2 जवान घायल हो गए हैं। दोंनो को गंभीर हालत में बीजापुर जिला अस्पताल लाया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार जिले के गंगालूर थाना क्षेत्र के मुतवेंडी और पीड़िया के बीच नक्सलियों ने प्रेशर आईईडी बिछाई थी, जब जवान उस रास्ते से गुजरे अचानक जोरदार धमाके के साथ आईईडी में ब्लास्ट हो गया, जिसकी चपेट में आने से डीआरजी के जवान दिनेश हलवा और किशन हपका घायल हो गए। मामला का है, बीजापुर एसपी जितेन्द्र यादव ने इस घटना की पुष्टि की है।

जिला प्रशासन ने दृष्टिबाधित पार्वती को दिया मोबाईल

दंतेवाड़ा(विश्व परिवार)। ब्लॉक दन्तेवाड़ा के ग्राम मटेनार के निम्न मध्यमवर्गीय कृषक परिवार की 18 वर्षीय दृष्टिबाधित ''पार्वती'' के लिए दृष्टिहीनता पढ़ाई में कभी बाधक नहीं बना पाई शिक्षा के प्रति इसी ललक को दृष्टिगत रखते हुए प्रोत्साहन स्वरूप जिला प्रशासन द्वारा उसे आज एंड्रॉयड सेल फोन दिया गया। इस संबंध में ''पार्वती'' के बड़े भाई मनीराम ने बताया कि उसकी बहन जन्म से ही दृष्टिबाधित थी परन्तु पढ़ाई लिखाई के प्रति उसका झुकाव बचपन से ही रहा अपनी इसी इच्छाशक्ति के बल पर उसने अपनी प्राथमिक पढ़ाई ग्राम बड़े पनेड़ा से पूरा किया फिर हाई स्कूल तक की पढ़ाई के लिए उसने जावंगा स्थित सक्षम-2 में दाखिला लिया। ज्ञात हो कि एजुकेशन हब जावंगा स्थित सक्षम-2 आवासीय विद्यालय में दिव्यांग छात्र-छात्राओं के अध्ययन की विशेष व्यवस्था की गई है। इस तरह पार्वती पोडियाम ने यहां पर भी सफ्लतापूर्वक 12वीं की परीक्षा उर्त्तीण की। वर्तमान में वह रायपुर स्थित डिग्री गर्ल्स कॉलेज में स्नातक प्रथम वर्ष की पढ़ाई कर रही है। इस संबंध में उसके भाई का कहना था कि उक्त महाविद्यालय में इसी वर्ष ''पार्वती'' ने प्रवेश लिया है। जहां उसके ही समान दृष्टिहीन दिव्यांगों को विशेष तौर पर अध्ययन कराया जाता है। चूंकि अब आधुनिक मोबाईल या सेल फेनो दिव्यांगजनों को ध्यान में रखते हुए विशेष प्रकार के एप की सुविधा उपलब्ध कराया गया है जिसमें दिव्यांग छात्र-छात्राएं सुनकर ही अपने पाठ्यक्रम को भलि भांति समझ कर पढ़ाई कर सकते है और ''पार्वती'' पोडियाम ने ब्रेल लिपि के माध्यम से ही जावंगा के सक्षम-2 आवासीय विद्यालय में शिक्षा प्राप्त की है। परन्तु महाविद्यालय की पढ़ाई के लिए उसे एक एंड्रॉयड फोन की आवश्यकता थी। परन्तु अपनी कमजोर आर्थिक स्थिति के चलते मोबाईल खरीदने में समस्या आ रही थी। इसके लिए उसे समाज कल्याण विभाग से सम्पर्क कर मोबाईल के लिए आवेदन किया जिस पर जिला प्रशासन ने त्वरित पहल करते हुए उसे मोबाईल उपलब्ध करवाया। बहरहाल मोबाईल मिलने से प्रसन्नचित ''पार्वती'' जिला प्रशासन को साधुवाद देते हुए कहती है कि अब वह निश्चित होकर अपने स्नातक की पढ़ाई पूरी कर सकेगी उसने आगे कहा कि भविष्य में वह शिक्षिका बनाना चाहती है।

जिला पंचायत सीईओ ने सिलगेर में नियद नेल्लानार योजनांतर्गत विकास कार्यों का किया निरीक्षण

इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री निखिल राखेचा, यूनिसेफऔर स्वास्थ्य विभाग सहित जिला पंचायत के अधिकारी एवं विभिन्न विभागों के मैदानी अमले मौजूद थे

सुकमा(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री हरिस.एस के मार्गदर्शन में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नम्रता जैन ने बीते दिन कोंटा ब्लॉक के अतिसंवेदनशील क्षेत्र सिलगेर में नियद नेल्लानार योजनांतर्गत चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश अधिकारियों को दिए। इस दौरान उन्होंने ग्राम पंचायत सिलगेर में जागरूकता कार्यक्रम,आयुष्मान कार्ड पंजीयन,हेल्थ चेकअप कैम्प का भी जायजा लेकर ग्रामीणों को प्राथमिकता के साथ लाभान्वित किये जाने कहा। साथ ही स्वच्छ भारत मिशन की समीक्षा करने सहित ग्राम पंचायत में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री निखिल राखेचा, यूनिसेफ और स्वास्थ्य विभाग सहित जिला पंचायत के अधिकारी एवं विभिन्न विभागों के मैदानी अमले मौजूद थे। ज्ञातव्य है कि चार दशकों से माओवाद हिंसा की मार झेल रहे सुकमा में नियद नेल्लानार योजनान्तर्गत ग्रामीणों को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ने हेतु साम्यभूमि फाउंडेशन द्वारा जिला प्रशासन एवं यूनिसेफ़ के सहयोग के एक दिवसीय शिविर एवं सामान्य स्वस्थ्य जाँच का आयोजन किया गया। शिविर में नियद नेल्ला नार योजना के अंतर्गत विकास कार्यों हेतु चयनित ग्राम सिलगेर में स्वास्थय, महिला बाल विकास, एवं खाद्य विभाग के अंतर्गत संचालित सभी योजनाओं का लाभ ग्रामवासियों को दिया गया। इस मौके पर शिविर में यूनिसेफदिल्ली से सामाजिक सुरक्षा निति की चीफ ह्यून ही बेन, इमरजेंसी स्पेशलिस्ट सरबजीत सिंह सहोता, छत्तीसगढ़ राज्य सामाजिक सुरक्षा विशेषज्ञ बाल पारितोष दाश एवं इमरजेंसी ऑफ्सिर विशाल वासवानी द्वारा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से लोगों को जोड़ने हेतु जिला प्रशासन द्वारा आयोजित किये जा रहे शिविरों की जानकारी ली गयी। विगत दो माह से जिले के पहुंचविहीन इलाकों में कलेक्टर एस. हरिस द्वारा आधार शिविर का आयोजन किया गया एवं इससे हज़ारों लोग लाभान्वित हुए हैं। दिल्ली की टीम द्वारा जिला प्रशासन के द्वारा आयोजित शिविरों की सराहना की गयी। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ नम्रता जैन द्वारा ग्राम पंचायत में निर्माण एवं विकास कार्यों का जायजा लिया गया एवं शिविर में आये महिलाओं एवं बच्चों से शासन द्वारा मिलने वाले योजनाओं की जानकारी ली गयी।

कलेक्टर ने जिले के सुदूर ग्राम में पहुँचकर किया खेती-किसानी के कार्य का अवलोकन

डौण्डी विकासखण्ड के ग्राम चिहरो में पैडी ट्रांसप्लांटर से धान की रोपाई एवं ग्राम अवारी में जैविक खेती के कार्य किया अवलोकन

बालोद(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने आज जिले के विभिन्न ग्रामों में पहुँचकर खेती-किसानी का हाल जाना। इस दौरान श्री चन्द्रवाल ने जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. संजय कन्नौजे एवं अन्य अधिकारियों के साथ जिले के सुदूर ग्रामों में किसानों के खेतों में पैदल पहुँचकर मौजूदा खरीफ सीजन में जिले में खेती-किसानी के वास्तविक स्थिति की पड़ताल की। इस दौरान कलेक्टर श्री चन्द्रवाल ने डौण्डी विकासखण्ड के सुदूर ग्राम चिहरो में मुख्य मार्ग से किसान श्री अजय कुमार टेकाम के खेत तक पग डंडियों से चलकर पैडी ट्रांसप्लांटर के माध्यम से धान के रोपाई कार्य का अवलोकन किया। श्री चन्द्रवाल ने किसान श्री अजय कुमार टेकाम से बातचीत कर खेती-किसानी का हालचाल पुछा। उन्होंने किसान श्री टेकाम से मशीन के माध्यम से धान की रोपाई करने की कुल लागत एवं समय आदि के संबंध में भी जानकारी ली। इसके पश्चात् कलेक्टर श्री चन्द्रवाल डौण्डी विकासखण्ड के ग्राम लखमाटोला के किसान श्री रामाश्रय धनगुन के खेत में पहुँचकर जैविक खेती के कार्य का अवलोकन किया। इस दौरान श्री चन्द्रवाल ने कृषि विभाग के अधिकारियों एवं किसान श्री रामाश्रय धनगुन से ग्राम लखमाटोला में जैविक खेती की कुल रकबा तथा जैविक खेती की कुल लागत एवं उत्पादन की बिक्री आदि के संबंध में जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि ग्राम लखमाटोला में 150 किसानों के द्वारा कुल 150 एकड़ में जैविक खेती की जा रही है। इन सभी किसानों के द्वारा जैविक खेती के रूप में सुगंधित धान का उत्पादन किया जा रहा है। कलेक्टर ने इसकी सराहना करते हुए कृषि विभाग के अधिकारियों को कृषि उत्पाद समूह के माध्यम से जैविक खेती के अंतर्गत उत्पादित सुगंधित धान की बिक्री की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। जिससे किसानों को उनके फसल का उचित दाम मिल सके। इसके पूर्व कलेक्टर श्री चन्द्रवाल ने आज कृषि उपज मण्डी बालोद स्थित मृदा परीक्षण प्रयोगशाला का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को किसानों के द्वारा अपने खेत की मिट्टी मृदा परीक्षण प्रयोगशाला केन्द्र में लाए जाने पर अनिवार्य रूप से उसका परीक्षण करने निर्देश दिए। उन्होंने इसके लिए किसानों को अधिक से अधिक प्रेरित करने को कहा। इस दौरान कृषि विभाग के उपसंचालक श्री जीएस धुर्वे, सहायक संचालक कृषि श्री एसएन ताम्रकार, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डीडी मण्डले सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी एवं कृषकगण उपस्थित थे।

लीवर फाइब्रोस्कैन रोबोतिक दंत चेकअप शिविर सम्पन्न

कोरबा(विश्व परिवार)। अलायंस क्लब, ऊर्जाधानी डिस्ट्रिक्ट 167 और इंटरनेशनल अन्तर्राष्ट्रीय अग्रवाल महिला सम्मेलन के सौजन्य से तथा छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन के संयोजन में श्री अग्रसेन गर्ल्स कॉलेज में लीवर फाइब्रोस्कैन रोबोतिक दंत चेकअप शिविर का नि:शुल्क आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में शहर के लोगों ने शामिल होकर परीक्षण कराया। शिविर में श्रीराम केयर हास्पिटल बिलासपुर से तीन गाड़ियों में 13 सदस्यीय टीम पहुंची, जिसमें शामिल डॉ. प्रतीक छाबड़ा (लीवर रोग विशेषज्ञ), सरफ्राज खान (दंत चिकित्सक), डॉ. राज जायसवाल (हड्डी रोग विशेषज्ञ) और पतंजलि से डॉ. दानेश्वर नरेश ब्रदर्स ने शिविर में नि:शुल्क सेवाएं दी। शिविर में जांच कराने पहुंचे 150 से अधिक लोगों का फ्रांस की लिवर फाइब्रोस्कैन रोबोतिक दंत चेकअप मशीन के द्वारा नि:शुल्क रोबोतिक परीक्षण किया गया। शिविर की मुख्य संचालिका भगवती अग्रवाल का छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन की ओर से शाल, श्रीफ्ल और बुके से सम्मान किया गया। शिविर के दौरान राम सिंह अग्रवाल, बनवारीलाल अग्रवाल, पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष, राजेन्द्र अग्रवाल, श्रीकांत बुधिया, शोभा केडिया की उपस्थिति विशेष रूप से उल्लेखनीय रही।

कलेक्टर ने कन्या आश्रम देवपहरी का किया आकस्मिक निरीक्षण

आश्रम परिसर का अवलोकन कर सुविधाओं का लिया जायजा

कोरबा(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने आज कोरबा विकासखण्ड के देवपहरी ग्राम में आदिम जाति विकास विभाग अंतर्गत संचालित प्राथमिक कन्या आश्रम का आकस्मिक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने आश्रम परिसर में छात्राओं की शैक्षणिक गतिविधियॉ, परिसर की साफ-सफाई, भोजन व्यवस्था, सुरक्षा सहित अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। कलेक्टर ने आश्रम परिसर के सभी कमरों, स्टोर रूम, रसोई घर व शौचालय की साफ-सफाई का अवलोकन किया। उन्होंने बच्चों से उनकी दिनचर्या और पढ़ाई के बारे में चर्चा की और भोजन सहित वहां मिलने वाली अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। कलेक्टर ने आश्रम अधीक्षिका को निर्धारित मेनू अनुसार छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण भोजन प्रदान करने, बच्चों को शासन द्वारा दी जाने वाली सारी सुविधाएं उपलब्ध कराने एवं परिसर की साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। साथ ही भवन में यथा स्थानों में सीपेज की समस्या को शीघ्रता से मरम्मत कराने एवं अधूरे निर्माण कार्यो को पूर्ण कराने हेतु निर्देशित किया।

किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद, बीज उर्वरक का करें वितरण - कलेक्टर

गरियाबंद(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री दीपक अग्रवाल ने आज जिला पंचायत के सभाकक्ष में कृषि एवं संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने चालू खरीफ सीजन में जिले के सहकारी समितियों में खाद, बीज एवं उर्वरक के भण्डारण तथा वितरण की समितिवार जानकारी ली। कलेक्टर ने समितियों के लक्ष्य अनुसार भण्डारण एवं वितरण पर विस्तृत चर्चा करते हुए जिले के किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद, बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। साथ ही ग्रामीणों तक पर्याप्त मात्रा में इसकी पहुंच की मॉनिटरिंग भी करने के निर्देश दिये। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने कम भण्डारण एवं वितरण वाले समितियों के प्रबंधकों पर नाराजगी जताते हुए तेजी से खाद, बीज का वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। साथ ही जिले के विभागीय अधिकारियों को समितियों का निरीक्षण करने एवं किसानों से चर्चा कर खाद, बीज की मांग सहित वितरण की भी जानकारी लेने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने किसान क्रेडिट कार्ड योजना के तहत अधिक से अधिक किसानों को लाभान्वित करने के लिए कैम्प लगाकर केसीसी कार्ड बनाने के निर्देश दिये। साथ ही जिले में निवासरत विशेष पिछड़ी जनजाति सदस्यों का शत प्रतिशत केसीसी कार्ड बनाकर उन्हें शासकीय योजनाओं से लाभान्वित करने के निर्देश दिये। इस दौरान बैठक में उप संचालक कृषि चंदन रॉय, डीएमओ अमित चन्द्राकर, सहायक पंजीयक सहकारिता उषा ध्रुव सहित जिले के सहकारी बैंकों के शाखा प्रबंधक, समिति प्रबंधक एवं कृषि विभाग के मैदानी अमले मौजूद रहे। बैठक में कलेक्टर श्री अग्रवाल ने पीएम किसान सम्मान निधि के तहत पंजीकृत किसानों की जानकारी ली। उन्होंने किसानों का ई-केवायसी के साथ भू-सीडिंग एवं आधार-सीडिंग के कार्यो को तेजी से पूर्ण करने के निर्देश दिये।

जिला अस्पताल में मिलने लगी सीटी स्कैन की सुविधा

टेली रेडियोलॉजिस्ट के माध्यम से होगी रिपोर्ट की हो रही जांच

कोण्डागांव(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत की पहल पर अब कोंडागांव जिला अस्पताल में ही सीटी स्कैन जांच की सुविधा मिलने लगी है। अस्पताल में सीटी स्कैनिंग के उपरांत टेली रेडियोलॉजिस्ट के माध्यम से रिपोर्ट की जांच करवाई जा रही है, जिससे मरीजों को त्वरित उपचार का लाभ प्राप्त हो रहा है। जिला अस्पताल में रेडियोलॉजिस्ट के अभाव में जांच रिपोर्ट के लिए इंतजार करना पड़ता था, वहीं अब यह शीघ्र प्राप्त होने लगा हैऔर इलाज का कार्य भी शीघ्रता से किया जा रहा है। जिला अस्पताल में यह सुविधा मिलने से मरीजों को सीटी स्कैन के लिए बाहर नहीं जाना पड़ रहा और कम दाम में ही यह सुविधा जिले में ही मिल रही है। जिला अस्पताल में सीटी स्कैन की शुल्क निजी अस्पतालों के मुकाबले भी बहुत ही कम रखी गई है, जिससे उनकी आर्थिक बचत भी हो रही है। वहीं शीघ्रता से जांच रिपोर्ट मिलने पर उपचार का कार्य भी शीघ्र होगा और बहुमूल्य जीवन को बचाया जा रहा है। जिला अस्पताल में सिर के कंट्रास्ट एनहैंस्ड कंप्यूटेड टोमोग्राफी जांच की दर 1500 रुपए निर्धारित की गई है, जबकि निजी अस्पतालों में इसकी जांच दर 3500 रुपए है। इसी तरह सिर के नॉन कंट्रास्ट एनहैंस्ड कंप्यूटेड टोमोग्राफी जांच की दर जिला अस्पताल में 1000 हजार रुपए निर्धारित है, जबकि निजी अस्पतालों में इसकी दर 3000 रुपए है। जिला अस्पताल में हाई रिज़ॉल्यूशन कंप्यूटेड टोमोग्राफी की जांच हेतु 1300 रुपए निर्धारित की गई है, जो निजी अस्पतालों में 5000 हजार रुपए में होता है।

छत्तीसगढ़ बिजली कर्मचारी संघ की बैठक संपन्न

कोरबा(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ बिजली कर्मचारी संघ उत्पादन पूर्व एवं वितरण इकाई की कार्यकारिणी बैठक संघ कार्यालय आवास ओसी/64 में रखी गई थी। जल भराव होने के कारण बैठक टाप इन टाउन के सामने आरोग्य अमृत तुल्य के पास आहुत हुई। बैठक की अध्यक्षता सत्य प्रकाश गांधी गुप्ता ने की। विशिष्ट अतिथि जी.पी. राजवाड़े उपस्थित रहे। बैठक का क्रियान्वयन कर रहे कोरबा वृत्त सचिव एवं प्रदेश मंत्री यशवंत राठौर ने उत्पादन पूर्व इकाई के सदस्यों से वहां की समस्यायों के बारे में अवगत कराने का निवेदन किया। जिस पर सभी ने आवासीय कालोनी में अवैध कब्जाधारियों से कब्जा मुक्त कराकर कर्मचारी वर्ग को आवास आवंटित कराने, कालोनी का सुरक्षात्मक दृष्टिकोण से बाउंड्री वॉल कराने, नवीन कार्यालय आंबटित कराने तथा कालोनी में स्ट्रीट लाइट की उचित व्यवस्था कराने संबंधी पत्र तैयार कर कार्यपालक निदेशक से कार्यवाही हेतु चर्चा करने का निर्णय लिया गया। इसके बाद सभी ने भारतीय मजदूर संघ के 70 वें वर्ष के उपलक्ष्य में 23 जुलाई को स्थापना दिवस धूमधाम से मनाने तथा वर्ष 2024 की सदस्यता अभियान को बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की गई। कर्मचारी समस्याओं का समाधान कराने तथा वितरण इकाई के नई कार्यकारिणी के गठन संबंधी चर्चा की गई।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

खेल-व्यापार

रायपुर शनिवार 20 जुलाई 2024

व्यापार समाचार

ऑनर ने भारत में ऑनर 200 सीरीज़ लॉन्च की, एआई-पॉवर्ड स्टूडियो-लेवल पोर्ट्रेट फोटोग्राफी द्वारा मोबाईल इमेजिंग को आधुनिक बनाया

नई दिल्ली: ऑनर ने भारत में अपने पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए आज ऑनर 200 सीरीज़ लॉन्च की। यह इसकी प्रतिष्ठित नंबर सीरीज़ में सबसे नया लॉन्च है। इस सीरीज़ में ऑनर 200 प्रो 5जी और ऑनर 200 5जी हैं, जो पॉवर और क्रिएटिविटी के दायरे बढ़ाकर ग्राहकों को अत्याधुनिक एआई पॉवर्ड पोर्ट्रेट क्षमताएं, आकर्षक डिस्प्ले, मजबूत हार्डवेयर परफॉर्मेंस, और इन्ट्यूटिव यूज़र केंद्रित एआई अनुभव प्रदान करेंगे। ऑनर 200 प्रो 5जी दो खूबसूरत रंगों – ओशन स्यान और ब्लैक में 57,999 रुपये में 20 जुलाई अर्द्धरात्रि 12 बजे से अमेज़न.इन पर, ब्रांड की वेबसाईट e&plorehonor.com पर और आपके नजदीकी मेनलाइन रिटेल स्टोर्स पर मिलना शुरू होगा। 20 और 23 जुलाई को यह स्मार्टफोन खरीदने वाले सभी ग्राहकों को 8000 रुपये की तत्काल छूट मिलेगी। आईसीआईसीआई बैंक और एसबीआई बैंक के क्रेडिट कार्ड पर 3000 रुपये की अतिरिक्त छूट मिलेगी। इसके अलावा ग्राहकों को कुछ चुनिंदा मेनलाइन स्टोर्स में 8,499 रुपये मूल्य के मुफ़्त ऑनर उपहार मिलेंगे या इसके बदले 2000 रुपये की तत्काल कूपन छूट दी जाएगी। ऑनर 200 5जी भी दो रंगों के विकल्पों – मूनलाईट व्हाईट और ब्लैक में उपलब्ध होगा। यह स्मार्टफोन दो वैरिएंट्स में मिलेगा। इसके 12जीबी+512जीबी वैरिएंट का मूल्य 39,999 रुपये और 8जीबी+256जीबी वैरिएंट का मूल्य 34,999 रुपये होगा। यह स्मार्टफोन 20 जुलाई अर्द्धरात्रि 12 बजे से अमेज़न.इन पर, ब्रांड की वेबसाईट e&plorehonor.com और आपके नजदीकी मेनलाइन रिटेल स्टोर्स पर मिलना शुरू होगा। 20 और 23 जुलाई को यह स्मार्टफोन 2000 रुपये के बैंक ऑफ़र और 1000 रुपये की तत्काल छूट के साथ मिलेगा। इसके अलावा ग्राहकों को कुछ चुनिंदा मेनलाइन स्टोर्स में 8,499 रुपये मूल्य के मुफ़्त ऑनर उपहार मिलेंगे या इसके बदले 2000 रुपये की तत्काल कूपन छूट दी जाएगी। इन रोमांचक ऑफ़र्स के साथ, 20 और 23 जुलाई को ऑनर 200 5जी (8जीबी + 256जीबी) वैरिएंट 29,999 रुपये* के शुरुआती मूल्य में खरीदा जा सकेगा।

ओला इलेक्ट्रिक ने अपने एस1 पोर्टफोलियो पर 25,000 रुपये तक की बचत के साथ आकर्षक डील्स पेश कीं

बैंगलुरू,: ओला इलेक्ट्रिक अपने ओला एस1 स्कूटरों की खरीद पर 25,000 रुपये तक के आकर्षक बेनेफ़िट्स प्रदान कर रहा है। 22 जुलाई तक लागू इन ऑफ़र्स में एस1 एक्स+ पर 10,000 रुपये और एस1 प्रो एवं एस1 एयर पर 5,000 रुपये का फ्लैट डिस्काउंट दिया जा रहा है। इसके अलावा कंपनी चुनिंदा क्रेडिट कार्ड ईएमआई पर ग्राहकों को 5,000 रुपये तक का अतिरिक्त डिस्काउंट भी दे रही है। इन ऑफ़र्स के अलावा ग्राहकों को ईएमपीएस 2024 के अंतर्गत 10,000 रुपये की सब्सिडी भी मिलेगी। इन आकर्षक ऑफ़र्स का लाभ उठाने के लिए ग्राहकों को कीमतें बढ़ने से पहले ओला इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीदकर उसे रजिस्टर कराना होगा। ओला इलेक्ट्रिक एक विशाल एस1 पोर्टफ़ोलियो पेश करता है, जिसमें आकर्षक मूल्य में छ: उत्पाद हैं, जो विभिन्न रेंज की जरूरत वाले ग्राहकों को सेवाएं प्रदान करते हैं। हाल ही में कंपनी ने मास-मार्केट सेगमेंट में अपना एस1 एक्स पोर्टफ़ोलियो उतारा है। तीन बैटरी कॉन्फ़िगुरेशन (2 किलोवॉटघंटा, 3 किलोवॉटघंटा, और 4 किलोवॉटघंटा) के साथ इन स्कूटरों का मूल्य क्रमश: 74,999 रुपये; 85,999 रुपये और 97,499 रुपये है। साथ ही इसके प्रीमियम स्कूटरों में एस1 प्रो, एस1 एयर, और एस1 एक्स+ का मूल्य क्रमश: 1,28,999 रुपये, 1,01,499 रुपये और 84,999 रुपये है। ओला इलेक्ट्रिक अपने उत्पादों की संपूर्ण श्रृंखला पर बिना किसी अतिरिक्त लागत के 8 साल/80,000 किलोमीटर की एक्सटेंडेड बैटरी वॉरंटी प्रदान करता है। ओला इलेक्ट्रिक का मानना है कि इस कदम से इलेक्ट्रिक वाहनों की उम्र बढ़ेगी, और इलेक्ट्रिक वाहन अपनाने में आने वाली एक बड़ी बाधा का समाधान हो सकेगा। ग्राहक एड-ऑन वॉरंटी लेकर 1,00,000 किलोमीटर तक की दूरी को केवल 4,999 रुपये देकर और 1,25,000 किलोमीटर तक की दूरी को केवल 12,999 रुपये देकर वॉरंटी के अंतर्गत ला सकते हैं। इसके अलावा, केवल 2,999 रुपये के ओला केयर+ सब्सक्रिप्शन में फ्री सर्विस, जैसे प्रतिवर्ष विस्तृत चेक-अप, सर्विस पिक एवं ड्रॉप सेवाएं, कंज्यूमेबल्स, और थेफ़्ट एवं रोडसाइड असिस्टेंस शामिल हैं।

सोनी इंडिया ने शानदार कलर और इमर्सिव साउंड के साथ पेश की ब्राविया 3 टेलीविजन सीरीज

नई दिल्ली: सोनी इंडिया ने अपने बहुप्रतीक्षित ब्राविया 3 सीरीज टेलीविजन के लॉन्च की घोषणा की है, जो होम एंटरटेनमेंट टेक्नोलॉजी के लिहाज से बड़ी छलांग है। लोगों के देखने के अनुभव को पुनर्परिभाषित करने के लिए तैयार इस सीरीज में बेहतरीन डिजाइन के साथ अत्याधुनिक फीचर का मेल है जो बेजोड़ पिक्चर क्वालिटी, इमर्सिव साउंड और इंट्यूइटिव यूज़र इंटरफेस प्रदान करता है। नई ब्रेविया 3 टीवी सीरीज 108 सेमी (43), 126 सेमी (50), 139 सेमी (55), 164 सेमी (65), 189 सेमी (75), और 215 सेमी (85) में उपलब्ध है। सोनी की ब्राविया 3 सीरीज में 4के एचडीआर प्रोसेसर एक्स1 उन्नत एल्गोरिदम के जरिये पिक्चर क्वालिटी को बढ़ाता है, 4के एक्स-रियलिटी प्रो के साथ नॉन-4के कंटेंट को लगभग 4के रेज़ॉल्यूशन तक बढ़ाकर बेहतरीन स्पष्टता सुनिश्चित करता है। प्रोसेसर ट्राईल्यूमीनस प्रो के साथ वाइब्रेंट कलर प्रदान करता है, जिससे प्राकृतिक रंगों का एक व्यापक पैलेट बनता है। यह डायनामिक कंट्रास्ट एन्हांसर के साथ कंट्रास्ट को अनुकूलित करता है, जिससे गहरे काले और चमकदार सफेद रंग मिलते हैं। सोनी ब्राविया 3 सीरीज में ट्राईल्यूमीनसटीएम प्रो डिस्प्ले कलर की सटीकता और स्पष्टता को बढ़ाता है, जिससे अधिक प्राकृतिक और सटीक रंग मिलते हैं। यह सूक्ष्म वरियेशन को प्रभावी ढंग से पुन: पेश करने के लिए कलर सैचुरेशन और ह्यू का पता लगाने और इन्हें एडजस्ट करने के लिए उन्नत एल्गोरिदम का उपयोग करता है।

ज्योति याराजी को ओलंपिक गौरव के लिए नए बदलाव पर भरोसा

मुंबई(एजेंसी)। एक सुनियोजित तैयारी, विस्फोटक ताकत, कठिन मानसिक दृष्टिकोण, करो या मरो का रवैया और एक नए दृष्टिकोण से प्रेरित सामंजस्यपूर्ण लयबद्ध दौड़ शैली, भारत की शीर्ष बाधा धावक ज्योति याराजी एक नए बदलाव पर भरोसा कर रही हैं ताकि पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों में गौरव हासिल कर सकें। आमतौर पर सहज और लयबद्ध धावक ज्योति ने आक्रामकता की कमी को पूरा करने के लिए अपनी तकनीक में विस्फोटक ताकत जोड़ी है और इसे कड़ी मेहनत और कठिन मानसिक दृष्टिकोण से नियंत्रित किया है। उनके कोच जेम्स हिलियर ने हाल के महीनों में उनकी शैली में और बदलाव किया, जिससे उनकी दौड़ को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए ब्लॉक और गति से लेकर पहली बाधा तक उनकी शुरुआत में बदलाव आए। रिलायंस फाउंडेशन द्वारा समर्थित 24 वर्षीय ज्योति पहले बाएं पैर से शुरुआत करती थीं, लेकिन फिनलैंड में मोनेट ग्रां प्री इवेंट के बाद हिलियर ने दाएं पैर से शुरुआत की, जहां ज्योति ने राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी की। अंतिम बाधा से लगभग फिसलने के बावजूद 12.78 सेकंड का समय निकाला। ज्योति के हिप फ्लेक्सर की चोट से उबरने के बाद, हिलियर ने उससे पहली बाधा तक पहुंचने के लिए उठाए जाने वाले कदमों की संख्या कम करने के लिए भी कहा, जिससे उसकी गति तेज हो गई। वह अब पहली बाधा तक आठ के बजाय सात कदम चलती है, जिससे उसकी गति में सुधार होता है। हिलियर ने कहा कि बदलाव का कारण ज्योति की गति और ताकत का पूरी तरह से उपयोग करना और दूसरी और तीसरी बाधा में उसकी गति को बनाए रखने में मदद करना था। हिलियर ने पोलैंड से एक ऑनलाइन बातचीत के दौरान कहा, उन्होंने पहली बाधा को पार करने के लिए एक तेज़ तरीका तलाशने का फैसला किया। हमने इसके बारे में बात की और फैसला किया कि सात कदमों का पता लगाना एक अच्छा विकल्प होगा क्योंकि हमें लगा कि वह (इसे संभालने के लिए) काफी मजबूत थी और यह अच्छा था। वह पहली बाधा को पार करने के लिए सात कदमों में मदद करने के लिए काफी अच्छी थी। और दूसरी बाधा में भी बेहतर होने में सक्षम हो, इसलिए हमने इसकी खोज की और उसने इसे बहुत जल्दी अपना लिया। यह एक लिहाज से मुश्किल था क्योंकि उसे दूसरे पैर को आगे बढ़ाकर शुरुआत करनी थी। इसमें थोड़ा सीखने और आदत डालने की जरूरत थी, लेकिन यह निश्चित रूप से कुछ ऐसा है जो अच्छा काम कर रहा है। यह कुछ ऐसा है जिससे उसे मदद मिली है। वह लगातार सुधार कर रही है और इसके कारण वह लगातार बेहतर होती जा रही है, वह अब बहुत अधिक सुसंगत है। हिलियर ने कहा, पूरे साल वह इसमें दौड़ती रही है, और मेरा मानना है कि इसका कारण यह है कि वह पहली और दूसरी बाधा में बेहतर तरीके से दौड़ लगा रही है। इसीलिए हमने बदलाव किया है। और देखिए, आपको हमेशा यह देखना होगा कि कैसे आप सुधार कर सकते हैं। यूके के हाई-परफॉर्मेंस निदेशक का कहना है कि नए दृष्टिकोण ने उनके सामने कुछ सुखद समस्याएं पेश की हैं। हिलियर ने कहा, तो एक कोच के रूप में, मैं हमेशा उस पर ध्यान दे रहा हूं और जैसे-जैसे वह मजबूत और तेज होती जाती है, नई समस्याएं आती हैं।

नेशनल क्रश के नाम से मशहूर स्मृति मंधाना मना रही हैं अपना 28वां बर्थडे

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत में पुरुष क्रिकेट में जो औहदा विराट कोहली का है, ठीक वही दर्जा महिला क्रिकेट में स्मृति मंधाना का है। अपनी बल्लेबाजी और लुक्स के चलते स्मृति फैंस के दिलों पर हमेशा ही राज करती हैं। नेशनल क्रश के नाम से मशहूर ये प्लेयर आज अपना 28वां बर्थडे मना रही हैं। स्मृति मंधाना ने अपने 11 साल के करियर में कई व्यक्तिगत और टीम पुरस्कार जीते हैं। इस स्टार बल्लेबाज ने भारत के लिए 7 टेस्ट, 85 वनडे और 136 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने कुल मिलाकर 7500 से अधिक रन बनाए हैं। भारतीय महिला क्रिकेट की स्टार स्मृति मंधाना आज 18 जुलाई को 28 साल की हो गई हैं। 2013 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने वाली स्मृति अपनी सहज बल्लेबाजी शैली और दबाव की परिस्थितियों में प्रदर्शन करने की क्षमता के कारण जल्द सुर्खियों में आ गईं। उनके इस खास दिन पर आइए स्मृति मंधाना के करियर की कुछ प्रभावशाली उपलब्धियों पर एक नज़र डालते हैं। स्मृति मंधाना ने इस साल की शुरुआत में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ एक ऐतिहासिक फाइनल में पहली बार महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) का खिताब दिलाया। स्मृति दो बार आईसीसी महिला क्रिकेटर ऑफ द ईयर का पुरस्कार जीतने वाली मात्र दूसरी महिला क्रिकेटर हैं। स्मृति दो बार यह पुरस्कार जीतने वाली क्रिकेटरों के क्लब में ऑस्ट्रेलियाई स्टार एलिस पेरी के बाद दूसरे नंबर पर हैं। हाल ही में, इंग्लैंड की नैट साइवर-ब्रंट 2022 और 2023 में लगातार जीत के साथ यह उपलब्धि हासिल करने वाली तीसरी महिला क्रिकेटर बनीं।

आईपीएल खेलने से मुझे अपने खेल में सुधार करने और आत्मविश्वास हासिल करने में मदद मिली : शिवम

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत के हरफनमौला खिलाड़ी शिवम दुबे ने अपने कौशल में सुधार करने और आत्मविश्वास हासिल करने का श्रेय इंडियन प्रीमियर लीग को दिया, क्योंकि उन्होंने 2024 के सफल सीज़न के बाद मैन इन ब्लू टीम में जगह बनाई है। दुबे सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए 162.29 की धमाकेदार स्ट्राइक रेट से तीन अर्धशतक सहित 396 रन के साथ दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे। इस शानदार टूर्नामेंट में उनके दमदार प्रदर्शन ने उन्हें भारत की अत्यधिक प्रतिस्पर्धी 15 सदस्यीय टी20 विश्व कप टीम में प्रतिष्ठित स्थान दिलाया। इस ऑलराउंडर ने पूरे टूर्नामेंट में भारत की अंतिम 11 में अपनी जगह बनाए रखी और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में 27 रनों की महत्वपूर्ण पारी सहित कठिन परिस्थितियों में टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने विराट कोहली (76) के साथ 57 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी करके टीम को 20 ओवरों में 176/6 के स्कोर तक पहुंचाया, क्योंकि भारत ने प्रोटियाज़ को छह रनों से हराकर अपने खजाने में दूसरा टी20 विश्व कप खिताब जोड़ा। उन्होंने निचले मध्य क्रम में बल्लेबाजी करते हुए आठ पारियों में 133 रन बनाए। दुबे ने बताया, आईपीएल खिलाड़ियों और भारत में क्रिकेट के विकास दोनों के लिए उल्लेखनीय है। यह युवा प्रतिभाओं को दुनिया के कुछ सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ अपने कौशल का प्रदर्शन करने के लिए एक शानदार मंच प्रदान करता है। व्यक्तिगत रूप से, आईपीएल में खेलना महत्वपूर्ण रहा है।सीखने का अनुभव, मुझे अपने खेल को बेहतर बनाने और आत्मविश्वास हासिल करने में मदद कर रहा है। भारतीय क्रिकेट के विकास में आईपीएल के योगदान के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, आईपीएल की शुरुआत के बाद से, भारत में क्रिकेट का विकास अभूतपूर्व रहा है।

एचडीएफसी बैंक परिवर्तन ने सीएसआर पहलों के माध्यम से 31 मार्च, 2024 तक 10.19 करोड़ लोगों और 9000 से अधिक गांवों को प्रभावित किया

मुंबई : भारत के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक ने वर्ष 2023-24 के लिए एकीकृत वार्षिक रिपोर्ट में वित्तीय वर्ष के लिए कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) पहलों पर 945.31 करोड़ रुपये के व्यय की सूचना दी है। यह पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में लगभग 125 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्शाता है। अपने सीएसआर ब्रांड, परिवर्तन के तहत, एचडीएफसी बैंक की पहलों ने अब तक 10.19 करोड़ लोगों के जीवन को प्रभावित किया है, जो 9,000 से अधिक गांवों और 10 लाख से अधिक परिवारों तक पहुँची है, जिसमें भारत सरकार के आकांक्षी जिला कार्यक्रम (एडीपी) में पहचाने गए 112 जिलों में से 85 में कवरेज शामिल है। हाशिए पर पड़े समुदायों, खास तौर पर महिलाओं के लिए स्थायी आजीविका बनाने पर केंद्रित, परिवर्तन 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों में काम करता है।

फोकस के प्रमुख क्षेत्र – ग्रामीण विकास: बैंक की पहलों में प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, स्कूल बुनियादी ढांचे का विकास, कृषि सहायता, मृदा और जल संरक्षण, और ग्रामीण भारत में जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए अपने समग्र ग्रामीण विकास कार्यक्रम और केंद्रित विकास कार्यक्रमों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा परियोजनाएं शामिल हैं। बैंक ने 31 मार्च, 2024 तक 9000 से अधिक गांवों को कवर किया है। शिक्षा को बढ़ावा: शिक्षक प्रशिक्षण, छात्रवृत्ति, करियर मार्गदर्शन और स्कूलों को बुनियादी ढाँचागत सहायता के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार पर ध्यान केंद्रित करने वाली पहलों के लिए बैंक ने आज तक 2 करोड़ से अधिक छात्रों तक पहुँच बनाई है। कौशल विकास और आजीविका संवर्धन: व्यावसायिक प्रशिक्षण और कौशल विकास कार्यक्रमों का उद्देश्य रोजगार क्षमता को बढ़ाना और स्थायी आजीविका बनाना है। बैंक ने 31 मार्च, 2024 तक 9 लाख से अधिक महिला उद्यमियों को तैयार किया है और 3 लाख से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित किया है।

काम, पढ़ाई, खेल या मनोरंजन के लिए, एयरटेल ग्राहक बिना किसी बाधा के ऐसे ले सकते हैं अनलिमिटेड 5जी डेटा का आनंद

नई दिल्ली: जो ग्राहक अनलिमिटेड 5जी लाभ नहीं ले पा रहे हैं, उनके लिए एयरटेल ने नए बूस्टर पैक लॉन्च किए हैं। अब 1जीबी/दिन और 1.5जीबी/दिन प्लान वाले ग्राहक अनलिमिटेड 5जी प्लान में अपग्रेड कर सकते हैं। यह किफायती अपग्रेड मौजूदा डेटा पैक पर एक्टिवेट किए जा सकते हैं, जिससे ग्राहक अनलिमिटेड 5जी डेटा का आनंद ले सकते हैं। इन अपग्रेड प्लान्स के साथ ग्राहकों को अनलिमिटेड 5जी डेटा के अलावा 3जीबी, 6जीबी और 9जीबी अतिरिक्त डेटा भी मिलेगा, जो क्रमश: ?51, ?101 और ?151 में उनकी वर्तमान प्लान की वैधता के साथ उपलब्ध होगा।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, रायपुर मण्डल क्रमांक 2 (छत्तीसगढ़)
ई-प्रोक्युरमेंट निविदा सूचना
(प्रथम आमंत्रण)

दिनांक 16.07.2023

निम्नांकित कार्यों हेतु ऑनलाईन निविदा "डी" श्रेणी एवं अधिक श्रेणी के ठेकेदारों हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। ऑनलाईन निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि 06.08.2024 है।

एन.आई.टी क्र/ निविदा क्रं.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3
NIT NO. 287 Tender No. 156160	बलौदाबाजार अनुविभाग अंतर्गत विभिन्न 09 मार्ग (व्ही.आर. एवं एम.डी. आर.) लं. 42.70 किमी. पर डब्ल्यू.एम.एम. एवं बी.टी. पेंच मरम्मत का कार्य।	रू. 144.98 लाख
NIT NO. 288 Tender No. 156162	बलौदाबाजार अनुविभाग अंतर्गत विभिन्न 10 मार्ग (एम.डी.आर. एवं व्ही. आर.) लं. 74.43 किमी पर डब्ल्यू.एम.एम. एवं बी.टी. पेंच मरम्मत कार्य।	रू. 140.00 लाख
NIT NO. 289 Tender No. 156163	भाटापारा अनुविभाग अंतर्गत विभिन्न 10 मार्गों (एम.डी.आर.) कुल लंबाई 115.35 किमी. पर डब्ल्यू.एम.एम. एवं बी.टी. पेंच मरम्मत का कार्य।	रू. 165.00 लाख
NIT NO. 290 Tender No. 156164	भाटापारा अनुविभाग अंतर्गत विभिन्न 21 मार्गों (व्ही.आर.) कुल लंबाई 83.90 किमी. पर डब्ल्यू.एम.एम. एवं बी.टी. पेंच मरम्मत का कार्य।	रू. 170.00 लाख
NIT NO. 291 Tender No. 156165	बिलाईगढ़ अनुविभाग अंतर्गत विभिन्न 02 मार्ग (एम.डी.आर. एवं एस.एच.) लं. 27.20 किमी. पर डब्ल्यू.एम.एम. एवं बी.टी. पेंच मरम्मत का कार्य।	रू. 75.00 लाख
NIT NO. 292 Tender No. 156166	बिलाईगढ़ अनुविभाग अंतर्गत विभिन्न 07 मार्ग (एम.डी.आर. एवं व्ही.आर.) लं. 36.185 किमी. पर डब्ल्यू.एम.एम. एवं बी.टी. पेंच मरम्मत का कार्य।	रू. 75.00 लाख
NIT NO. 293 Tender No. 156167	कसडोल अनुविभाग अंतर्गत विभिन्न 09 मार्ग (एम.डी.आर. एवं व्ही.आर.) लं. 19.70 किमी. पर डब्ल्यू.एम.एम. एवं बी.टी. पेंच मरम्मत का कार्य।	रू. 65.00 लाख
NIT NO. 294 Tender No. 156168	गरियाबंद अनुविभाग क्रं.-02 के अंतर्गत उपखण्ड देवभोग के विभिन्न मार्गों में डब्ल्यू.एम.एम. एवं बी.टी. पेंच रिपेयर का कार्य।	रू. 60.00 लाख
NIT NO. 295 Tender No. 156169	गरियाबंद अनुविभाग क्रं.-02 के अंतर्गत उपखण्ड मैनपुर के विभिन्न मार्गों में डब्ल्यू.एम.एम. एवं बी.टी. पेंच रिपेयर का कार्य।	रू. 60.00 लाख
NIT NO. 296 Tender No. 156170	राजिम अनुविभाग के अंतर्गत उपखण्ड राजिम एवं फिंगेश्वर के विभिन्न मार्गों में डब्ल्यू.एम.एम. एवं बी.टी. पेंच रिपेयर का कार्य।	रू. 99.00 लाख

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट बेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाइट https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है। (राशि रू. 100.00 के नान ज्यूडिशियल स्टाम्प पर निर्धारित प्रपत्र में शपथ-पत्र एवं न्यूनतम राशि रू. 10.00 के नान ज्यूडिशियल स्टाम पर एनेक्जर-3 का शपथ पत्र ,बिडकेपेसीटी उपलब्धता बाबत् जानकारी एवं अन्य जानकारी एनआईटी के 2.10 में संलग्न संशोधित प्रपत्रानुसार प्रस्तुत करें।)

निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

अधीक्षण अभियंता
लो.नि.वि. रायपुर मण्डल क्र. 2 (छ.ग.)
आपकी थी चाह, हमने बनाई राह

G-242501138/4

Credible Chhattisgarh
विश्वसनीय छत्तीसगढ़

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, शनिवार 20 जुलाई 2024

22 को गुरू पूर्णिमा के दिन विद्यालयों में होंगे विविध आयोजन

रायपुर (विसं)। राज्य के सभी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में 22 जुलाई को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गुरु पूर्णिमा उत्सव का गरिमामय आयोजन होगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा आज मंत्रालय महानदी भवन में मंत्री परिषद की बैठक में गुरु पूर्णिमा उत्सव के आयोजन के संबंध में दिए गए निर्देश के परिपालन में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा इस आयोजन को लेकर दिशा-निर्देश जारी किया गया है। स्कूल शिक्षा विभाग मंत्रालय द्वारा सभी कलेक्टरों एवं शिक्षा विभाग के आला अधिकारियों को निर्देश जारी किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

रामगढ़िया सेवक सभा महिला विंग के द्वारा तिया दा मेला (सावन उत्सव)

रायपुर (विश्व परिवार)। महाराजा जस्सा सिंह रामगढ़िया भवन, टाटीबंध में बड़े ही हर्ष उल्लास से पंजाबी पारंपरिक वेशभूषा में फैशन वॉक, संगीत डांस और पकवान के साथ मनाया गया। एक खास एक्ट पुरातन समय के मेहंदी-संगीत के कार्यक्रम को महिला विंग द्वारा स्टेज पर प्रस्तुत किया गया। समाज के बड़ी उम्र के लोगों ने अपना वक्त याद किया और नई पीढ़ी को गए वक्त से अवगत कराया गया। साथ शॉपिंग स्टॉल्स का भी सब ने आनंद लिया। महिला विंग के BODs हरशरण कौर, बलविंदर कौर, कुलदीप कौर, जसबीर भुई, कमलजीत कौर, संजीत कौर, बलजीत बच्चू, नरेंद्र कौर, प्रदीप कौर(अध्यक्ष), अंशु राणा, नीतू भुई, कवलजीत कौर (सोनू), जसविंदर कौर, सिमरन कौर, जीत कौर, मंजू भामरा, स्वीटी सग्गू, रूबल रिहल, मोना और रोमा विरदी के साथ बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

बैंक ऑफ बड़ौदा रायपुर ने बैंक के 117वें स्थापना दिवस के अवसर पर सीएसआर गतिविधियों का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। बैंक ऑफ़ बड़ौदा रायपुर ने अपने 117 वें स्थापना दिवसकी पूर्व संध्या परश्री भरतकुमार चावडा, उप महाप्रबंधक (व्यसाय विकास) एवं प्रभारी छत्तीसगढ़, डॉ. रमेश कुमार मोहंती, उप महाप्रबंधक (अनुपालन एवं आश्वाशन) एवं श्री किसलय प्रसाद, क्षेत्रीय प्रमुख, रायपुर क्षेत्रके निर्देशन में, कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत सीएसआर गतिविधियों का उद्घाटन किया गया. इस अवसर पर बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा सीएसआर गतिविधियों के अंतर्गत, कार्यपालकों द्वारा एम्स हॉसपिटल, रायपुर में व्हील चेयरप्रदान किए गए. इस अवसर में विशेष रूप से एम्स रायपुर के डीन डॉ आलोक अग्रवाल एवं मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ डॉ रेणु राजगुरु एवं अन्य स्टाफगण उपस्थित थे. क्षेत्र की शाखाओं में भी वृहद स्तर पर विभिन्न सीएसआर गतिविधियों का आयोजन किया गया. ये कार्यक्रम श्री प्रदीप कुमार यादव, उपक्षेत्रीय प्रबंधक, क्षेत्रीय कार्यालयरायपुर के संयोजन मेंहुआ एवं श्री अशीम घोष, शाखा प्रमुख, चोबे कॉलोनी एवं श्री हेमंत ठाकुर, शाखा प्रमुख, जी. ई. रोड टाटीबंध, क्षेत्रीय व्यवसाय विकास प्रबन्धक, श्री बलजीत सिंह इस कार्यक्रम में उपस्थित थे.

ओखा-बिलासपुर-ओखा एक्सप्रेस के कोच संरचना में संशोधन, यात्रियों के सुगम यात्रा सुविधा हेतु जनरल कोच की संख्या में की जा रही है वृद्धि

बिलासपुर/रायपुर (विश्व परिवार)। रेलवे प्रशासन द्वारा जनरल कोच के यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये एक्सप्रेस ट्रेनों में जनरल कोचों की संख्या में वृद्धि की जा रही है। इसके अंतर्गत लंबी दूरी की सभी एक्सप्रेस ट्रेनों में 04 जनरल कोच की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इस क्रम में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से गुजरने वाली गाड़ी संख्या 22939/22940 ओखा-बिलासपुर-ओखा सुपरफास्ट एक्सप्रेस के कोच संरचना में संशोधन करते हुये स्थायी रूप से जनरल कोच की संख्या में बढ़ाई जा रही है। गाड़ी संख्या 22939 ओखा-बिलासपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस में 16 नवम्बर 2024 से एवं गाड़ी संख्या 22940 बिलासपुर-ओखा सुपरफास्ट एक्सप्रेस में 18 नवम्बर 2024 से 01 अतिरिक्त जनरल कोच जोड़े जा रहे हैं। इस कोच के जुडने से इस गाड़ी में भी 04 जनरल कोच की सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। इससे ज्यादा से ज्यादा यात्रियों को जनरल कोच में यात्रा करने की सुविधा मिलेगी। साथ ही सामान्य कोच में यात्रियों की भीड़ का दबाव भी कम होगा और यात्रीगण सुगम एवं आरामदायक यात्रा कर सुखद अनुभव प्राप्त कर सकेंगे।

रेल्वे स्टेशन पर ई रिक्शा महिला चालको के साथ की जा रही अवैध वसूली

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर रेल्वे स्टेशन पर यात्रियों को लाने ले जाने और परिवार का भरण-पोषण करने वाली महिला ई रिक्शा चालको का रेल्वे स्टेशन पर ठेकेदार के अन्दर जो वसूली का कार्य करते हैं, उनके द्वारा आर्थिक शोषण किया जा रहा हैं, ये सब महिलाएं भारतीय मजदूर संघ से संबंध छत्तीसगढ़ प्रदेश वाहन चालक संघ के सदस्य हैं। परिवार के भरण-पोषण के लिये सुबह से रात तक रिक्शा चलाकर गुजारा करते हैं। ई-रिक्शा चालक महिलाओं से ठेकेदारो द्वारा अवैध तरीको वसूली 1500 से 2000 रू. तक किया जा रहा हैं, यदि रकम नहीं दे रहे हैं तो 200 का चलाना काट दिया जा रहा हैं, जिसके चलते रोजी भत्ता महिलाओं का नहीं बन पा रहा हैं, जिसके चलते महिलाओ को उनके परिवार का गुजारा चलाना मुश्किल हो गया हैं। उक्त संबंध में पूर्व में भी माननीय कलेक्टर महोदय एवं डी.आर.एम.दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे रायपुर (छ.ग.) को मौखिक और लिखित रूप से ज्ञापन भी दिया जा चुका हैं, उसके बावजूद संज्ञान में नहीं लिया जा रहा हैं, केवल आश्वासन दिया गया हैं, परन्तु अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुआ हैं। आपसे पुन: विनती हैं कि हमारी समस्या का निदान करने की दया करें एवं हमें रेल्वे स्टेशन के पास चार्जिंग प्वाईंट एवं वाहन खड़ा करने हेतु पार्किंग की सुविधा उपलब्ध करायी जाने की कृपा करें।

जल जीवन मिशन के कार्यों में लापरवाही पर 6 ईई निलंबित, 4 को नोटिस

छत्तीसगढ़ शासन की बड़ी कार्रवाई : जल जीवन मिशन सरकार की महत्वाकांक्षी योजना, अधिकारी गंभीरता से करें काम, समय पर पूर्ण हों निर्धारित लक्ष्य : सीएम विष्णुदेव साय

जल जीवन मिशन सरकार की महत्वाकांक्षी योजना, अधिकारी गंभीरता से करें काम, समय पर पूर्ण हों निर्धारित लक्ष्य : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

जल जीवन मिशन के कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : उप मुख्यमंत्री अरुण साव

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा के दौरान लापरवाह अधिकारियों पर कार्रवाई के निर्देश के बाद आज लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने छह कार्यपालन अभियंताओं को निलंबित कर दिया है। साथ ही चार जिलों के कार्यपालन अभियंताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। उप मुख्यमंत्री तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मंत्रालय से आज छह कार्यपालन अभियंताओं के निलंबन के आदेश और चार कार्यपालन अभियंताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

राज्य शासन के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने जल जीवन मिशन के कार्यों में लापरवाही बरतने और त्रुटिपूर्ण रिपोर्टिंग किए जाने को गंभीर लापरवाही और अनुशासनहीनता मानते हुए जगदलपुर के कार्यपालन अभियंता श्री जगदीश कुमार, बिलासपुर के कार्यपालन अभियंता श्री यू.के. राठिया, बैकुंठपुर के कार्यपालन अभियंता श्री चंद्रबदन सिंह, बेमेतरा के कार्यपालन अभियंता श्री आर.के. धनंजय, अंबिकापुर के कार्यपालन अभियंता श्री एस.पी. मंडावी और सुकमा के कार्यपालन अभियंता श्री जे.एल. महला को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

वहीं दुर्ग के कार्यपालन अभियंता श्री उत्कर्ष पाण्डेय, बालोद के कार्यपालन अभियंता श्री सुक्रांत साहू, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के कार्यपालन अभियंता श्री एस.एस. पैकरा तथा सारंगढ़-बिलाईगढ़ के कार्यपालन अभियंता श्री कमल कंवर को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने विगत दिनों जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा के दौरान इसे राज्य और केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना बताते हुए अधिकारियों को गंभीरतापूर्वक काम करने और निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए थे। उन्होंने जल जीवन मिशन के प्रगतिरत कार्यों को यथाशीघ्र पूर्ण करने को कहा था। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने भी मिशन के कार्यों पर नाखुशी जाहिर करते हुए अधिकारियों को ज्यादा से ज्यादा गांवों में शत-प्रतिशत घरों में नल से पानी पहुंचाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। लापरवाह और त्रुटिपूर्ण रिपोर्टिंग करने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

राज्य शासन द्वारा निलंबन के बाद कार्यपालन अभियंता श्री जगदीश कुमार का मुख्यालय अधीक्षण अभियंता कार्यालय कोंडागांव, श्री यू.के. राठिया का मुख्यालय अधीक्षण अभियंता कार्यालय रायपुर, श्री चंद्रबदन सिंह का मुख्यालय अधीक्षण अभियंता कार्यालय सरगुजा, श्री आर.के. धनंजय का मुख्यालय अधीक्षण अभियंता कार्यालय दुर्ग, श्री एस.पी. मंडावी का मुख्यालय अधीक्षण अभियंता कार्यालय बिलासपुर और श्री जे.एल. महला का मुख्यालय अधीक्षण अभियंता कार्यालय जगदलपुर नियत किया गया है। नियमानुसार निलंबन अवधि में इन्हें जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने कारण बताओ नोटिस की कार्रवाई वाले चारों कार्यपालन अभियंताओं को सूचना पत्र प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर अपना प्रतिवाद प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। निर्धारित समय में प्रतिवाद प्राप्त नहीं होने पर यह समझा जाएगा कि संबंधित कार्यपालन अभियंताओं को इस संबंध में कुछ नहीं कहना है। तदुपरांत शासन द्वारा एक पक्षीय कार्यवाही की जाएगी।

अष्टान्हिका पर्व पर प्रतिदिन रात्रिकालीन स्त्रोत पाठ, आठ दिनों के महापर्वकी विशेष महिमा

रायपुर (विश्व परिवार)। जैन धर्म के सबसे प्राचीन और महत्वपूर्ण पर्वों में से एक अष्टान्हिका पर्व जैन धर्मावलंबियों द्वारा भक्ति, तप और अनुष्ठान के साथ मनाया जा रहा है। वर्ष में तीन बार यानि कार्तिक मास, फाल्गुन मास और आषाढ़ के महीने में इसे मनाया जाता है। जैन धर्म की मान्यता के अनुसार इस पर्व के दौरान देवता भी स्वर्ग से आकर नंदीश्वर द्वीप में स्थित अकृत्रिम चैत्यालयों, मंदिरों में निरंतर आठों दिन भगवान की भक्ति करते हैं। जिसकी महिमा को देखते हुए, चैबीसवें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी को समर्पित इस उत्सव में सभी जैन मंदिरों में विशेष अनुष्ठान और जाप किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में डी.डी.नगर स्थित 1008 श्री वासुपूज्य दिगंबर जैन मंदिर में आदिश्वर महिला मंडला की ओर से प्रतिदिन रात्रिकालीन विभिन्न स्त्रोत पाठ का आयोजन किया जा रहा है जो आठ दिनों तक अनवरत जारी रहेगा। रोज़ाना होने वाले इस स्त्रोत पाठ में श्री भक्तामर स्त्रोत, श्री कल्याण मंदिर स्त्रोत, श्री वर्धमान स्त्रोत, श्री शांतिनाथ स्त्रोत, श्री नंदीश्वर भक्ति पाठ, छहढाला पाठ, येकीभाव स्त्रोत सहित स्त्रोत का पाठ भक्तिभाव पूर्वक किया जा रहा है। इस पाठ में समाज के पवन सेठी, अंकुर जैन, बर्षा जैन सिंघई, श्रृद्धा जैन, डॉ. मंजुला जैन, रिचा जैन, मीना जैन, अदिति जैन, माधुरी जैन, अमिता संघी सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहते हैं।

महापौर के तात्या पारा, शारदा चौक चौड़ीकरण के बयान को लेकर भाजपा का करारा प्रहार

प्रदेश महामंत्री ने कहा- रायपुर का विनाश करने वाले महापौर अचानक विकास विकास चिल्लाने लगे हैं, गुरु चेला दोनों में ड्रामेबाजी की प्रतियोगिता

रायपुर (विश्व परिवार)। महापौर एजाज ढेबर द्वारा चौड़ीकरण मामले में राज भवन में जाकर ज्ञापन देने पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने कहा कि गुरु चेले में ड्रामेबाजी की प्रतियोगिता चल रही है एक तरफ गुरु लोकसभा स्पीकर को चिट्ठी लिख रहे हैं और चेले राज भवन में घूम रहे हैं एजाज वह महापौर हैं जिसने राजधानी रायपुर का विनाश करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी अब विकास विकास चिल्लाने का ड्रामा कर रहे हैं।

श्री श्रीवास्तव ने कहा कि यह महापौर अपनी सरकार में दुबक के बैठे थे उनके मुंह से कोई आवाज नहीं निकलती थी सारा ध्यान भ्रष्टाचार करने में लगा था, उनको बताना चाहिए 5 साल के कांग्रेस के शासन में तात्यपारा, शारदा चौक के चौड़ीकरण के लिए क्या किया ?जिन्होंने 5 साल एक ईट रखने का काम नही किया और अब सरकार जाते ही नगर निगम चुनाव के पहले नई ड्रामेबाजी शुरू कर मीडिया की सुर्खियों में बने रहने का असफल प्रयास कर रहे हैं।

प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने कहा कि एजाज ढेबर को रायपुर की जनता विनाश पुरुष के रूप में याद रखेगी क्योंकि यह वही महापौर है जो कहते हैं की समस्याएं तो बनी रहेगी, कोई भी समस्याओं को दूर नहीं कर सकता यह ऐसे महापौर हैं जिन्होंने काम करने की बजाय बहाने मारना ज्यादा बेहतर समझा, यह ऐसे महापौर हैं जिन्होंने राजधानी में अवैध रूप से लोगों को बुलाकर काम शुरू कर राजधानी की विकास प्रक्रिया को बाधित किया। श्री श्रीवास्तव ने कहा 5 साल कांग्रेस की सरकार थी कोई काम शुरू नहीं हो पाया, रायपुर में तो क्या अपने वार्ड की समस्याएं सुलझाने में भी महापौर नाकाम रहे हैं। ऐसे महापौर की ड्रामेबाजी से जनता त्रस्त है और जल्द ही भाजपा का नया महापौर चुनकर राजधानी रायपुर में रुके विकास कार्यों को फिर से शुरू करेगी।

मुख्यमंत्री साय ने 1 हजार करोड़ रुपए अनुदान देकर बिजली बिल में 13 प्रतिशत की वृद्धि रुकवाई

अनेक संगठनों द्वारा सराहना तथा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति जताई कृतज्ञता

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में विद्युत उपभोक्ताओं को बिजली दरों में राहत दिलाने के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा जो 1000 करोड़ रुपए का अनुदान दिया गया है उसकी सराहना करते हुए प्रदेश के अनेक उपभोक्ता संरक्षण, औद्योगिक तथा महिला संगठनों ने श्री साय के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित किया है।

मुख्यमंत्री श्री साय को प्रेषित पत्र में छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उपभोक्ता संरक्षण परिषद के अध्यक्ष श्री मोहन एंटी ने कहा है कि छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत विनियामक आयोग द्वारा 1 जून 2024 को प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं के लिए जो बिजली की नई दरें घोषित की गई है उसमें आपके द्वारा दी गई राहत की बहुत ही विशेष भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि विरासत में नई सरकार को 4 हजार 420 करोड़ रुपए का घाटा तोहफे के रूप में मिला था, यदि उस आधार पर नई बिजली दरें घोषित की जाती तो लगभग 21 प्रतिशत की वृद्धि अनुमानित थी। पत्र में कहा गया है, यह हमारा सौभाग्य है कि प्रदेश में आपके जैसा सरल, सौम्य, संवेदनशील लेकिन अपने निर्णयों में सुदृढ़ मुख्यमंत्री मिला है। जो 21 प्रतिशत की वृद्धि अनुमानित थी वह आपकी संवेदनशीलता की वजह से ही सभी श्रेणियों में औसतन 8.35 प्रतिशत पर आकर थम गई। घरेलू उपभोक्ताओं के लिए तो आपका निर्णय वरदान ही साबित हुआ है। आपने एक ओर जहां हॉफ बिजली बिल योजना को जारी रखते हुए अपने वार्षिक बजट में इसका प्रावधान कर दिया है वहीं दूसरी ओर घरेलू और गैर-घरेलू उपभोक्ताओं की दरों में मात्र 20 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि की गई है जो कि नगण्य है तथा एफोर्डेबल है। प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए आपने राज्य शासन की ओर से 1000 करोड़ रुपए का जो अनुदान स्वीकृत किया है उसकी जितनी भी तारीफ की जाए वह कम होगी। यह राहत वास्तव में प्रदेश की गरीब एवं मध्यम वर्गीय जनता के लिए बहुत बड़ा आर्थिक संबल साबित होगी।

दपूम रेलवे के 12 महत्वपूर्ण रेलवे ब्रिज पर वाटर लेवल मॉनीटरिंग सिस्टम

रेलवे ब्रिज पर स्थापित वाटर लेवल मॉनीटरिंग सिस्टम बाढ़ से करेगा आगाह

कंट्रोल से जुड़ा यह सिस्टम 24x7 जलस्तर का रियल टाइम सूचना दे रहा है

बिलासपुर/रायपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत स्थित महत्वपूर्ण रेलवे पुलों पर नदियों का जलस्तर मापने के लिए मीटर गेज के स्थान पर नई तकनीक वाटर लेवल मॉनीटरिंग सिस्टम का इस्तेमाल किया जा रहा है। सेंसर युक्त इस नए उपकरण से जलस्तर की पूरी जानकारी त्वरित मिल रही है। नदी में जल का स्तर अचानक बढ़ाने की स्थिति में इस सिस्टम से जुड़े अधिकारियों के मोबाइल पर तुरंत अलर्ट मैसेज भी आयेगा, जिससे समय रहते संरक्षित रेल परिचालन को भी सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत 12 महत्वपूर्ण रेलवे पुलों पर यह तकनीक स्थापित किया गया है।

पहले पारंपरिक गेज पद्धति से नदियों का जलस्तर पता किया जाता था। इसमें त्वरित सूचनाएं नहीं मिल पाती थीं। वाटर लेवल रीडिंग में भी त्रुटि की संभावना होती थी। रेलवे ट्रैक और पुल पर खतरे का आकलन मुश्किल भरा होता था। कई बार बाढ़ का पानी ट्रैक पर भी आ जाता था। लेकिन, इस आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल से नदियो पर जल के स्तर की निगरानी आसान हो रही है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के इन महत्वपूर्ण पुलों पर यह सिस्टम लगाया गया है- बिलासपुर रेल मण्डल के अंतर्गत झारसुगुड़ा एवं ईब स्टेशनों के मध्य ईब नदी पर रेलवे पूल क्रमांक 184P। बिलासपुर रेल मण्डल के अंतर्गत ईब एवं ब्रजराजनगर स्टेशनों के मध्य नदी पर रेलवे पूल क्रमांक 182P। बिलासपुर रेल मण्डल के अंतर्गत भूपदेवपुर एवं राबर्ट्सन स्टेशनों के मध्य नदी पर रेलवे पूल क्रमांक 86P। बिलासपुर रेल मण्डल के अंतर्गत कोरबा एवं गेवरारोड स्टेशनों के मध्य नदी पर रेलवे पूल क्रमांक 63DN। बिलासपुर रेल मण्डल के अंतर्गत नैला एवं चांपा स्टेशनों के मध्य हसदेव नदी पर रेलवे पूल क्रमांक 46DN। बिलासपुर रेल मण्डल के अंतर्गत जयराम नगर एवं अकलतरा स्टेशनों के मध्य रेलवे पूल क्रमांक 12MID। रायपुर रेल मण्डल के अंतर्गत दगौरी एवं निपनिया स्टेशनों के मध्य शिवनाथ नदी पर रेलवे पूल क्रमांक 462MID। नागपुर रेल मण्डल के अंतर्गत रसमड़ा एवं दुर्ग स्टेशनों के मध्य नदी पर रेलवे पूल क्रमांक 348DN। नागपुर रेल मण्डल के अंतर्गत मुंडीकोटा एवं तुमसर स्टेशनों के मध्य नदी पर रेलवे पूल क्रमांक 116P। नागपुर रेल मण्डल के अंतर्गत कन्हान एवं कामठी स्टेशनों के मध्य नदी पर रेलवे पूल क्रमांक 34P। नागपुर रेल मण्डल के अंतर्गत वडसा एवं ब्रम्हपुरी स्टेशनों के मध्य नदी पर रेलवे पूल क्रमांक 159GCF। नागपुर रेल मण्डल के अंतर्गत बरगी एवं ग्वारीघाट स्टेशनों के मध्य नदी पर रेलवे पूल क्रमांक 348DN।

इस तरह काम करता है यह सिस्टम...

नदियों के जलस्तर को मापने की पारंपरिक गेज पद्धति के स्थान पर आधुनिक वाटर लेवल मॉनीटरिंग सिस्टम लगाया गया है। सेंसर युक्त यह सिस्टम ट्रैक मैनेजमेंट सिस्टम से जुड़ा होता है। इसमें एक चिप लगा रहता है। उसमें पुल से संबद्ध सहायक मंडल इंजीनियर, कार्य निरीक्षक और रेल पथ निरीक्षक आदि के मोबाइल नंबर दर्ज रहते हैं। पुल पर जलस्तर बताने वाले स्केल को सेंसर सिस्टम रीड करता रहता है। जब जलस्तर खतरे के निशान से बढ़ता या घटता है तो यह मशीन स्वतः संबंधित इंजीनियरों व अधिकारियों को एसएमएस भेजता है।

दैनिक विश्व परिवार से जुड़ें...

छत्तीसगढ़ के सबसे विश्वसनीय दैनिक समाचार पत्र एवं वेबसाइट ''**दैनिक विश्व परिवार**'' से जुड़े और पाए अपनी खबरों को प्रकाशित कराने अवसर।

''**दैनिक विश्व परिवार**'' दे रहा है सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में युवा एवं प्रतिभावान पत्रकारों को मौका अपने जिले की हर खबर को प्रमुखता से प्रकाशित कराने का अवसर।

साथ ही छत्तीसगढ़ के समस्त जिले, विधानसभा, ब्लॉक स्तर पर रिपोर्टरों और विज्ञापन प्रतिनिधि की आवश्यकता है। अपनी खबरों को ''**दैनिक विश्व परिवार**'' के माध्यम से जनता तक पहुंचाए। हमसे जुड़ने के लिए निचे दिए गए नंबर पर करे अपनी खबरे साजा।

सम्पर्क : 99810-93065, 62662-63552

सर्वप्रथम अत्याधुनिक (अल्ट्रामॉडर्न) बर्न यूनिट
10 इंटेंसिव आइसोलेशन केयर ग्लास केबिन, हेपा फिल्टर/लेमिनर फ्लो 100% जीवाणु रहित ग्लास केबिन.
छ.ग.शासन से मान्यता प्राप्त
कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेढ़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay Advt.

लोन लेने के लिए ITR बनवायें मात्र 500/- में
शेखर गुप्ता ONLYTDS.COM
ITR GST
हमारे TAX Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
G.S.T. रिटर्न Food Licence
इन्कम TAX फाईल M.S.M.E. रजिस्ट्रेशन
TDS रिफंड प्रोजेक्ट रिपोर्ट
IT नोटिस डिजिटल सिग्नेचर
9300755544, 8878655544

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354